CHAMAN LAL MAHAVIDHYALAYA, LANDHAURA, MANGLAUR ROAD, HARIDWAR.(AUTONOMOUS)

AFFILIATED

SRI DEV SUMAN UTTARAKHAND UNIVERSITY, BADSHAHITHAUL, TEHRI GARHWAL,UTTARAKHAND

NATIONAL EDUCATION POLICY-2020
STRUCTURE OF
UG PG – SYLLABUS

CHAMAN LAL MAHAVIDHYALAYA, LANDHAURA, MANGLAUR ROAD, HARIDWAR.(AUTONOMOUS)

AFFILIATED

SRI DEV SUMAN UTTARAKHAND UNIVERSITY, BADSHAHITHAUL, TEHRI GARHWAL,UTTARAKHAND

List of Members of Board of Studies

Sl.	Name of the Members	Designation	Nominated as	
1.	डॉ० अनीता रानी	सहायक आचार्या	प्रभारी	
2.	डॉ० वन्दिता जुयाल	प्रोफेसर	सदस्य	17/11/25
3.	प्रो० राम रतन खण्डेलवाल	प्रोफेसर	सदस्य	17/11/25
4.	कु० दीपा रानी	सदस्य	सदस्य	Deepa

Sri Dev Suman Uttarakhand University, Badshahithaul, Tehri Garhwal, Uttarakhand

Faculty of Arts

SANSKRIT

Syllabus
For
University Campus & All Affiliated Colleges of
Sri Dev Suman Uttarakhand University, Tehri Garhwal, Uttarakhand

Four Year Undergraduate Programme
FYUP/Honours Programme/Master in Arts
Under National Education Policy-2020

(W.E.F. SESSION 2025-26)

अध्ययन/पाठ्य समिति द्वारा संस्तुत संस्कृत पाठ्यक्रम

2025

Flowchart Depicting the structure of UG & PG Multidisciplinary Program (with three Core Disciplines)

Abbreviations			
DSC	Discipline Specific Course	SEC	Skill Enhancement Course
DSE	Discipline Specific Electives	IAPC	Internship/Apprenticeship/Project/Community Outreach
GE	Generic Electives	VAC	Value Addition Course
AEC	Ability Enhancement Course		
IL	Pool of Indian Languages in the 8 th schedule of the Constitution	x	Not Applicable

अनुक्रमणिका

				पृष्ठ संख्या
01	प्रश्नपत्रों की सूची			14–16
02	Programme Specific Outcomes (PSOs)			17-18
03	प्रथम सत्रार्द्ध	कोर्स	क्रेडिट	—
	संस्कृत नीतिसाहित्य एवं व्याकरण	DSC 1	4	20-21
	श्रीमद्भगवद्गीता में आत्मप्रबन्धन	GE 1	4	22
04	द्वितीय सत्रार्द्ध	कोर्स	क्रेडिट	--
	संस्कृतमहाकाव्य,छन्दोऽलंकार एवं नाटक	DSC 2	4	23-24
	श्रीमद्भगवद्गीता में कर्मयोग	GE 2	4	25
05	तृतीय सत्रार्द्ध	कोर्स	क्रेडिट	--
	संस्कृतसाहित्य, भारतीयसंस्कृति एवं व्याकरण	DSC 3	4	27-28
	उपनिषद् एवं पुराण	DSE 1	4	29-30
	संस्कृतसाहित्य में मानवीयमूल्य	GE 3	4	31
06	चतुर्थ सत्रार्द्ध	कोर्स	क्रेडिट	--
	संस्कृतसाहित्य,साहित्यकार परिचय एवं निबन्ध	DSC 4	4	32-33
	स्मृति एवं स्तोत्रकाव्य	DSE 2	4	34-35
	संस्कृत साहित्य में दोषचित्त	GE 4	4	36
07	पंचम सत्रार्द्ध	कोर्स	क्रेडिट	--
	काव्यशास्त्र, दर्शन एवं व्याकरण	DSC 5	4	37-38
	भारतीय दर्शन	DSE 3	4	39-40
	संस्कृतसाहित्य में राष्ट्रीय चेतना	GE 5	4	41-42

बहुविषयक अध्ययन पाठ्यक्रमों हेतु स्नातक/परास्नातक पाठ्यक्रमों की रूपरेखा एवं प्रारूप (संस्कृत विषय का पाठ्यक्रम)

UG

Year	Sem.	Core (DSC) Credit 4	Electives (DSE) Credit 4	Generic Electives (GE) Credit 4	Ability Enhancement Course (AEC) Credit 2	Skill Enhancement Course (SEC) Credit 2	Internship/Apprenticeship/Project/ Community Outreach (IAPC Credit 4	Value Addition Course (VAC) Credit 2	Total Credit
				Undergraduate Certificate in SANSKRIT					
I	I	Choose any three Core Subjects (4x3=12 Credits) संस्कृत नीतिसाहित्य एवं व्याकरण	x	श्रीमद्भगवद्गीता में आत्मप्रबन्धन	Choose one from the pool of AEC courses	Choose one from the pool of SEC courses	x	Choose one from the pool of VAC courses	22
	II	संस्कृतमहाकाव्य, छन्दोऽलंकार एवं नाटक	x	श्रीमद्भगवद्गीता में कर्मयोग	Choose one from the pool of AEC courses	Choose one from the pool of SEC courses	x	Choose one from the pool of VAC courses	22
Total		24		8	4	4		4	44
				Undergraduate Diploma in SANSKRIT					
II	III	संस्कृतसाहित्य, भारतीयसंस्कृति एवं व्याकरण	उपनिषद् एवं पुराण OR	संस्कृतसाहित्य में मानवीयमूल्य	Choose one from the pool of AEC courses	Choose one from the pool of SEC courses	x	Choose one from the pool of VAC courses	22
	IV	संस्कृतसाहित्य, साहित्यकार परिचय एवं निबन्ध	स्मृति एवं स्तोत्रकाव्य OR	संस्कृत साहित्य में बोधिचित्त	Choose one from the pool of AEC courses	Choose one from the pool of SEC courses	x	Choose one from the pool of VAC courses	22
Total		24	8		4	4		4	44
				Bachelor in Sanskrit					
III	V	काव्यशास्त्र, दर्शन एवं व्याकरण	भारतीय दर्शन OR	संस्कृतसाहित्य में राष्ट्रीय चेतना	x	Choose one from the pool of SEC courses	जनपद में संस्कृतभाषा का प्रभाव : सर्वेक्षण	x	22

	VI	वैदिकवाङ्मय का अध्ययन	उपनिषद् साहित्य OR स्वास्थ्य विज्ञान		x	Choose one from the pool of SEC courses	पाण्डुलिपि	विज्ञान	x	22
Total		24	8			4	8			44
								Grand Total =		132

HONOURS / P.G. DIPLOMA / MASTER'S IN SANSKRIT

IV	VII	**DSC / Credit 4**	**DSE / Credit 4**	**DSE / Credit 4**	**DSE / Credit 4**	**Dissertation / 6 Credit**		Total Credit (22)
		वैदिक साहित्य	संस्कृत रूपक	सांख्य एवं न्यायदर्शन	व्याकरण, पालि एव प्राकृत अथवा संस्कृत शोध प्रविधि	Dissertation on Major OR Dissertation on Minor OR Academic Project/Entrepreneurship संस्कृत नाट्य एवं चलचित्र अथवा लोक संस्कृति में संस्कृत का प्रभाव अथवा संस्कृत साहित्य में आचार मीमांसा		22
			OR					
			DSE / Credit 4	**DSE / Credit 4**	**GE / Credit 4**			
			संस्कृत रूपक	सांख्य एवं न्यायदर्शन	अर्वाचीन संस्कृत साहित्य एवं साहित्यकार			
			OR					
			DSE / Credit 4	**GE / Credit 4**	**GE / Credit 4**			
			संस्कृतरूपक	अर्वाचीन संस्कृत साहित्य एवं साहित्यकार	आर्षकाव्य रामायण			
	VIII	**DSC / Credit 4**	**DSE / Credit 4**	**DSE / Credit 4**	**DSE / Credit 4**	**Dissertation / 6 Credit**		
		काव्य एवं भारतीय संस्कृति	वेदाङ्ग (निरुक्त, ऋक्प्रातिशाख्य एवं पाणिनीय शिक्षा)	व्याकरणदर्शन एवं भाषा विज्ञान	मीमांसा एवं वेदान्त	Dissertation on Major OR Dissertation on Minor OR		22

						Academic Project/Entrepreneurship	
			OR			अथर्ववेद एवं आयुर्वेद चिकित्सा अथवा संस्कृत साहित्य में वर्णित समाज अथवा भारतीय शिक्षा व्यवस्था : प्रासंगिकता	
			DSE / Credit 4	DSE / Credit 4	GE / Credit 4		
			वेदाङ्ग (निरुक्त,ऋक्प्रातिशाख्य एवं पाणिनीय शिक्षा)	व्याकरणदर्शन एवं भाषाविज्ञान	उत्तराखण्ड के संस्कृत साहित्यकार		
			OR				
			DSE / Credit 4	GE / Credit 4	GE / Credit 4		
			वेदाङ्ग (निरुक्त,ऋक्प्रातिशाख्य एवं पाणिनीय शिक्षा)	उत्तराखण्ड के संस्कृत साहित्यकार	आर्षकाव्य महाभारत		
Total		8	8	8	8	12	44
Total							176

MASTER'S IN SANSKRIT

V	IX	DSC / Credit 4	DSE / Credit 4	DSE / Credit 4	DSE / Credit 4	Dissertation / 6 Credit	
		काव्यशास्त्र भाग– 01	साहित्यशास्त्र एवं नाट्यशास्त्र भाग–01	व्याकरण–महाभाष्य, सिद्धिप्रक्रिया एवं सूत्र व्याख्या	गद्य एवं ऐतिहासिक काव्य	Dissertation on Major OR Dissertation on Minor OR Academic Project/Entrepreneurship	22
			OR			वेदों में विज्ञान अथवा वेदों में राजनीति अथवा वेदों में लोक–कल्याण	
			DSE / Credit 4	DSE / Credit 4	GE / Credit 4		
			साहित्यशास्त्र एवं नाट्यशास्त्र भाग–01	व्याकरण–महाभाष्य, सिद्धिप्रक्रिया एवं सूत्र व्याख्या	धर्मशास्त्र– सामाजिक एवं विधिसम्बद्ध		
			OR				
			DSE / Credit 4	GE / Credit 4	GE / Credit 4		

			साहित्यशास्त्र एवं नाट्यशास्त्र भाग–01	धर्मशास्त्र– सामाजिक एवं विधिसम्बद्ध	नीतिशास्त्र– राजनीतिसम्बद्ध		
	X	DSC / Credit 4	DSE / Credit 4	DSE / Credit 4	DSE / Credit 4	Dissertation / 6 Credit	
		काव्यशास्त्र भाग– 02	साहित्यशास्त्र एवं नाट्यशास्त्र भाग– 02	संस्कृत प्रकरण, चम्पूकाव्य एवं निबन्ध	अर्वाचीन संस्कृत साहित्य एवं साहित्यकार	Dissertation on Major OR Dissertation on Minor OR Academic Project/Entrepreneurship	22
			OR				
			DSE / Credit 4	DSE / Credit 4	GE / Credit 4	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अथवा भारतीय वास्तुशास्त्र की प्रासङ्गिकता अथवा भारतीय पुराभिलेख एवं लिपियाँ	
			साहित्यशास्त्र एवं नाट्यशास्त्र भाग– 02	संस्कृत प्रकरण, चम्पूकाव्य एवं निबन्ध	कौटिलीय– अर्थशास्त्रम् (विनयाधिकरणम्)		
			OR				
			DSE / Credit 4	GE / Credit 4	GE / Credit 4		
			साहित्यशास्त्र एवं नाट्यशास्त्र भाग– 02	कौटिलीय– अर्थशास्त्रम् (विनयाधिकरणम्)	पातञ्जलयोगसूत्र		
Total		8	8	8	8	8	44
							Grand Total = 220

17/11/25

List of all Papers in Ten Semester
Semester-wise Titles of Papers in SANSKRIT

Year	Sem.	Course Code	Paper Title	Theory/Practical	Credit
			Undergraduate Certificate in SANSKRIT		
First Year	I	DSC 1	संस्कृत नीतिसाहित्य एवं व्याकरण	Theory	4
		GE 1	श्रीमद्भगवद्गीता में आत्मप्रबन्धन	Theory	4
	II	DSC 2	संस्कृत महाकाव्य,छन्दोऽलंकार एवं नाटक	Theory	4
		GE 2	श्रीमद्भगवद्गीता में कर्मयोग	Theory	4
			Undergraduate Diploma in SANSKRIT		
Second Year	III	DSC 3	संस्कृतसाहित्य, भारतीय संस्कृति एवं व्याकरण	Theory	4
		DSE 1	उपनिषद् एवं पुराण	Theory	4
		GE 3	संस्कृतसाहित्य में मानवीय मूल्य	Theory	4
	IV	DSC 4	संस्कृत साहित्य,साहित्यकार परिचय एवं निबन्ध	Theory	4
		DSE 2	स्मृति एवं स्तोत्रकाव्य	Theory	4
		GE 4	संस्कृत साहित्य में बोधिचित्त	Theory	4
			Bachelor in SANSKRIT		
Third Year	V	DSC 5	काव्यशास्त्र, दर्शन एवं व्याकरण	Theory	4
		DSE 3	भारतीय दर्शन	Theory	4
		GE 5	संस्कृत साहित्य में राष्ट्रीय चेतना	Theory	4
		IAPC 1	जनपद में संस्कृतभाषा का प्रभाव : सर्वेक्षण	Theory/ Practice	4
	VI	DSC 6	वैदिक वाङ्मय का अध्ययन	Theory	4
		DSE 4	उपनिषद् साहित्य	Theory	4
		GE 6	स्वास्थ्य विज्ञान	Theory	4
		IAPC 2	पाण्डुलिपि विज्ञान	Theory/Practice	4
			PG Diploma/ Honours in SANSKRIT		
Fourth Year	VII	DSC 7	वैदिक साहित्य	Theory	4
	Group-I	DSE 5	संस्कृतरूपक	Theory	4
		DSE 6	सांख्य एवं न्यायदर्शन	Theory	4
		DSE 7	व्याकरण, पालि एवं प्राकृत अथवा संस्कृत शोधप्रविधि	Theory	4
	Group-II	DSE 5	संस्कृतरूपक	Theory	4
		DSE 6	सांख्य एवं न्यायदर्शन	Theory	4
		GE 7	अर्वाचीन संस्कृत साहित्य एवं साहित्यकार	Theory	4
	Group-III	DSE 5	संस्कृतरूपक	Theory	4

		GE 7	अर्वाचीन संस्कृत साहित्य एवं साहित्यकार	Theory	4
		GE 8	आर्षकाव्य रामायण	Theory	4
		Dissertation	Dissertation on Major- संस्कृत नाट्य एवं चलचित्र	Theory/Practice	6
			अथवा		
			Dissertation on Minor- लोक संस्कृति में संस्कृत का प्रभाव	Theory/ Practice	
			अथवा		
			Academic Project/ Entrepreneurship- संस्कृत साहित्य में आचार मीमांसा	Theory/Practice	
	VIII	DSC 8	काव्य एवं भारतीय संस्कृति	Theory	4
	Group I	DSE 8	वेदाङ्ग (निरुक्त,ऋक्प्रातिशाख्य एवं पाणिनीय शिक्षा)	Theory	4
		DSE 9	व्याकरणदर्शन एवं भाषा विज्ञान	Theory	4
		DSE 10	मीमांसा एवं वेदान्त		4
	Group II	DSE 8	वेदाङ्ग (निरुक्त,ऋक्प्रातिशाख्य एवं पाणिनीय शिक्षा)	Theory	4
		DSE 9	व्याकरणदर्शन एवं भाषा विज्ञान	Theory	4
		GE 9	उत्तराखण्ड के संस्कृत साहित्यकार	Theory	4
	Group III	DSE 8	वेदाङ्ग (निरुक्त,ऋक्प्रातिशाख्य एवं पाणिनीय शिक्षा)	Theory	4
		GE 9	उत्तराखण्ड के संस्कृत साहित्यकार	Theory	4
		GE 10	आर्षकाव्य महाभारत	Theory	4
		Dissertation	Dissertation on Major- अथर्ववेद एवं आयुर्वेद चिकित्सा	Theory/Practice	6
			अथवा		
			Dissertation on Minor- संस्कृतसाहित्य में वर्णित समाज	Theory/Practice	
			अथवा		
			Academic Project/ Entrepreneurship- भारतीय शिक्षा व्यवस्था : प्रासंगिकता	Theory/Practice	
			Master's in SANSKRIT		
Fifth Year	IX	DSC 9	काव्यशास्त्र भाग– 01	Theory	4
	Group I	DSE 11	साहित्यशास्त्र एवं नाट्यशास्त्र भाग–01	Theory	4
		DSE 12	व्याकरण–महाभाष्य, सिद्धि प्रक्रिया एवं सूत्र व्याख्या	Theory	4
		DSE 13	गद्य एवं ऐतिहासिक काव्य	Theory	4
	Group II	DSE 11	साहित्यशास्त्र एवं नाट्यशास्त्र भाग–01	Theory	4
		DSE 12	व्याकरण–महाभाष्य, सिद्धि प्रक्रिया एवं सूत्र व्याख्या	Theory	4
		GE 11	धर्मशास्त्र– सामाजिक एवं विधिसम्बद्ध	Theory	4
	Group III	DSE 11	साहित्यशास्त्र एवं नाट्यशास्त्र भाग–01	Theory	4
		GE 11	धर्मशास्त्र– सामाजिक एवं विधिसम्बद्ध	Theory	4
		GE 12	नीतिशास्त्र– राजनीतिसम्बद्ध	Theory	4
		Dissertation	Dissertation on Major- वेदों में विज्ञान	Theory/Practice	

			अथवा		
			Dissertation on Minor- वेदों में राजनीति	Theory/Practice	6
			अथवा		
			Academic Project/ Entrepreneurship- वेदों में लोक–कल्याण	Theory/Practice	
X	DSC 10		काव्यशास्त्र भाग– 02	Theory	4
Group I	DSE 14		साहित्यशास्त्र एवं नाट्यशास्त्र भाग– 02	Theory	4
	DSE 15		संस्कृत प्रकरण, चम्पू काव्य एवं निबन्ध	Theory	4
	DSE 16		अर्वाचीनसंस्कृतसाहित्य एवं साहित्यकार	Theory	4
Group II	DSE 14		साहित्यशास्त्र एवं नाट्यशास्त्र भाग– 02	Theory	4
	DSE 15		संस्कृत प्रकरण, चम्पूकाव्य एवं निबन्ध	Theory	4
	GE 13		कौटिलीयं– अर्थशास्त्रम् (विनयाधिकरणम्)	Theory	4
Group III	DSE 14		साहित्यशास्त्र एवं नाट्यशास्त्र भाग– 02	Theory	4
	GE 13		कौटिलीयं– अर्थशास्त्रम् (विनयाधिकरणम्)	Theory	4
	GE 14		पातञ्जलयोगसूत्र	Theory	4
		Dissertation	Dissertation on Major- योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	Theory/Practice	6
			अथवा		
			Dissertation on Minor- भारतीय वास्तुशास्त्र की प्रासङ्गिकता	Theory/Practice	
			अथवा		
			Academic Project/ Entrepreneurship- भारतीय पुराभिलेख एवं लिपियाँ	Theory/Practice	

Pandit Deepa

COURSE INTRODUCTION

	Programme outcomes (POs)
PO1	साहित्य मानव संवेदना की अभिव्यक्ति का प्रमुख स्त्रोत रहा है। कलाओं में यह सम्पूर्ण कला है। साहित्य– समाज का दर्पण है। स्नातक उपाधि में इस विषय के चयन से विद्यार्थी वर्ग साहित्य के अध्ययन से तत्कालीन समाज एवं संस्कृति से अवगत होंगें।
PO2	सहज एवं स्वाभाविक रूप से भाषा–कौशल प्राप्त कर उनमें प्रभावशाली अभिव्यक्ति की क्षमता उत्पन्न होगी।
PO3	आत्मविश्वास से युक्त एवं नेतृत्व क्षमता प्राप्त होगी।
PO4	मूल्यपरक व्यक्तित्व से युक्त होकर भारतीयता के बोध के साथ वैश्विक नागरिक के रूप में भावी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होंगे।
PO5	विद्यार्थी संघ लोक सेवा आयोग एवं प्रादेशिक लोक सेवा आयोगों के परीक्षा पाठ्यक्रम में सम्मिलित संस्कृतसाहित्य की आधार एवं अनिवार्य शिक्षा प्राप्त कर सकेगें।
PO6	विद्यार्थियों को लेखन, वाचन एवं अध्ययन की दृष्टि से भाषागत दक्षता प्राप्त हो सकेगी।
PO7	व्याकरण के अध्ययन से उच्चारण शुद्धता प्राप्त होगी जिससे ग्रन्थों के पठन–पाठन में दक्षता मिलेगी।
PO8	भारतीय ज्ञान परम्परा के अन्तर्गत विद्यार्थी हमारे प्राचीन साहित्य एवं नैतिक मूल्यों से अवगत होंगे।
PO9	भारतीय दर्शन के अन्तर्गत आस्तिक एवं नास्तिक दर्शनों से विद्यार्थी परिचित होंगे।
PO10	संस्कृत शब्द का अर्थ है संस्कार की हुई, परिमार्जित एवं शुद्धता से परिपूर्ण– अतः संस्कृत भाषा के अध्ययन से साहित्यिक भाषा का सम्यक बोध हो सकेगा।
PO11	नैतिक एवं चारित्रिक दृष्टि से मूल्यवान् व्यक्तित्वधारी होकर भारतीयता के बोध के साथ वैश्विक नागरिक के रूप में भावी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होंगे।
	Programme specific outcomes (PSOs)
PSO1	सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा के रूप में संस्कृत भाषा के प्राचीन महत्व एवं उसकी वर्तमान प्रासंगिकता को जानने–समझने योग्य होंगे।
PSO2	संस्कृतसाहित्य की विभिन्न विधाओं (गद्य, पद्य, नाटक, व्याकरण, दर्शन, कथा इत्यादि) के सुपरिचित माध्यम से अभिव्यक्ति कौशल का विकास होगा।
PSO3	धर्म–दर्शन, आचार–व्यवहार, नीतिशास्त्र एवं भारतीय संस्कृति के मूल तत्वों को जानकर उत्तम चरित्रवान् एवं कुशल नागरिक बनेगें।
PSO4	समसामयिक समस्याओं के समाधान के रूप में संस्कृत साहित्य में निबद्ध सर्वाङ्गीणता के प्रति शोधपरक दृष्टि का विकास होगा।
PSO5	संस्कृतभाषा अध्ययन, सम्भाषण, से जीविकोपार्जन के योग्य हो जायेगें।
PSO6	संस्कृतसाहित्य, भारतीयसंस्कृति ,भारतीय दर्शन, संस्कृत व्याकरण आदि का बोध हो सकेगा।
	Course Outcomes: (COs)
CO1	विद्यार्थी स्नातकउपाधि पाठ्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य विषय के रूप मे साहित्यशास्त्र, दर्शन एवं व्याकरण का आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेगें।
CO2	पाठ्यक्रम के अन्तर्गत, उपनिषद् पुराण एवं स्तोत्रकाव्य से परिचित होगें।
CO3	स्नातक उपाधि के पाठ्यक्रम में विद्यार्थी वैदिकवाङ्मय ,एवं धर्मशास्त्र का ज्ञान प्राप्त करेंगें।
CO4	पाठ्यक्रम के अन्तर्गत भारतीय ज्ञानपरम्परा के अन्तर्गत भारतीय दर्शन, एवं नीतिकथाओं के अध्ययन से विद्यार्थी का चारित्रिक उन्नयन होगा।
CO5	पाठ्यक्रम के अन्तर्गत स्मृति साहित्य का अध्ययन कर उसके महत्व से परिचित होगें।
CO6	कौटिलीय अर्थशास्त्र के अध्ययन से विद्यार्थी परिचित होगें।इस प्रकार धर्म–दर्शन, आचार–व्यवहार, नीतिशास्त्र के मूलतत्त्वों को जानकर उत्तम चरित्रवान् मान एवं कुशल नागरिक बनेंगे। प्रस्तावित विषय–संस्कृतसाहित्य की विविध विधाओं एवं वैदिकवाङ्मय पर आधारित विषय पर लघुशोधकार्य से विद्यार्थियों की शोधपरव बुद्धि का विकास होगा। सर्वेक्षण, अन्वेषण एवं मनन–चिन्तन से उनका बौद्धिकस्तर बढ़ेगा साथ ही समसामयिक समस्या के निदान का मार्ग भी प्रशस्त होगा।

CO7	संस्कृतभाषा के अध्ययन से विद्यार्थी अन्य भाषा के स्रोत को सरलता से समझ सकते हैं एवं संस्कृतसम्भाषण से विद्यार्थियों की वाक्शक्ति का विकास होगा।
CO8	संस्कृत महाकाव्य के अध्ययन से उनमें निहित महान् चरित्रों का अध्ययन कर आत्मसात् करेंगे एवं संस्कृत महाकाव्य मे प्रयुक्त रस, छन्द, अलंकारों के माध्यम से काव्यशास्त्रीय तत्वों को समझने की क्षमता प्राप्त करेंगे।
CO9	विद्यार्थी श्रीमद्भगवद्गीता के अन्तर्गत प्रतिपाद्य विषय के अध्ययन से कर्मसिद्धान्त एवं अध्यात्मज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
CO10	उपनिषद्, पुराण एवं स्तोत्रकाव्य के अध्ययन से विद्यार्थी सांस्कृतिक एवं सामाजिक चेतना से परिचित होंगे।

.....0.....

परीक्षा पद्धति

- प्रत्येक पाठ्यक्रम के कुल 100 अंक होंगे। इन 100 अंकों का विभाजन इस प्रकार होगा –
- 75 अंक बाह्य परीक्षा (External Exam) के लिए होंगे।
- 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन (Internal Exam) के लिए होंगे, जो सतत 360 डिग्री मूल्यांकन पर आधारित होगा।
- इस विभाजन (75 अंक बाह्य परीक्षा, 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन) में मुख्य घटक निम्नलिखित होंगे–
  - बाह्य परीक्षा (75 अंक)– यह लिखित परीक्षा या विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित मुख्य परीक्षा होती है।
  - आंतरिक मूल्यांकन (25 अंक)– इसमें सतत 360 डिग्री मूल्यांकन शामिल है, जिसमें प्रायः प्रोजेक्ट, असाइनमेंट, प्रेजेंटेशन, कक्षा सहभागिता, उपस्थिति, क्विज आदि घटक शामिल किए जाते हैं ।

PROGRAMME PREREQUISITES:

Any student who has passed intermediate or equivalent examination can opt for Sanskrit in B.A. Programme (undergraduate level).

Deepa

Undergraduate Certificate in SANSKRIT

Year	Sem.	Core (DSC) Credit 4	Electives (DSE) Credit 4	Generic Electives (GE) Credit 4	Ability Enhancement Course (AEC) Credit 2	Skill Enhancement Course (SEC) Credit 2	Internship/Apprenticeship/ Project/Community Outreach (IAPC Credit 4	Value Addition Course (VAC) Credit 2	Total Credit
I	I	Choose any three Core Subjects (4x3=12 Credits) संस्कृत नीतिसाहित्य एवं व्याकरण	x	श्रीमद्भगवद्गीता में आत्मप्रबन्धन	Choose one from the pool of AEC courses	Choose one from the pool of SEC courses	x	Choose one from the pool of VAC courses	22
	II	संस्कृतमहाकाव्य, छन्दोऽलंकार एवं नाटक	x	श्रीमद्भगवद्गीता में कर्मयोग	Choose one from the pool of AEC courses	Choose one from the pool of SEC courses	x	Choose one from the pool of VAC courses	22
Total		24		8	4	4		4	44

Deepa

Undergraduate Certificate in SANSKRIT

SEMESTER -I

Discipline Specific Core: संस्कृत नीति–साहित्य एवं व्याकरण

COURSE DISTRIBUTION ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSC: संस्कृत नीति–साहित्य एवं व्याकरण	4	3	1	0	XIIth Pass	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-DSC101	Year: I	Semester: I Paper- DSC I

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. विद्यार्थी संस्कृत नीतिसाहित्य से परिचित हो सकेंगे।
2. संस्कृत नीतिसाहित्य की सुगीतात्मकता का सौंदर्यबोध कर सकेंगे।
3. नीतिसाहित्य में प्रयुक्त नैतिकशिक्षा का बोध कर सकेंगे।
4. संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।
5. संस्कृत वर्णों के शुद्ध उच्चारण कौशल का विकास होगा।
6. स्वर एवं व्यंजन के मूल भेद को समझ कर पृथक् अर्थावगमन की क्षमता उत्पन्न होगी।
7. स्वर, व्यंजन एवं विसर्ग संधि का विशिष्ट ज्ञान एवं उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	नीतिशतकम्– भर्तृहरि (प्रारम्भ की दो पद्धतियाँ)–संस्कृत नीति साहित्य का परिचय, भर्तृहरि का जीवनवृत्त एवं नीति साहित्य को योगदान, मूर्ख पद्धति एवं विद्वत्पद्धति, के श्लोकों का अर्थ एवं व्याकरणात्मक टिप्पणी।	16
Unit II	हितोपदेश–मित्रलाभ (प्रारम्भिक दो कथायें)–नीतिकथाओं का विकास एवं महत्त्व, श्रीनारायणपण्डित का जीवनवृत्त एवं कृतियों का परिचय, हितोपदेश की प्रथम दो कथाओं का सारांश (वृद्धव्याघ्रपथिकयोः कथा एवं मृगजम्बुकयोः कथा), अनुवाद एवं व्याकरणात्मक टिप्पणी।	16
Unit III	व्याकरण– संज्ञाप्रकरणम्–माहेश्वरसूत्राणि, लघुसिद्धान्तकौमुदी के संज्ञाप्रकरण से सूत्र संख्या– 1/3/3, 1/1/60, 1/3/9, 1/1/71, 1/2/27, 1/2/29, 1/2/30, 1/2/31, 1/1/8, 1/1/9, 1/1/69, 1/4/109, 1/1/7 एवं 1/4/14।	18
Unit IV	व्याकरण– शब्दरूप लेखन मात्र– राम, रमा, हरि, नदी, गुरु, अस्मद् एवं युष्मद्। धातुरूप– पठ्, गम्, भू, कृ, लिख्– पाँचों लकारों में लेखन मात्र– लट्, लृट्, लोट्, लङ् एवं विधिलिङ्।	10

Suggested Reading:

1. नीतिशतकम्, जनार्दन शास्त्री पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली।
2. नीतिशतकम्, मनोरमा हिन्दी व्याख्या सहित, ओमप्रकाश पाण्डेय, चौखम्बा अमरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
3. हितोपदेश– सम्पादक डॉ0 प्रभुनाथ द्विवेदी, चौखम्बा अमरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
4. हितोपदेश (मित्रलाभ)–डॉ0 कविता गौतम, युवराज प्रकाशन, आगरा।
5. हितोपदेश सं0 जीवानन्द विद्यासागर, कलकत्ता।
6. भर्तृहरिविरचितम् नीतिशतकम्, व्याख्याता डॉ0 सुनीता जायसवाल, साहित्य सहचर वाराणसी।2002।
7. भर्तृहरिविरचितम् नीतिशतकम्, बाबूराम त्रिपाठी (सम्पादक), महालक्ष्मी प्रकाशन,आगरा।
8. लघुसिद्धान्तकौमुदी– श्री वरदराजाचार्यकृत–'ललिता'– संस्कृत– हिन्दी टीकोपेता– डॉ0 कौशलकिशोरपाण्डेय–चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
9. लघुसिद्धान्तकौमुदी–श्री वरदराजाचार्यकृत– व्याख्याकार श्रीधरानन्दशास्त्री– चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
10. Bhartṛhari Nītiśtakam (Sanskrit), Prof. c. Upendra Rao, (extensive translation in three languages with grammatical notes and helpful exercises of 50 verses out of 100 verses on morals and ethics written by famous poet Bhartrihari in Sanskrit), Rashtriya Sanskrit Sansthan, New Delhi, 2009.

Suggested Online Link:

1: SwayamPrabha - DTH Channel,
https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/program/current_he/1

2. https://archive.org

Indu
Deepa

GE: श्रीमद्भगवद्गीता में आत्मप्रबन्धन

GRADUATE ... HIGHLIGHTS OF THE COURSE

TEACHING HOURS - BP

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE: श्रीमद्भगवद्गीता में आत्मप्रबन्धन	4	3	1	0	XIIth Pass	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-GE101	Year: I	Semester: I Paper- GE I

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. विद्यार्थी श्रीमद्भगवद्गीता के अन्तर्गत प्रतिपाद्य विषय से अवगत हो सकेंगे।
2. श्रीमद्भगवद्गीता के माध्यम से आत्मप्रबन्धन से अवगत होंगे।
3. मानवजीवन में आत्मप्रबन्धन को आत्मसात् करने में सक्षम होंगे।
4. विद्यार्थी आत्मप्रबन्ध के ज्ञान से प्रत्येक कार्य को सम्यक् रूप से पूर्ण कर लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	महाभारत का संक्षिप्त परिचय, महर्षि वेदव्यास का परिचय, श्रीमद्भगवद्गीता का परिचय एवं प्रतिपाद्य विषय।	15
Unit II	श्रीमद्भगवद्गीता में वर्णित इन्द्रिय, मन, बुद्धि, आत्मा का स्वरूप तथा कार्य।	15
Unit III	आत्मा एवं मन की भूमिका एवं त्रिगुणों का स्वरूप एवं कार्य।	15
Unit IV	आत्मप्रबन्धन अर्थ एवं स्वरूप, इन्द्रियनिग्रह अर्थ एवं स्वरूप तथा आत्मप्रबन्धन की प्रासङ्गिकता।	15

Suggested Reading:

1. श्रीमद्भगवद्गीता– गीता प्रेस गोरखपुर।
2. श्रीमद्भगवद्गीता हिन्दी टीकाकार– डॉ0 श्रीकृष्ण त्रिपाठी।
3. श्रीमद्भगवद्गीता (मधुसूदनी संस्कृत टीका)– श्री सनातन देव।
4. श्रीमद्भगवद्गीता– डॉ0 बाबूराम त्रिपाठी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
5. गीताविज्ञानभाष्यम्– डॉ0 रामप्रकाश सारस्वत, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
6. गीता रहस्य भूमिका– बालगंगाधर तिलक, आनन्दाश्रम पूना। प्रथम संस्करण–1919

Suggested Online Link:

1. SwayamPrabha - DTH Channel, https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/program/current_he/1 2. https://archive.org

SEMESTER -II

DSC: संस्कृतमहाकाव्य, छन्दोऽलंकार एवं नाटक

THE PREREQUISITES OF THE COURSE

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSC: संस्कृतमहाकाव्य, छन्दोऽलंकार एवं नाटक	4	3	1	0	XIIth Pass	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-DSC102	Year: I	Semester: II Paper- DSC II

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे।
2. संस्कृत महाकाव्य के अध्ययन से उनमें निहित महान् चरित्रों का अध्ययन कर आत्मसात् करेंगे।
3. विद्यार्थी संस्कृत महाकाव्य मे प्रयुक्त रस, छन्द, अलंकारों को समझने की क्षमता प्राप्त करेंगे।
4. संस्कृत महाकाव्यों में निहित सूक्तियों एवं सुभाषित वाक्यों के माध्यम से विद्यार्थियों का नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होगा।
5. संस्कृतनाटक के अध्ययन से विद्यार्थी संस्कृत नाट्य साहित्य को सामान्य रूप से समझने में सक्षम होंगे।
6. नाटक की पारिभाषिक शब्दावली से सुपरिचित होंगे तथा संवाद एवं अभिनय कौशल में पारंगत होंगे।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	रघुवंशम्–कालिदासकृत, द्वितीय सर्ग– 01 से 40 श्लोक पर्यन्त– संस्कृत महाकाव्य का सामान्य परिचय, महाकवि कालिदास का परिचय, रचनाएं, रघुवंशपरिचय, श्लोकों की व्याख्या, काव्यगत विशेषताएं एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	16
Unit II	छन्द परिचय–लक्षण एवं उदाहरण–अनुष्टुप्, आर्या, इन्द्रवज्रा, वंशस्थ, वसन्ततिलका, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडित, मालिनी, भुजङ्गप्रयात एवं मन्दाक्रान्ता। अलंकार परिचय–लक्षण एवं उदाहरण–अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, व्यतिरेक, विभावना, विशेषोक्ति, अतिशयोक्ति।	14
Unit III	अभिज्ञानशाकुन्तलम्–कालिदासकृत चतुर्थ अंक–श्लोकों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	16
Unit IV	नाट्यसाहित्य का सामान्य परिचय एवं नाट्यशास्त्रीय पारिभाषिक शब्दावली (दशरूपक के आधार पर)– नान्दी, प्रस्तावना, सूत्रधार, आकाशभाषित, विष्कम्भक, प्रवेशक, जनान्तिक, अपवारित, स्वगतकथन, एवं भरतवाक्य।	14

Suggested Reading:

1– रघुवंशम् महाकाव्यम्– सम्पा0 महावीर शास्त्री– प्रकाशन साहित्यभण्डार, सुभाष बाजार ,मेरठ–250002।
2– छन्दोऽलंकार ज्ञान– डॉ0 किरण टण्डन।
3– अलंकारशास्त्र का इतिहास– डॉ0 कृष्ण कुमार।
4– वृत्तरत्नाकर– पं0 केदारभट्ट– व्याख्या प0 बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
5– साहित्यदर्पण– नवम्–दशम परिच्छेद।
6– छन्दोऽलंकार परिचय– डॉ0 लज्जा भट्ट, लक्ष्मी प्रकाशन।
7– छन्द एवं अलंकार ज्ञान– डॉ0 शालिमा तबस्सुम, ज्ञानोदय प्रकाशन, नैनीताल।
8– अभिज्ञानशाकुन्तलम्– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, साहित्य संस्थान इलाहाबाद।
9– अभिज्ञानशाकुन्तल एक विश्लेषण– डॉ0 देवीदत्त शर्मा।
10– संस्कृत साहित्य का इतिहास– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, ज्ञान प्रकाशन भदौही।
11– संस्कृत साहित्य का इतिहास– डॉ0 बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
12– महाकवि कालिदास– रमाशंकर तिवारी।
13– संस्कृत नाटक– ए.बी. कीथ।
14– संस्कृत नाटक– रामजी उपाध्याय।

Suggested Online Link:

1. **SwayamPrabha - DTH Channel, https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/program/current_he/1**
2. **https://archive.org**

SEMESTER: II

GE: श्रीमद्भगवद्गीता में कर्मयोग

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE: श्रीमद्भगवद्गीता में कर्मयोग	4	3	1	0	XIIth Pass	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-GE102	Year: I	Semester: II Paper- GE II

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. विद्यार्थी श्रीमद्भगवद्गीता के अन्तर्गत प्रतिपाद्य विषय से अवगत हो सकेंगे।
2. श्रीमद्भगवद्गीता के माध्यम से कर्मसिद्धान्त एवं अध्यात्मज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
3. मानवजीवन में ज्ञान के महत्त्व को आत्मसात करने में सक्षम होंगे।
4. विद्यार्थी कर्मयोग में दक्षता प्राप्त कर सकेंगे।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	महाभारत का संक्षिप्त परिचय, महर्षि वेदव्यास का परिचय।	15
Unit II	श्रीमद्भगवद्गीता के अध्यायों का संक्षिप्त परिचय।	15
Unit III	कर्मयोग का परिचय– तृतीय अध्याय के अन्तर्गत कर्मयोग ।	15
Unit IV	श्रीमद्भगवद्गीता के चतुर्थ अध्याय के अन्तर्गत कर्मयोग एवं प्रासङ्गिकता।	15

Suggested Reading:

1. श्रीमद्भगवद्गीता–गीता प्रेस गोरखपुर।
2. श्रीमद्भगवद्गीता हिन्दी टीकाकार– डॉ० श्रीकृष्ण त्रिपाठी।
3. श्रीमद्भगवद्गीता (मधुसूदनी संस्कृत टीका)– श्री सनातन देव।
4. श्रीमद्भगवद्गीता– डॉ० बाबूराम त्रिपाठी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
5. गीताविज्ञानभाष्यम्– डॉ० रामप्रकाश सारस्वत, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
6. गीतारहस्य भूमिका–पं० बालगंगाधर तिलक, आनन्दाश्रम पूना।

Undergraduate Diploma in SANSKRIT

Year	Sem.	Core (DSC) Credit 4	Electives (DSE) Credit 4	Generic Electives (GE) Credit 4	Ability Enhancement Course (AEC) Credit 2	Skill Enhancement Course (SEC) Credit 2	Internship/Apprenticeship/Project/ Community Outreach (IAPC Credit 4	Value Addition Course (VAC) Credit 2	Total Credit
II	III	संस्कृत साहित्य, भारतीय संस्कृति एवं व्याकरण	उपनिषद् एवं पुराण में	OR संस्कृत साहित्य मानवीयमूल्य	Choose one from the pool of AEC courses	Choose one from the pool of SEC courses	x	Choose one from the pool of VAC courses	22
	IV	संस्कृत साहित्य, साहित्यकार परिचय एवं निबन्ध	स्मृति एवं स्तोत्र काव्य	OR संस्कृत साहित्य में बोधिचित्त	Choose one from the pool of AEC courses	Choose one from the pool of SEC courses	x	Choose one from the pool of VAC courses	22
Total Credit		24	8		4	4		4	44

Undergraduate Diploma in Sanskrit

SEMESTER-III

DSC: संस्कृत साहित्य, भारतीय संस्कृति एवं व्याकरण

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSC: संस्कृत साहित्य, भारतीय संस्कृति एवं व्याकरण	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-DSC203	Year: II	Semester: III Paper- DSC III

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य रचनाओं से परिचित हो सकेंगे।
2. भारतीय संस्कृति के अध्ययन से विद्यार्थी संस्कृति की विशेषताओं से परिचित होंगे जिससे उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होगा।
3. भारतीय सास्कृतिक तत्त्वों एवं मूल्यों को आत्मसात् कर भारतीयता के गर्व बोध से युक्त उत्तम नागरिक बनेंगे।
4. संस्कृत व्याकरण का ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।

Unit	Topic	No. Of Hours
Unit I	किरातार्जुनीयम्– प्रथम सर्ग–01 से 40 श्लोक पर्यन्त महाकाव्य का परिचय, कवि परिचय, श्लोकों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	14
Unit II	शिवराजविजयम्– प्रथम विराम से प्रथम निःश्वास, ग्रन्थ परिचय, कवि परिचय, व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	14
Unit III	भारतीय संस्कृति– भारतीय संस्कृति की विशेषताएँ, पंच महायज्ञ, संस्कार, पुरुषार्थ चतुष्टय, वर्णाश्रम व्यवस्था एवं शिक्षा व्यवस्था।	10
Unit IV	सन्धि प्रकरणम्–(लघुसिद्धान्तकौमुदी से) अच् सन्धि– यण्, अयादि, गुण, वृद्धि दीर्घ, पूर्वरूप और पररूप सन्धि हल् सन्धि – श्चुत्व, ष्टुत्व, अनुनासिकत्व, छत्व, जश्त्व । विसर्ग सन्धि– सत्व, उत्व, लोप, रुत्व।	12
Unit V	कारक प्रकरण, लघुसिद्धान्तकौमुदी से– सूत्रसंख्या– 2/3/46, 2/3/47, 1/4/49, 2/3/2, 1/4/51, 1/4/54, 1/4/42, 2/3/18, 1/4/32, 2/3/13, 2/3/16, 1/4/24, 2/3/28, 2/3/50, 1/4/45 एवं 2/3/36 सूत्रों की व्याख्या एवं उदाहरण।	10

Suggested Reading:

1– किरातार्जुनीयम् (भारविकृत)– जनार्दन शास्त्री पाण्डेय, मोतीलाल बनारसी दास पब्लिकेशन, दिल्ली।
2– शिवराजविजयः (अम्बिकादत्त व्यास) प्रथम विरांम– डॉ0 रमाशंकर मिश्र।
3– भारतीय संस्कृति– डॉ0 किरन टण्डन, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, नई दिल्ली।
4– भारतीय संस्कृति का इतिहास– डॉ0 नरेन्द्र देव सिंह शास्त्री।
5– भारतीय संस्कृति– डॉ0 इन्दुमती मिश्र।
6– आधुनिक गद्यसाहित्य का इतिहास– कलानाथ शास्त्री।
7– लघुसिद्धान्तकौमुदी (समास प्रकरण)– डॉ0 सुरेन्द्र देव शास्त्री।
8– लघुसिद्धान्तकौमदी (समास प्रकरण)– श्री धरानन्द शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती, बनारस।
9– शिवराजविजय– डॉ0 बाबूरामत्रिपाठी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
10– लघुसिद्धान्तकौमुदी– महेश सिंह कुशवाहा।

Suggested Online Link:

1. **SwayamPrabha - DTH Channel, https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/program/current_he/1**
2. **https://archive.org**

SEMESTER – III

DSE: उपनिषद् एवं पुराण

CREDIT DISTRIBUTION ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE:: उपनिषद् एवं पुराण	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-DSE201	Year: II	Semester: III Paper- DSE1

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. उपनिषद् का सामान्य परिचय एवं संख्या का अवबोध होगा।
2. उपनिषद् में वर्णित ज्ञान, कर्म एवं उपासना को समझ सकेंगे।
3. पुराणों के परिचय से सृष्टि,सांस्कृतिक एवं सामाजिक चेतना से परिचित होंगे।
4. स्तोत्रकाव्य के रहस्य द्वारा सृष्टि कल्याणार्थ भाव विकसित होंगे।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	उपनिषदों का सामान्य परिचय– उपनिषद् का अर्थ, उपनिषदों की संख्या, उपनिषदों का प्रतिपाद्य विषय एवं महत्त्व।	10
Unit II	कठोपनिषद् : प्रथम अध्याय–प्रथमवल्ली कठोपनिषद् का संक्षिप्त परिचय, महत्त्व, मन्त्रों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	15
Unit III	कठोपनिषद् : प्रथम अध्याय– द्वितीयवल्ली मन्त्रों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	15
Unit IV	प्रमुख पुराणों का सामान्य परिचय, ब्रह्म पुराण एवं पद्म पुराण का परिचय एवं महत्त्व।	10
Unit V	विष्णु पुराण, अग्नि पुराण, श्रीमद्भागवद् पुराण का परिचय एवं महत्त्व।	10

Suggested Reading:

1– कठोपनिषद्– सुरेन्द्र देव शास्त्री, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी।
2– पुराण विमर्श– पण्डित बलदेव उपाध्याय, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली।
3– श्रीमद्भागवद् पुराण– गीता प्रेस, गोरखपुर।

5– पुराण तत्त्व मीमांसा– डॉ0 श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्बा साहित्य, वाराणसी।
6– श्रीमद्भागवतम्– सम्पा0 रामतेज पाण्डेय शास्त्री, चौखम्बा साहित्य, वाराणसी।
7– विष्णु पुराण– व्यासकृत, सम्पादक– डॉ0 राजेन्द्र लाल, नाग पब्लिशर्स, दिल्ली।
8– भागवतपुराण का सांस्कृतिक अध्ययन– लक्ष्मीशंकर उपाध्याय–साहित्य सहचर वाराणसी।
9– पुराणपर्यालोचन– समीक्षात्मक भाग, कृष्णमणि त्रिपठी, वाराणसी चौखम्बा, सुरभारतीय प्रकाशन 1975।
10– पुराणपर्यालोचन– गवेषणात्मक भाग, कृष्णमणि त्रिपाठी, वाराणसी चौखम्बा, सुरभारतीय प्रकाशन 1975।

Suggested Online Link:

1. **SwayamPrabha - DTH Channel,**
   https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/program/current_he/1
2. **https://archive.org**

SEMESTER-III

GE: संस्कृत साहित्य में मानवीय–मूल्य

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE: संस्कृत साहित्य में मानवीय–मूल्य	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-GE203	Year: II	Semester: III Paper- GE III

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. विद्यार्थी अपने प्राचीन नैतिक मूल्यों से सुपरिचित होंगे।
2. विद्यार्थी नैतिक मूल्यों से सम्बन्धित प्राचीन ग्रन्थों का अध्ययन करेंगे।
3. नैतिक मूल्यों के माध्यम से विद्यार्थी अपने कर्त्तव्यों एवं आचरणों से परिचित होंगे।
4. नैतिक मूल्यों को जानने के पश्चात् विद्यार्थी समाज में व्याप्त विसंगतियों को दूर करने में सक्षम होंगे।
5. विद्यार्थी नैतिक मूल्यों के ज्ञान से आत्मविकास करने में सक्षम होंगे।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	संस्कृत साहित्य का परिचय , मानवीय मूल्य का अर्थ	15
Unit II	मानवीय मूल्यों का विश्लेषण– सत्य, अहिंसा, अस्तेय ; इन्द्रियसंयम, श्रद्धाभाव, तप, तितिक्षा,समभाव, सद्गुण,	15
Unit III	मानवीय मूल्यों का विश्लेषण– आत्मज्ञान,, आत्मभाव, आदर्शभाव,सदाचार, शुद्ध–आहार, सद्कर्म, कर्तव्यनिष्ठा, ।	15
Unit IV	मानवीय मूल्यों का विश्लेषण–ब्रह्मचर्य, वर्णाश्रम, धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष एवं मानवीय मूल्यों की प्रासङ्गिकता।	15

Suggested Reading:

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास– आचार्य बलदेव उपाध्याय, वाराणसी चौक विश्वविद्यालय प्रकाशन दिल्ली।
2. वैदिक वाङमय का इतिहास– भगवद्दत्त, नई दिल्ली प्रणव प्रकाशन।
3. संस्कार प्रकाश, भवानी शंकर त्रिवेदी; लाल बहादुर शास्त्री केंद्रीय संस्कृत विद्यापीठ, दिल्ली।
4. महर्षि वाल्मीकिकृत– श्रीमद्वाल्मीकीय रामायण– गोरखपुर गीता प्रेस।
5. महर्षि व्यासकृत– महाभारत– सम्पादक मण्डल वी0एस0 सूकथडकर, एडगर्टन, रघुवीर आदि पुणे, भाण्डारकर प्राच्य विद्यामंदिर 1933–1959।
6. धर्म शास्त्र का इतिहास, पांडुरंग वामन काणे, (अनु0) अर्जुन चौबे कश्यप, प्रथम भाग, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान लखनऊ, 1973।
7. वेदामृतम् आचार शिक्षा–डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती अनुसन्धान परिषद् ज्ञानपुर, भदोही।
8. ऋग्वेद में आचार सामग्री–सत्यप्रिय शास्त्री– श्री घडमल प्रहलादकमार आर्य धमार्थ टस्ट ब्यानिया पाडा,हिण्डौन सिटी राजस्थान।

SEMESTER-IV

DSC: संस्कृत साहित्य, साहित्यकार परिचय एवं निबन्ध

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSC: संस्कृत साहित्य, साहित्यकार परिचय एवं निबन्ध	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-DSC204	Year: II	Semester: IV Paper- DSCIV

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर पद्यसाहित्य एवं गद्यसाहित्य से सुपरिचित हो सकेंगे।
2. सम्बन्धित साहित्य के अध्ययन से पद्यसाहित्य की सुगीतात्मकता का सौन्दर्य बोध कर सकेंगे।
3. सम्बन्धित साहित्य के माध्यम से उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होगा।
4. प्राचीन एवं अर्वाचीन संस्कृत साहित्यकारों के अध्ययन से प्रेरणा प्राप्त कर सकेंगे।
5. विद्यार्थियों में निबन्ध एवं अनुच्छेद लेखन क्षमता का विकास होगा।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	शिशुपालवधम्–प्रथम सर्ग–01 से 40 श्लोक पर्यन्त– संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त परिचय, महाकाव्य का संक्षिप्त परिचय, शिशुपालवधम के सर्गों का संक्षिप्त परिचय, कृतिकार का परिचय, श्लोकों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	15
Unit II	शुकनासोपदेश– गद्यसाहित्य का परिचय, कादम्बरी का संक्षिप्त परिचय, गद्यकार परिचय, शुकनासोपदेश के अनुच्छेदों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	15
Unit III	प्राचीन संस्कृत साहित्यकारों का परिचय एवं संस्कृत साहित्य में उनका योगदान यथा– वाल्मीकि, व्यास, भास, कालिदास, भवभूति, शूद्रक, बाणभट्ट, दण्डी, हर्षदेव, श्रीहर्ष।	10
Unit IV	अर्वाचीन संस्कृत साहित्यकारों का परिचय एवं संस्कृत साहित्य में उनका योगदान यथा–पण्डित अम्बिकादत्त व्यास, पण्डिता क्षमाराव, आचार्य विश्वेश्वर पाण्डेय, अभिराजराजेन्द्र मिश्र, सदानंद डबराल, राधावल्लभ त्रिपाठी,	10
Unit V	निबन्ध लेखन : संस्कृत भाषा में – संस्कृतभाषा, विद्या, उद्योगः, परोपकारः, स्त्रीशिक्षा, अहिंसा, सत्संगतिः, पर्यावरणम् , उत्तराखण्ड।	10

Suggested Reading:

1– शिशुपालवधम्– डॉ0 बाबूराम त्रिपाठी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।

2– कादम्बरी – शुकनासोपदेश।

4– संस्कृत साहित्य का इतिहास– आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
5– आधुनिक संस्कृत साहित्य– डॉ0 हीरालाल शुक्ल।
6– संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास– राधावल्लभ त्रिपाठी विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
7– आधुनिक संस्कृत साहित्य सन्दर्भ सूची– राधावल्लभ त्रिपाठी राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली।
8– आधुनिक संस्कृत काव्य की परिक्रमा– मंजू लता शर्मा, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली।
9– संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास– सप्तम खण्ड आधुनिक खण्ड, उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, उत्तर प्रदेश।
10– संस्कृतनिबन्धसुधा– डॉ0 राधेश्याम गंगवार, वैदिक पुस्तकालय समिति, देहरादून –2013।

Suggested Online Link:

1. **SwayamPrabha - DTH Channel,**
   https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/program/current_he/1
2. **https://archive.org**

4– संस्कृत साहित्य का इतिहास– आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
5– आधुनिक संस्कृत साहित्य– डॉ0 हीरालाल शुक्ल।
6– संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास– राधावल्लभ त्रिपाठी विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
7– आधुनिक संस्कृत साहित्य सन्दर्भ सूची– राधावल्लभ त्रिपाठी राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली।
8– आधुनिक संस्कृत काव्य की परिक्रमा– मंजू लता शर्मा, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली।
9– संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास– सप्तम खण्ड आधुनिक खण्ड, उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, उत्तर प्रदेश।
10– संस्कृतनिबन्धसुधा– डॉ0 राधेश्याम गंगवार, वैदिक पुस्तकालय समिति, देहरादून –2013।

Suggested Online Link:

1. **SwayamPrabha - DTH Channel,**
   https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/program/current_he/1
2. **https://archive.org**

7. संस्कृत वाङमय का बृहद् इतिहास– तृतीय खण्ड, पद्मविभूषण बलदेव उपाध्याय, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ।
8. प्राचीन भारतीय संस्कृति के मूलतत्व– डॉ0 श्रीभगवान शर्मा, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
9. बृहत्–स्तोत्र–रत्नोकरः– सम्पादकः पण्डित पुनीत मिश्र,प्रकाशक रुपेश ठाकुर प्रसादप्रकाशन, कचौडी गली,वाराणसी–221001।

Suggested Online Link:

1. **SwayamPrabha - DTH Channel, https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/program/current_he/1**
2. **https://archive.org**

SEMESTER – IV

GE: संस्कृत साहित्य में बोधिचित्त

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE: संस्कृत साहित्य में बोधिचित्त	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-GE204	Year: II	Semester: IV Paper- GE IV

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

उद्देश्य–

1. विद्यार्थियों को बौद्धसाहित्य से परिचित कराना।
2. बौद्ध ग्रन्थों में निहित शिक्षाओं का अवबोध कराना।

अधिगम–

1. विद्यार्थी बौद्ध साहित्य के अध्ययन से भारतीय दर्शन की विविधताओं से परिचित होंगे।
2. बौद्ध साहित्य में निहित नैतिक, सामाजिक, व्यावहारिक शिक्षा से भली भाँति परिचित होकर स्वयं को संयमित रखेंगे। चारित्रिक उन्नति होगी।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit-I	पालि साहित्य का विकास, परिचय एवं परम्परा।	15
Unit-II	बौद्ध ग्रन्थ:परिचय–धम्मपद, बुद्ध स्तुति, त्रिपिटक, सद्धर्म–पुण्डरीक, नामसंगीति।	15
Unit III	बोधिसत्व एवं बोधचित्त परिचय एवं परिभाषाएँ।	15
Unit IV	महायान एवं हीनयान शाखाओं का परिचय।	15

Suggested Reading:

1. सर्वदर्शनसंग्रह– माधवाचार्य, पं० मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली।
2. त्रिपिटक– गौतमबुद्ध, पालिटेक्स सोसायटी, लन्दन तथा सारनाथ स्थित महाबोधि सोसायटी एवं संस्कृत वि०वि० द्वारा प्रकाशित। ईस्टर्न बुक प्रकाशन। नई दिल्ली।
3. धम्मपद– गौतम बुद्ध, ईस्टर्न बुक प्रकाशन। नई दिल्ली।

Indira Deepa

Bachelor in Sanskrit

SEMESTER-V

DSC: काव्यशास्त्र, दर्शन एवं व्याकरण

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSC: काव्यशास्त्र, दर्शन एवं व्याकरण	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-DSC305	Year: III	Semester: V Paper- DSC-V

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी काव्यशास्त्र के उद्भव और विकास से सुपरिचित होकर काव्यशास्त्रीय तत्त्वों को समझने में सक्षम होंगे।
2. भारतीय दार्शनिक तत्त्वों का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा।
3. दार्शनिक तत्त्वों के प्रति विश्लेषणात्मक एवं तार्किक क्षमता का विकास होगा।
4. व्याकरणशास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य विन्यास कौशल का विकास हो सकेगा।

Unit	Topics	
Unit I	साहित्यदर्पण का संक्षिप्त परिचय, आचार्य विश्वनाथ का परिचय, षष्ठ परिच्छेद:–काव्य के अन्यनिमित्तक भेद, दृश्य काव्य, कारिका 1 से 19 कारिका पर्यन्त–कारिकाओं का अर्थ एवं टिप्पणी।	12
Unit II	साहित्यदर्पण:–षष्ठ परिच्छेद–श्रव्य काव्य, कारिका 313 से 337 कारिका पर्यन्त–कारिकाओं का अर्थ, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	12
Unit III	तर्कसंग्रह, अन्नंभट्ट, प्रारम्भ से प्रत्यक्ष प्रमाण पर्यन्त– ग्रन्थ का परिचय, रचनाकार का परिचय, व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	12
Unit IV	तर्कसंग्रह, अन्नंभट्ट, अनुमान प्रमाण से समाप्ति पर्यन्त– व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	12
Unit V	व्याकरण– प्रत्यय (कृदन्त)– तव्यत्, अनीयर्, ण्वुल्, तृच्, क्त्, क्तवतु, क्तिन्, तुमुन् एवं घञ्। (लघुसिद्धान्तकौमुदी)प्रत्यय परिचय, सूत्रों की व्याख्या, एवं उदाहरण।	12

Suggested Reading:

1. काव्यालंकार– शिवनारायण शास्त्री, परिमल प्रकाशन।
2. साहित्यदर्पण– प्रो0 सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन।

4. लघुसिद्धान्तकौमुदी– कृदन्त प्रकरण– महेश सिंह कुशवाहा।
5. लघुसिद्धान्तकौमुदी– श्री परानन्द शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती, बनारस।
6. लघुसिद्धान्तकौमुदी– डॉ0 सुरेन्द्र देव शास्त्री।
7. लघुसिद्धान्तकौमुदी– वरदराज, भैमी व्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1–6 भाग)।
8. लघुसिद्धान्तकौमुदी– गोविंद प्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन।
9. लघुसिद्धान्तकौमुदी– डॉ0 उमेश चन्द्र पाण्डे, चौखम्बा प्रकाशन।
10. कृदन्त प्रकरणम्– डॉ0 लज्जा भट्ट– राधा पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली।
11. काव्यदीपिका– कान्ति चन्द्र भाट्टाचार्य– मोती लाल बनारसी दास।

Suggested Online Link:

1. **SwayamPrabha - DTH Channel.**
   https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/program/current_hd/1
2. **https://archive.org**

SEMESTER -V

DSE: भारतीय दर्शन

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE: भारतीय दर्शन	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-DSE303	Year: III	Semester: V Paper- DSE III

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. विद्यार्थी दर्शन का अर्थ भारतीय परिप्रेक्ष्य में समझ सकेंगे।
2. आस्तिक एवं नास्तिक दर्शनों की परिभाषा एवं ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
3. विद्यार्थी दर्शन के मौलिक सिद्धान्तों से सुपरिचित हो सकेंगे।
4. विद्यार्थी दर्शन के माध्यम से संपूर्ण ब्रह्माण्ड एवं मानव जीवन के वास्तविक स्वरूप का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	आस्तिक दर्शनों का सामान्य परिचय।	12
Unit II	आस्तिक दर्शनों में आत्मा एवं परमात्मा (ईश्वर), कार्यकारणवाद।	12
Unit III	आस्तिक दर्शनों में मोक्ष, कर्म एवं पुनर्जन्म, प्रमाण।	12
Unit IV	नास्तिक दर्शनों का सामान्य परिचय।	12
Unit V	बौद्ध– (आर्यसत्य, अष्टांगिक मार्ग, प्रतीत्यसमुत्पादवाद) जैन– (स्यादवाद एवं अनेकान्तवाद)।	12

Suggested Reading:

1. भारतीय दर्शन– आचार्य बलदेव उपाध्याय, वाराणसी शारदा मन्दिर 1971।
2. दर्शन और जीवन– सम्पूर्णानन्द, परिपूर्णानन्द वर्मा कानपुर– 1941।
3. दर्शन का प्रयोजन– डॉ0 भगवान दास, बनारस ज्ञान मण्डल लिमिटेड द्वितीय संस्करण।
4. दर्शन दिग्दर्शन– राहुल सांकृत्यायन, किताब महल इलाहाबाद।
5. भारतीय दर्शन : विशद विवेचन– डॉ0 गीता शुक्ला– युवराज पब्लिकेशन, आगरा।
6. भारतीय दर्शन का इतिहास– एस0के0 दास।
7. भारतीय दर्शन– डॉ0 उमेश मिश्र, लखनऊ हिन्दी समीति ग्रन्थमाला।
8. भारतीय दर्शन की रूपरेखा– [illegible] मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली।

9. बुद्धस्तुति– प्रो0सी0 उपेन्द्र राव, लेखक द्वारा प्रकाशित, नोमपेन्ह,कम्बोडिया
10.बौद्धधर्म दर्शन– आचार्य नरेन्द्र देव, पटना बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् 1971।
11. चार्वाक दर्शन– आचार्य आनन्द झा, हिन्दी समिति, सूचना विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ 1969।
12.जैन धर्मदर्शन–एक अनुशीलन– डॉ0 राजेन्द्र मुनि, यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
13. भारतीय दर्शन में भाषा तत्त्व– डॉ0 सोमवीर, परिमल प्रकाशन, दिल्ली।

Suggested Online Link:

1. **SwayamPrabha - DTH Channel,**
   https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/program/current_he/1
2. **https://archive.org**

Indira Datta

SEMESTER – V

	GE: संस्कृत साहित्य में राष्ट्रीय चेतना

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- (4)

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE: संस्कृत साहित्य में राष्ट्रीय चेतना	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-GE305	Year: III	Semester: V Paper- GE V

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. विद्यार्थी संस्कृतसाहित्य में वर्णित राष्ट्रीय चेतना से सुपरिचित होंगे।
2. संस्कृतसाहित्य एवं राष्ट्रीय एकता के महत्त्व को जान सकेंगे।
3. विद्यार्थी प्रत्येक कार्य को राष्ट्रीयभाव से सम्पन्न करेंगे जिससे स्वयं की और देश की उन्नति होगी।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	वैदिक–साहित्य में राष्ट्र की अवधारणा, राष्ट्र का संस्कृतपरक अर्थ। सप्तांग सिद्धान्त–कौटिल्य अर्थशास्त्र अध्याय 6	15
Unit II	राष्ट्रीयता के कारक तत्त्व, राष्ट्रीय प्रतीक–राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, राष्ट्रध्वज, राष्ट्रीय चिह्न। भूमिसूक्त–अथर्ववेद 12/11–12। शुक्लयजुर्वेद–राष्ट्रीयता के तत्त्व 22/22। शतपथब्राह्म–राष्ट्रबोधन का महत्त्व।	15
Unit III	वाल्मीकि रामायण में राष्ट्र की भौगोलिक एकता किष्किन्धाकाण्ड अध्याय 46–48, रघुवंश में सांस्कृतिक एकता (सर्ग–4), महाभारत में जनांकिकीय(राजनीतिक और सामाजिक) एकीकरण (शान्ति पर्व 65/13–22)।	15
Unit IV	आधुनिक संस्कृत ग्रन्थों में राष्ट्रीयचिन्तन–भारतविजयम् नाटक–मथुरा प्रसाद दीक्षित, सत्याग्रहगीता–पण्डिता क्षमराव, गाँधीचरितम्–चारुदेव शास्त्री, शिवराजविजय–अम्बिकादत्त व्यास। देशोऽयं कुरुते प्रोन्नतिम्–प्रो0 हरिनारायण दीक्षित, राष्ट्रभवति सर्वस्वम्–डॉ0 कीर्ति वल्लभ शक्टा, चन्द्रगुप्तचरितम्–प्रो0 राधेश्याम गंगवार।	15

Suggested Reading:

2. संस्कृत साहित्य में राष्ट्रीय भावना– प्रो0 हरिनारायण दीक्षित– ईस्टर्न बुक लिंक, दिल्ली।
3. ऋग्वेद 3.53.123.3.53.24.7.33.6), भूमि सूक्त अथर्व 12.1.1–12।
4. शुक्ल यजुर्वेद में राष्ट्रीयता के तत्त्व –22.22।
5. शतपथ ब्राह्मण 9.4.1.1–5।
6. वाल्मीकि रामायण में–किष्किन्धा काण्ड अध्याय 46–48)।
7. रघुवंश –सर्ग–4।
8. महाभारत शान्ति पर्व 65/13–22।
9. वेद में राष्ट्र एवं राष्ट्रीयता की अवधारणा– प्रो0 ब्रज विहारी चौबे, संज्ञान वैदिक अध्ययन एवं शोधकेन्द्र होशियारपर।
10. संस्कृत और राष्ट्र की एकता–सम्पादक राधावल्लभ त्रिपाठी,अक्षयवट प्रकाशन,इलाहाबाद।
11. पुराणों में राष्ट्रीय एकता– पुष्पेन्दु कुमार दिल्ली नाग पब्लिशर्स।
12. संस्कृतवाङ्मय में राष्ट्रीय चेतना–डॉ0 विजय कुमार कर्ण, हिन्दुस्तान एकेडमी प्रयागराज।
13. राष्ट्रगीताञ्जलि–डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती अनुसंधान परिषद् ज्ञानपुर, भदोई उ0प्र0।

Suggested Online Link:

1. **SwayamPrabha - DTH Channel,**
   1 https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/program/current_he/1
2. **https://archive.org**

Indira
Deepa

SEMESTER -V

IAPC: जनपद में संस्कृत भाषा का प्रभावः सर्वेक्षण

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 30

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
IAPC: जनपद में संस्कृत भाषा का प्रभावः सर्वेक्षण	4	1	1	2	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-IAPC301	Year: III	Semester: V Paper- IAPC1

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. विद्यार्थी जनपद के संस्कृत साहित्यकारों से सुपरिचित हो सकेंगे।
2. विद्यार्थी साहित्यकारों के साहित्य से नये कार्यों को करने के लिए प्रेरित होंगे।
3. विद्यार्थियों की रचनात्मक शैली की वृद्धि होगी।
4. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य पठन–पाठन में रूचि लेंगे।
5. विद्यार्थी दैनिक जीवन में संस्कृतभाषा के महत्त्व से सुपरिचित होंगे।

Unit	Topics	No. of Hours(L)
Unit I	शोधसर्वेक्षण की भूमिका, उद्देश्य, महत्त्व एवं शोधप्रविधि की उपादेयता।	10
Unit II	जनपद के संस्कृत साहित्यकारों का सर्वेक्षण।	10
Unit III	जनपद के साहित्य का अध्ययन एवं रचनात्मक कार्य एवं संस्कृतभाषा की उपादेयता।	10

Suggested Readings:

1– संस्कृतसाहित्य का इतिहास–पद्मविभूषण डॉ0 बलदेव उपाध्याय–शारदा मन्दिर, वाराणसी।
2– संस्कृतशास्त्रों का इतिहास– पद्मविभूषण डॉ0 बलदेव उपाध्याय, शारदा मन्दिर, वाराणसी।
3– भाषाविज्ञान– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4– प्राचीन भारतीय साहित्य की सांस्कृतिक भूमिका– रामजी उपाध्याय, वाराणसी।
5– लोकसाहित्य एवं संस्कृति– डॉ0 देवसिंह पोखरिया।
6– वैदिक साहित्य और संस्कृति–वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली। प्रथम सं0 1989। स्वास्थ्य विज्ञान
7– प्राचीन भारतीयसंस्कृति के आधार– वीरेन्द्र सिंह, अक्षयवट प्रकाशन इलाहाबाद प्र0सं0 1986।
8– [illegible]

SEMESTER-VI

DSC: वैदिक वाङ्मय का अध्ययन

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSC: वैदिक वाङ्मय का अध्ययन	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-DSC506	Year: IV	Semester: VI Paper- DSCVI

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. वैदिक वाङ्मय संस्कृत की समृद्ध परम्परा को समझने में पर्याप्त सहायक होगा।
2. वेदोक्त संदेशों एवं मूल्यों के माध्यम से आचरण का उदात्तीकरण होगा।
3. वैदिक सूक्तों के माध्यम से विद्यार्थी को तत्कालीन अध्यात्म, समाज एवं राष्ट्र का दिग्दर्शन होगा।
4. वेदाङ्ग के सम्यक् बोध से सर्वकल्याणार्थ उनका उपयोग करेंगे।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	वेद– ऋग्वेद– अग्निसूक्त– 1/1, विष्णुसूक्त– 1/154, पुरुषसूक्त– 10/90, वैदिकसाहित्य का संक्षिप्त परिचय, महत्त्व, सूक्तों का संक्षिप्त परिचय, व्याख्या एवं टिप्पणी।	16
Unit II	यजुर्वेद– शिवसंकल्पसूक्त– सूक्त का संक्षिप्त परिचय, व्याख्या एवं टिप्पणी।	10
Unit III	अथर्ववेद– पृथिवीसूक्त (द्वादशकाण्ड) 1 से 10 मन्त्र पर्यन्त– सूक्त का संक्षिप्त परिचय, व्याख्या एवं टिप्पणी।	10
Unit IV	वेद, ब्राह्मण एवं आरण्यक ग्रन्थ परिचय– ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद एवं अथर्ववेद का सामान्य परिचय, ब्राह्मण एवं आरण्यक का सामान्य परिचय एवं वर्तमान परिप्रेक्ष्य में इनकी प्रासङ्गिकता।	12
Unit V	वेदाङ्ग–शिक्षा, कल्प, व्याकरण, ज्योतिष, छन्द एवं निरुक्त का सामान्य परिचय एवं वर्तमान परिप्रेक्ष्य में इनकी प्रासङ्गिकता।	12

Suggested Reading:

1– वैदिक सूक्त चयनिका– डॉ0 किरण टण्डन, डॉ0 जया तिवारी, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी ।

4– वैदिक सूक्त संग्रह– अयोध्या प्रसाद सिंह।
5– वैदिक साहित्य का इतिहास– डॉ0 कर्णसिंह,साहित्य भण्डार मेरठ–2013।
6– वैदिक साहित्य और संस्कृति– डॉ0 ओम प्रकाश पाण्डे।
7– शिवसंकल्पसूत्रम्– संस्कृत हिन्दी टीका सहित– डॉ0 त्रिलोकी नाथ द्विवेदी, चौखम्बा साहित्य प्रकाशन, वाराणसी।
8– न्यूवैदिक सलेक्शन– भाग–1, 2 सम्पादक–ब्रजविहारी चौबे–तैलंग एवं चौबे
9–देवता तत्त्व विज्ञान – प्रोफेसर घनश्याम उनियाल, कात्यायन वैदिक साहित्य प्रकाशन, चतुर्वेद निकेतन, होशियारपुर, पंजाब

Suggested Online Link:

1. **SwayamPrabha - DTH Channel,**
   https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/program/current_hc/1
2. **https://archive.org**

Deepa

SEMESTER – VI

DSE: उपनिषद् साहित्य

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS: 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE: उपनिषद् साहित्य	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-DSE-304	Year: III	Semester: VI Paper- DSE IV

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. विद्यार्थी उपनिषद् का अर्थ समझ सकेंगे।
2. उपनिषदों की दार्शनिक पृष्ठभूमि से परिचित हो सकेंगे।
3. उपनिषदों में प्राप्त होने वाली नैतिक शिक्षा से अवगत होंगे।
4. विद्यार्थी उपनिषद् ज्ञान के माध्यम से सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड एवं मानव जीवन के वास्तविक स्वरूप का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	प्रमुख ग्यारह उपनिषदों का सामान्य परिचय।	10
Unit II	ईशोपनिषद्।	13
Unit III	तैत्तिरीयोपनिषद् (शिक्षावल्ली)।	13
Unit IV	तैत्तिरीयोपनिषद् (भृगुवल्ली)	12
Unit V	केन उपनिषद्।	12

Suggested Reading:

1. उपनिषदों का सामान्य परिचय– डॉ० वेदवती वैदिक।
2. तैत्तिरीयोपनिषद्–गीता प्रेस गोरखपुर।
3. केन उपनिषद्– गीता प्रेस गोरखपुर।

Suggested Online Link:

Indira Gupta

SEMESTER – VI

GE: स्वास्थ्य विज्ञान

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE: स्वास्थ्य विज्ञान	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-GE306	Year: III	Semester: VI Paper- GE VI

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. भारतीय प्राच्य ज्ञान की अद्भुत देन आयुर्वेद का सामान्य ज्ञान प्राप्त करेंगे।
2. मानव स्वास्थ्य एवं रोग निवारण हेतु आयुर्वेद के मूलभूत सिद्धान्तों से सुपरिचित होंगे।
3. वर्तमान समय में आयुर्वेद की आवश्यकता एवं महत्त्व से अवगत होते हुए मानव कल्याणार्थ अनुप्रयोग हेतु प्रेरित होंगे।
4. अष्टांग आयुर्वेद के ज्ञान द्वारा स्वस्थ जीवन शैली से सुपरिचित होंगे।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	आयुर्वेद का सामान्य परिचय, उद्भव, विकास एवं मूलभूत सिद्धान्त, आयुर्वेद के प्रमुख आचार्य– चरक, सुश्रुत, वाग्भट एवं माधव।	15
Unit II	चरक संहिता एवं अष्टांग आयुर्वेद की उपादेयता।	15
Unit III	संस्कृत साहित्य में आयुर्वेद, आयुर्वेद का वैज्ञानिक इतिहास।	15
Unit IV	आयुर्वेद की वर्तमान काल में उपयोगिता एवं महत्त्व।	15

Suggested Reading:

1. चरक संहिता– ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2005।
2. अष्टांग हृदयम– वाग्भट, ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्टान दिल्ली, 2014।
3. आयुर्वेद का वृहद् इतिहास– अत्रिदेव विद्यालंकार, हिन्दी समिति, उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ, द्वितीय संस्करण, 1976।
4. संस्कृत वाङ्मय का वृहद् इतिहास– बलदेव उपाध्याय, (सप्तदश खण्ड),उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ, 2006।
5. आयुर्वेद का वैज्ञानिक इतिहास– आचार्य प्रियव्रत शर्मा, चौखम्बा वाराणसी।
6. आयुर्वेद इतिहास एवं परिचय– विद्याधर शुक्ल एवं रवि दत्त त्रिपाठी,चौखम्बा वाराणसी।
7. संस्कृत साहित्य में आयुर्वेद– अत्रिदेव विद्यालंकार, भारतीय ज्ञानपीठ काशी, प्रथम संस्करण, 1956।
8. वेदों में आयुर्वेद– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती अनसंधान परिषद् ज्ञानपुर, भदोही, 1993।

Indira Deepa

SEMESTER -VI

IAPC: पाण्डुलिपि विज्ञान

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 30

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
IAPC: पाण्डुलिपि विज्ञान	4	2	0	2	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-IAPC302	Year: III	Semester: VI Paper- IAPCII

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. विद्यार्थी प्राचीन लिपियों से अवगत होंगे।
2. पाण्डुलिपि विज्ञान के स्वरूप एवं पाण्डुलिपि लेखन के आधार तथा उपकरण से परिचित होंगे।
3. विद्यार्थी पाण्डुलिपि के ज्ञान से पाण्डुलिपियों को सुरक्षित एवं अन्य लिपियों में परिवर्तित करने में सक्षम होंगे।

Unit	Topics	No. of Hours (L)
Unit I	पाण्डुलिपि विज्ञान– स्वरूप एवं क्षेत्र, लिपिविज्ञान एवं उसके सहायक शास्त्र, लिपि शब्द का अर्थ एवं उसका कमिक विकास लिपियों का स्वरूप, पाण्डुलिपि का अर्थ एवं कमिक विकास।	10
Unit II	पाण्डुलिपि–लेखन : आधार एवं उपकरण, पाण्डुलिपि लेखन के आधार, पाण्डुलिपि लेखन के उपकरण एवं प्रकार।	06
Unit III	पाण्डुलिपियों की सुरक्षा एवं लिप्यन्तरण– पाण्डुलिपियों के सुरक्षा के उपाय, प्रमुख पाण्डुलिपियों का परिचय, लिप्यन्तरण, संस्कृत वर्णमाला एवं लेखनचिह्न अन्ताराष्ट्रिय लेखन चिह्न।	07
Unit III	पाठालोचन– पाठालोचन के विविध सिद्धान्त, पाठदोष : प्रकार एवं कारण, वंशवृक्ष निर्माण।	07

Suggested Reading:

1. भारतीय संस्कृति– प्रो0 किरण टण्डन, ईस्टन बुक लिंकर्स, दिल्ली।
2. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास– पं0 बलदेव उपाध्याय, उत्तर प्रदेश अकादमीय लखनऊ।
3. शोध प्रविधि एवं पाण्डुलिपि विज्ञान :– प्रो0 अभिराज राजेन्द्र मिश्र, डॉ0 (श्रीमती) राजेश कुमारी मिश्र, वैजयन्त प्रकाशन इलाहाबाद।
4. पाण्डुलिपि विज्ञान :– डॉ0 रामगोपाल शर्मा दिनेश।
5. पाण्डुलिपि विज्ञान :– डॉ0 सत्येन्द्र।
6. प्राचीन कला एवं संस्कृति– डॉ0 राजकिशोर सिंह, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा

Indira Deepa

PG Diploma/ Honours in SANSKRIT

SEMESTER – VII

DSC- वैदिक साहित्य

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSC- वैदिक साहित्य	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-DSC407	Year: IV	Semester: VII Paper- DSC-VII

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. वेद, वैदिकसंहिता, ब्राह्मण ग्रन्थ, आरण्यक ग्रन्थ, उपनिषद्, वेदाङ्ग एवं वैदिक साहित्य की पृष्ठभूमि में रचित ग्रन्थों से सुपरिचित होंगे।
2. वैदिक सूक्तों के महत्त्व से सुपरिचित होंगे।
3. वैदिक साहित्य के माध्यम से नैतिक एवं राष्ट्रिय भावना से अभिभूत होंगे।
4. वैदिक वाङ्मय एवं संस्कृति का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	ऋग्वेद–इन्द्र सूक्त—2/12, सूर्य सूक्त–1/115, अग्नि सूक्त–1/143	14
Unit II	ऋग्वेद–उषस् सूक्त– 3/61, वाक् सूक्त–10/125	10
Unit III	ऋग्वेद–नासदीय सूक्त– 10/129, हिरण्यगर्भ सूक्त– 10/121 विश्वामित्र–नदी संवाद–3/33	13
Unit IV	यजुर्वेद–योगक्षेम–22/22, अथर्ववेद–राष्ट्राभिवर्धन–1/29	13
Unit V	वैदिक साहित्य का इतिहास	10

Suggested Reading:

1. द न्यू वैदिक सलेक्शनभाग– 01 तथा भाग–02– सम्पादक– ब्रजबिहारी चौबे (तैलंग एवं चौबे)।
2. ऋक्सूक्त संग्रह– डॉ0 हरिदत्त शास्त्री एवं डॉ0 कृष्णकुमार–प्रकाशन– साहित्य भण्डार सुभाष बाजार मेरठ– 250002।
3- Hymns of the Rigvdea- Peterson .
4. वैदिक साहित्य का इतिहास– डॉ0 कृष्णकुमार ,साहित्य भण्डार मेरठ।
5. वैदिक साहित्य का इतिहास– गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर एवं पं0 राजेश्वर (राजू) केशवशास्त्री मुसलगाँवकर प्रकाशन– चौखम्बा संस्कृत, वाराणसी
6. वैदिक साहित्य का इतिहास– डॉ0 कर्ण सिंह,साहित्य भण्डार मेरठ।
7. वैदिक साहित्य का इतिहास– वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान,दिल्ली।

PG Diploma/ Honours -SANSKRIT

SEMESTER-VII

Group- I

DSE: संस्कृतरूपक

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE: संस्कृतरूपक	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

SUBJECT: SANSKRIT	Course Code: SAN-DSE405	Year: IV	Semester: VII Paper- DSE V

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. सस्कृत रूपक एवं साहित्य का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर रूपकों के भेदों से सुपरिचित हो सकेंगे।
2. रूपक साहित्य एवं साहित्यकारों के माध्यम से उनके नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष को समझ पायेंगे।
3. रूपक साहित्य के ज्ञान से कल्पनाशीलता एवं रचनात्मक क्षमता का विकास होगा।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	उत्तररामचरितम्– भवभूति– प्रथम से द्वितीय अंक पर्यन्त।	14
Unit II	उत्तररामचरितम्– भवभूति– तृतीय से चतुर्थ अंक पर्यन्त।	13
Unit III	रत्नावली– हर्षदेवकृत– सम्पूर्ण।	15
Unit VI	सम्बन्धित ग्रन्थों का नाट्यशास्त्रीय अध्ययन।	10
Unit V	संस्कृत रूपककार परिचय–निम्नांकित के संदर्भ में– भास, कालिदास, हर्ष, भवभूति, शूद्रक, विशाखदत्त, भट्ट नारायण।	08

Suggested Reading:

1. उत्तररामचरितम्– पद्मश्री डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी।
2. उत्तररामचरितम्– कृष्णकान्त शुक्ल एवं ब्रह्मानन्द शुक्ल।
3. उत्तररामचरितम् की शास्त्रीय समीक्षा– डॉ0 सत्यनारायण चौधरी।
4. भवभूति एवं उनकी नाट्यकला– डॉ0 अयोध्याप्रसाद सिंह।
5. संस्कृतकविसमीक्षा– अमर नाथ पाण्डेय, चौखम्बा ओरिएन्टालिया, वाराणसी।
6. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास– पद्मश्री डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, संस्कृत साहित्य संस्थान, 37 कचहरी मार्ग, इलाहाबाद।
7. संस्कृत साहित्य का इतिहास– पद्मविभूषण डॉ0 बलदेव उपाध्याय, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ।

Deepa

8. संस्कृत काव्यकार– डॉ0 हरिदत्त शास्त्री।
9. रत्नावली– हर्षदेवकृत–व्याख्याकार एवं सम्पादक डॉ0 शिवप्रसाद शास्त्री, मेरठ साहित्य भण्डार 1994

Suggested Online Link:

1. **SwayamPrabha - DTH Channel,**
   https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/program/current_he/1
2. **https://archive.org**

Indira Deepa

PG Diploma/ Honours in SANSKRIT

SEMESTER-VII
Group- I

DSE: सांख्य एवं न्यायदर्शन

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE: सांख्य एवं न्यायदर्शन	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-DSE406	Year: IV	Semester: VII Paper- DSE -VI

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. भारतीय दार्शनिक तत्त्वों का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा।
2. सांख्य दर्शन के मूलभूत सिद्धान्तों को जानकर प्रमेय पदार्थों से परिचित होंगे।
3. न्यायशास्त्र के प्राचीन एवं वैज्ञानिक ज्ञान से लाभान्वित होंगे।
4. न्यायदर्शन से प्राचीन एवं आधुनिक न्याय व्यवस्था से परिचित होंगे।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	सांख्य एवं न्यायदर्शन परम्परा एवं सांख्यकारिका–ईश्वर कृष्ण कृत (01–35 वीं कारिका पर्यन्त)	13
Unit II	सांख्यकारिका–ईश्वर कृष्ण कृत (36–72वीं कारिका पर्यन्त)	13
Unit III	तर्कभाषा–प्रारम्भ से प्रत्यक्ष पर्यन्त।	10
Unit IV	तर्कभाषा–अनुमान से प्रामाण्यवाद पर्यन्त।	12
Unit V	तर्कभाषा–प्रमेय निरूपण।	12

Suggested Reading:

1. सांख्यकारिका– ढुण्ढिराज शास्त्री।
2. सांख्यकारिका– डॉ0 रमाशंकर तिवारी।
3. सांख्यकारिका– जगन्नाथ शास्त्री।
4. सांख्यकारिका– डॉ0 रामकृष्ण आचार्य।
5. तर्कभाषा– आचार्य विश्वेश्वर पाण्डे, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
6. तर्कभाषा– श्रीनिवास शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी।
7. तर्कभाषा– आचार्य बद्रीनाथ शुक्ल।
8. भारतीय दर्शन [illegible] हिन्दी समिति ग्रन्थमाला।

PG Diploma/ Honours in SANSKRIT

SEMESTER-VII
Group- I

DSE: व्याकरण, पालि एवं प्राकृत

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE: व्याकरण, पालि एवं प्राकृत	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-DSE407	Year: IV	Semester: VII Paper- DSE-VII

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. व्याकरण अध्ययन से विद्यार्थी उच्चारण कौशल में निपुण होंगे।
2. संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित होंगे।
3. कारक एवं समास का विशिष्ट ज्ञान एवं उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी–कारक प्रकरण–कर्ता, कर्म एवं करण।	12
Unit II	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी–कारक प्रकरण–सम्प्रदान, अपादान, एवं अधिकरण।	10
Unit III	समास प्रकरण–लघुसिद्धान्तकौमुदी के आधार पर।	13
Unit IV	पालिभाषा परिचय एवं धम्मपद–दशवग्गपर्यन्त (व्याख्या–टिप्पणी)।	15
Unit V	प्राकृत भाषा उद्गम–विकास एवं प्रमुख ग्रन्थ–परिचय।	10

Suggested Reading:

1. सिद्धान्त कौमुदी– भट्टोजिदीक्षित, व्याख्याकार– श्री गोपालदत्त पाण्डेय।
2. एम0 ए0 संस्कृत व्याकरण– श्रीनिवास शास्त्री।
3. धम्मपद– सम्पादक, कन्छेदीलाल गुप्त।
4. पालि साहित्य का इतिहास– डॉ0 भरतसिंह उपाध्याय।
5. लघुसिद्धान्तकौमुदी– श्रीधरानन्द शास्त्री,चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी।
6. तिङन्त प्रकरणम्– डॉ0 लज्जा भट्ट

PG Diploma/ Honours in SANSKRIT

SEMESTER-VII

Group I

DSE: संस्कृत शोध–प्रविधि I

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE: संस्कृत शोध–प्रविधि	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-DSE407A	Year: IV	Semester: VII Paper- DSE-VIIA

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1– विद्यार्थी शोधप्रविधि के अध्ययन से शोध के क्षेत्र में प्रवेश करेंगे।
2– विद्यार्थी किसी भी विषय को लेकर शोधकार्य कर सकेंगे।
3– शोधकार्य में किसी भी प्रविधि के माध्यम से शोधकार्य को पूर्ण करने में सफल होंगे।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	शोध का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप।	10
Unit II	शोध के प्रकार, शोध के मुख्यतत्त्व एवं महत्त्व।	11
Unit III	शोध–प्रविधि की परिभाषा, प्रकार, एवं महत्त्व।	12
Unit IV	शोध–प्रविधि का निर्धारण एवं विशेषतायें	12
Unit V	साहित्यिक शोध: अर्थ, स्वरूप, तत्त्व,पद्धतियाँ एवं उद्देश्य।	15

Suggested Reading:

1– रिसर्च मेथडोलॉजी– डॉ0 आर0एन0 त्रिवेदी, डॉ0 डी0पी0 शुक्ला।
2– रिसर्च मेथडोलॉजी– डॉ0 बी0 एम0 जैन।
3– शोधप्रविधि एवं पाण्डुलिपि विज्ञान– प्रो0 अभिराज राजेन्द्र मिश्र।
4– अनुसन्धान का स्वरूप सम्पादिका– डॉ0 सावित्री सिन्हा, हिन्दी अनुसन्धान परिषद्, दिल्ली वि0वि0 आत्माराम एंड संस प्रकाशन।
5– अनुसन्धान की प्रक्रिया– डॉ0 सावित्री सिन्हा, डॉ0 विजयेन्द्र स्नातक, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

Suggested Online Link: 1. https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/program/current_he/1
2. https://archive.org

PG Diploma/ Honours in SANSKRIT

SEMESTER-VII
Group- II

	DSE: संस्कृतरूपक

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 6

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE: संस्कृतरूपक	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-DSE405	Year: IV	Semester: VII Paper- DSE-V

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. संस्कृत रूपक एवं साहित्य का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर रूपकों के भेदों से सुपरिचित हो सकेंगे।
2. रूपक साहित्य एवं साहित्यकारों के माध्यम से उनके नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष को समझ पायेंगे।
3. रूपक साहित्य के ज्ञान से कल्पनाशीलता एवं रचनात्मक क्षमता का विकास होगा।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	उत्तररामचरितम्– भवभूति– प्रथम से द्वितीय अंक पर्यन्त।	14
Unit II	उत्तररामचरितम्– भवभूति– तृतीय से चतुर्थ अंक पर्यन्त।	13
Unit III	रत्नावली– हर्षदेवकृत– सम्पूर्ण।	15
Unit VI	सम्बन्धित ग्रन्थों का नाट्यशास्त्रीय अध्ययन।	10
Unit V	संस्कृत रूपककार परिचय–निम्नांकित के संदर्भ में– भास, कालिदास, हर्ष, भवभूति, शूद्रक, विशाखदत्त, भट्ट नारायण।	08

Suggested Reading:

1. उत्तररामचरितम्– पद्मश्री डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी।
2. उत्तररामचरितम्– कृष्णकान्त शुक्ल एवं ब्रह्मानन्द शुक्ल।
3. उत्तररामचरितम् की शास्त्रीय समीक्षा– डॉ0 सत्यनारायण चौधरी।
4. भवभूति एवं उनकी नाट्यकला– डॉ0 अयोध्याप्रसाद सिंह।
5. संस्कृतकविसमीक्षा– अमर नाथ पाण्डेय, चौखम्बा ओरिएन्टल, वाराणसी।
6. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास– पद्मश्री डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, संस्कृत साहित्य संस्थान, 37 कचेहरी मार्ग इलाहाबाद।
7. संस्कृत साहित्य का इतिहास– पद्मविभूषण डॉ0 बलदेव उपाध्याय, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ।
8. संस्कृत काव्यकार– डॉ0 हरिदत्त शास्त्री।
9. रत्नावली– हर्षदेवकृत–व्याख्याकार एवं सम्पादक डॉ0 शिवप्रसाद शास्त्री, मेरठ साहित्य भण्डार 1994

PG Diploma/ Honours in SANSKRIT

SEMESTER-VII
Group- II

DSE: सांख्य एवं न्यायदर्शन

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE — TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE: सांख्य एवं न्यायदर्शन	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-DSE406	Year: IV	Semester: VII Paper- DSE -VI

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. भारतीय दार्शनिक तत्वों का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा।
2. सांख्य दर्शन के मूलभूत सिद्धान्तों को जानकर प्रमेय पदार्थों से परिचित होंगे।
3. न्यायशास्त्र के प्राचीन एवं वैज्ञानिक ज्ञान से लाभान्वित होंगे।
4. न्याय दर्शन के अध्ययन से तर्कशक्ति,और प्रमाण आधारित ज्ञान की समझ विकसित होगी ।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	सांख्य एवं न्यायदर्शन परम्परा एवं सांख्यकारिका–ईश्वर कृष्ण कृत (01–35 वीं कारिका पर्यन्त)	13
Unit II	सांख्यकारिका–ईश्वर कृष्ण कृत (36–72वी कारिका पर्यन्त)	13
Unit III	तर्कभाषा–प्रारम्भ से प्रत्यक्ष पर्यन्त।	10
Unit IV	तर्कभाषा–अनुमान से प्रामाण्यवाद पर्यन्त।	12
Unit V	तर्कभाषा–प्रमेय निरूपण।	12

Suggested Reading:

1. सांख्यकारिका– ढुण्ढिराज शास्त्री।
2. सांख्यकारिका– डॉ0 रमाशंकर तिवारी।
3. सांख्यकारिका– जगन्नाथ शास्त्री।
4. सांख्यकारिका– डॉ0 रामकृष्ण आचार्य।
5. तर्कभाषा– आचार्य विश्वेश्वर पाण्डे, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
6. तर्कभाषा– श्रीनिवास शास्त्री, चौखम्बा सरभारती वाराणसी।

PG Diploma/ Honours in SANSKRIT

SEMESTER-VII
Group II

GE: अर्वाचीन संस्कृतसाहित्य एवं साहित्यकार

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PREREQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE: अर्वाचीन संस्कृत साहित्य एवं साहित्यकार	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-GE407	Year: IV	Semester: VII Paper- GE-VII

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. अर्वाचीन संस्कृत साहित्य से सुपरिचित होंगे।
2. आधुनिक संस्कृत साहित्यकारों से सुपरिचित होंगे।
3. अर्वाचीन संस्कृत साहित्य के विविध आयामों से परिचित होंगे।
4. अर्वाचीन पत्र–पत्रिकाओं से सुपरिचित होंगे।
5. उत्तराखण्ड के प्रमुख संस्कृत साहित्य एवं साहित्यकार से परिचित होंगे।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	अर्वाचीन संस्कृत साहित्य का इतिहास–उन्नीसवीं शताब्दी से बीसवीं शताब्दी तक।	15
Unit II	अर्वाचीन संस्कृत साहित्य के विविध आयाम एवं अर्वाचीन काव्यलक्षण,प्रमुख ग्रन्थ परिचय।	15
Unit III	अर्वाचीन प्रमुख संस्कृत साहित्यकार एवं रचनाएँ– पं० अम्बिकादत्त व्यास, आचार्यविश्वेश्वर पाण्डेय, पण्डिता क्षमाराव, कविवर सत्यव्रत शास्त्री, डा० ब्रह्मानन्द शुक्ल, श्रीधर भास्कर वर्णेकर, प्रो० हरिनारायण दीक्षित, डा० मथुरा प्रसाद दीक्षित, प्रो० हरिदत्त शर्मा, प्रो० सी० उपेन्द्र राव।	17
Unit IV	अर्वाचीन प्रमुख पत्र–पत्रिकाओं का परिचय– दूर्वा, सागरिका, अजस्रा, अर्वाचीनसंस्कृतम्, संस्कृतमञ्जरी, शोधभारती, सारस्वतीसुषमा, वैदिक वाग्ज्योति, वाक्, हरिप्रभा।	13

Suggested Reading:

1. आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास– पद्मभूषण पं० बलदेव उपाध्याय,उ० प्र० सं० सं० लखनऊ।
2. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास– सप्तम खण्ड–सम्पादक डॉ० जगन्नाथ पाठक, उ०प्र०सं०सं०लखनऊ।
3. आधुनिक संस्कृत नाटक– रामजी उपाध्याय।
4. संस्कृत का अर्वाचीन समीक्षात्मक काव्यशास्त्र– प्रो० अभिराज राजेन्द्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद।

7. संस्कृतसाहित्य का अभिनव इतिहास– प्रो0 राधवल्लभ त्रिपाठी,सम्पूर्णानन्द संस्कृतविश्वविद्यालय,वाराणसी।
8. विंशतिशताब्दीसंस्कृतकाव्यामृतम्– प्रो0 अभिराज राजेन्द्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. अभिराजयशोभूषणम्– प्रो0 अभिराज राजेन्द्र मिश्र अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद.।
10. गुरुपरम्परा एवं धूलिशतकम्– संस्कृतकाव्य– प्रो0 सी0 उपेन्द्र राव, पृथ्वी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2014।
11. Sanskrita Sāhitya Vaibhavam (Edited), Prof. C. Upendr Rao, Published by VIdyanidhi PrakashanNew Delhi, 2007.
12. Satyavrat sāhitya sāmīkshā (a critique on Satyavrat Shastri"s writings), edited), Prof. C. Upendr Rao, Published by Eastern book linkers, New Delhi. 2012.
13. Vāṅgmayavallarī (Research article in Sanskrit),), Prof. C. Upendr Rao, Published by Eastern Book Linkers, Darya Gunj, Delhi, 2008.

Suggested Online Link:

1. **SwayamPrabha - DTH Channel,**
   https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/program/current_he/1
2. **https://archive.org**

PG Diploma/ Honours in SANSKRIT

SEMESTER-VII
Group- III

DSE: संस्कृतरूपक	

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE — TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE: संस्कृतरूपक	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-DSE405	Year: IV	Semester: VII Paper- DSE-V

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. सस्कृत रूपक एवं साहित्य का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर रूपकों के भेदों से सुपरिचित हो सकेंगे।
2. रूपक साहित्य एवं साहित्यकारों के माध्यम से उनके नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष को समझ पायेंगे।
3. रूपक साहित्य के ज्ञान से कल्पनाशीलता एवं रचनात्मक क्षमता का विकास होगा।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	उत्तररामचरितम्– भवभूति– प्रथम से द्वितीय अंक पर्यन्त।	14
Unit II	उत्तररामचरितम्– भवभूति– तृतीय से चतुर्थ अंक पर्यन्त।	13
Unit III	रत्नावली– हर्षदेवकृत– सम्पूर्ण।	15
Unit VI	सम्बन्धित ग्रन्थों का नाट्यशास्त्रीय अध्ययन।	10
Unit V	संस्कृत रूपककार परिचय–निम्नांकित के संदर्भ में– भास, कालिदास, हर्ष, भवभूति, शूद्रक, विशाखदत्त, भट्ट नारायण।	08

Suggested Reading:

1. उत्तररामचरितम्– पद्मश्री डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी।
2. उत्तररामचरितम्– कृष्णकान्त शुक्ल एवं ब्रह्मानन्द शुक्ल।
3. उत्तररामचरितम् की शास्त्रीय समीक्षा– डॉ0 सत्यनारायण चौधरी।
4. भवभूति एवं उनकी नाट्यकला– डॉ0 अयोध्याप्रसाद सिंह।
5. संस्कृतकविसमीक्षा– अमर नाथ पाण्डेय, चौखम्बा ओरिएन्टालिया, वाराणसी।
6. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास– पद्मश्री डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, संस्कृत साहित्य संस्थान, 37 कचेहरी मार्ग इलाहाबाद।
7. संस्कृत साहित्य का इतिहास– पद्मविभूषण डॉ0 बलदेव उपाध्याय, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ।
8. संस्कृत काव्यकार– डॉ0 हरिदत्त शास्त्री।

PG Diploma/ Honours in SANSKRIT

SEMESTER-VII

Group III

GE: अर्वाचीन संस्कृतसाहित्य एवं साहित्यकार

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE: अर्वाचीन संस्कृत साहित्य एवं साहित्यकार	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-GE407	Year: IV	Semester: VII Paper- GE-VII

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

5. अर्वाचीन संस्कृत साहित्य से सुपरिचित होंगे।
6. आधुनिक संस्कृत साहित्यकारों से सुपरिचित होंगे।
7. अर्वाचीन संस्कृत साहित्य के विविध आयामों से परिचित होंगे।
8. अर्वाचीन पत्र–पत्रिकाओं से सुपरिचित होंगे।
5. उत्तराखण्ड के प्रमुख संस्कृत साहित्य एवं साहित्यकार से परिचित होंगे।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	अर्वाचीन संस्कृत साहित्य का इतिहास–उन्नीसवीं शताब्दी से बीसवीं शताब्दी तक।	15
Unit II	अर्वाचीन संस्कृत साहित्य के विविध आयाम एवं अर्वाचीन काव्यलक्षण,प्रमुख ग्रन्थ परिचय।	15
Unit III	अर्वाचीन प्रमुख संस्कृत साहित्यकार एवं रचनाएँ– पं0 अम्बिकादत्त व्यास, आचार्यविश्वेश्वर पाण्डेय, पण्डिता क्षमाराव, कविवरसत्यव्रत शास्त्री, डा0 ब्रह्मानन्द शुक्ल, श्रीधर भास्कर वर्णेकर, प्रो0 हरिनारायण दीक्षित, डा0 मथुरा प्रसाद दीक्षित, प्रो0 हरिदत्त शर्मा, प्रो0 सी उपेन्द्र राव।	17
Unit IV	अर्वाचीन प्रमुख पत्र–पत्रिकाओं का परिचय– दूर्वा, सागरिका, अजस्रा, अर्वाचीनसंस्कृतम्, संस्कृतमञ्जरी, शोधभारती, सारस्वतीसुषमा, वैदिक वाग्ज्योति, वाक्, हरिप्रभा।	13

Suggested Reading:

11. आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास– पद्मभूषणपं0 बलदेव उपाध्याय,उ0 प्र0 सं0 सं0 लखनऊ।
12. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास– सप्तम खण्ड–सम्पादक डॉ0 जगन्नाथ पाठक, उ0प्र0सं0सं0लखनऊ।
13. आधुनिक संस्कृत नाटक– रामजी उपाध्याय।
14. संस्कृत का अर्वाचीन [illegible]

16. साहित्यविमर्श– प्रोफेसर रहस बिहारी द्विवेदी,शिवेश प्रकाशन इलाहाबाद।
17. संस्कृतसाहित्य का अभिनव इतिहास– प्रो0 राधबल्लभ त्रिपाठी,सम्पूर्णानन्द संस्कृतविश्वविद्यालय,वाराणसी।
18. विंशतिशताब्दीसंस्कृतकाव्यामृतम्– प्रो0 अभिराज राजेन्द्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद।
19. अभिराजयशोभूषणम्– प्रो0 अभिराज राजेन्द्र मिश्र अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद।
20. गुरुपरम्परा एवं धूलिशतकम्– संस्कृतकाव्य– प्रो0 सी0 उपेन्द्र राव, पृथ्वी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2014।
11. Sanskrita Sāhitya Vaibhavam (Edited), Prof. C. Upendr Rao, Published by Vidyanidhi PrakashanNew Delhi, 2007.
12. Satyavrat sāhitya sāmīkshā (a critique on Satyavrat Shastri"s writings), edited), Prof. C. Upendr Rao, Published by Eastern book linkers, New Delhi. 2012.
13. Vāṅgmayavallarī (Research article in Sanskrit),), Prof. C. Upendr Rao, Published by Eastern Book Linkers, Darya Gunj, Delhi, 2008.

Suggested Online Link:

PG Diploma/ Honours in SANSKRIT

SEMESTER-VII
Group III

GE: आर्षकाव्य–रामायण

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE: आर्षकाव्य–रामायण	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-GE408	Year: IV	Semester: VII Paper- GE-VIII

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. रामायण का सामान्य परिचय, नैतिक शिक्षा का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. रामायण में निहित सामाजिक चेतना की शिक्षा से सुपरिचित हो सकेंगे।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	महर्षि वाल्मीकि एवं वाल्मीकिप्रणीतरामायण का परिचय।	14
Unit II	काण्डों का प्रतिपाद्य विषय।	15
Unit III	रामायण का माहात्म्य एवं प्रमुख पात्रों के चरित्र से प्राप्त शिक्षा।	14
Unit IV	रामायण के आदित्यहृदयस्तोत्र का अर्थ एवं महत्त्व।	17

Suggested Reading:

1. श्रीमद्वाल्मीकिरामायणम्– सम्पादकमण्डल– जी0ए0 भट्ट, पी0एल0 वैद्य, डी0आर0 मनकड आदि।
2. रामकथा उत्पत्ति और विकास– कामिलबुल्केकृता।
3. श्रीमद्वाल्मीकिरामायणम्– गीता प्रेस गोरखपुर।
4. वाल्मीकि रामायण में मूल्य चेतना– डॉ0 बृजेश, नाग प्रकाशन।
5. संस्कृत वाङ्मय में श्रीराम– प्रो0 सी0 उपेन्द्र राव– ईस्टर्न बुक लिंक, नयी दिल्ली।

Suggested Online Link:

1. SwayamPrabha - DTH Channel,
   https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/program/current_he/1
2. https://archive.org

Indira Deepa

PG Diploma/ Honours in SANSKRIT

SEMESTER-VII

DISSERTATION ON MAJOR: संस्कृतनाट्य एवं चलचित्र

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course		Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial/ Practical/Practice		
DISSERTATION ON MAJOR	6	2	4	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-D401	Year: IV	Semester: VII - DISSERTATION

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

नाट्य के सामान्य स्वरूप व प्रमुख सिद्धान्तों के अध्ययनोपरान्त नाट्यशास्त्र की शास्त्रीय समीक्षा का बोध होगा। इन सिद्धान्तों का विभिन्न भाषायी सिनेमा में अनुप्रयोग सम्बन्धी अध्ययन के द्वारा शास्त्रीय अभिनय कौशल और दक्षता का विकास होगा। इन मूल्यों के आधार पर आधुनिक फिल्में शंकराचार्य, मदर इण्डिया, गाँधी आदि की समीक्षा करने में सक्षम होंगे।

Unit	Topic
Unit I	संस्कृत नाट्य–परिचय एवं महत्त्व।
Unit II	भारतीय संस्कृति में सिनेमा का परिचय एवं महत्त्व।
Unit III	संस्कृत चलचित्रों की समीक्षा एवं अध्ययन।
Unit IV	संस्कृत नाट्य एवं चलचित्रों की वर्तमान युग में उपादेयता।
Unit V	संस्कृत नाट्य एवं सिनेमा के क्षेत्र में पूर्व में किये गये कार्यों का परिचय एवं लेखन।
Unit VI	शोधकार्यों का सर्वेक्षण एवं शोधप्रविधि के अनुसार शोधकार्य।

Suggested Reading:

1. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास–नाट्यशास्त्र आचार्य बलदेव उपाध्याय, उ0प्र0सं0सं0लखनऊ।
2. त्रिपाठी, राधावल्लभ, भारतीय नाट्य : स्वरूप एवं परम्परा, सागर, मध्य प्रदेश, संस्कृत परिषद् 1998।
3. द्विवेदी हजारीप्रसाद, नाट्यशास्त्र की भारतीय परम्परा एवं दशरूपक, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन, 1963।
4. झा, सीताराम, नाटक और रंगमंच, पटना, बिहार, राष्ट्रभाषा परिषद्, 1982।
5. भरतमुनि, नाट्यशास्त्रम् (1–4 भाग) संपादक बाबूराम शुक्ल शास्त्री, वाराणसी, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, 1984।
6. त्रिपाठी, राधावल्लभ, नाटयशास्त्र विश्वकोश (1–4 भाग), दिल्ली, प्रतिभा प्रकाशन, 1999।

10.द संस्कृत ड्रामा–ए0बी0 कीथ,लन्दन ऑक्सफोर्ड वि0वि0 प्रेस,इलाई हाउस 1974।
11.संस्कृत नाट्य शिल्प और रंगमंच– रामचन्द्र सरोज, राका प्रकाशन इलाहाबाद।
12. कालिदास ग्रन्थावली–चौखम्बा विद्या भवन वाराणसी।
13. रंगमंच एंव नाट्यकला आधुनिक प्ररिप्रेक्ष्य–यशस्वी इण्टर प्राइंजेज,दिल्ली।
14. नाट्यशास्त्र की भारतीय परम्परा और दशरूपक– हजारीप्रसाद द्विवेदी–पृथ्वीनाथ द्विवेदी–राजकमल प्रकाशन दिल्ली।

Suggested Online Link:

1. **SwayamPrabha - DTH Channel,**
   https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/program/current_he/1
2. **https://archive.org**

PG Diploma/ Honours in SANSKRIT

SEMESTER-VII

DISSERTATION ON MINOR: लोकसंस्कृति में संस्कृत का प्रभाव

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PREREQUISITES OF THE COURSE

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course		Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial/Practical/Practice		
DISSERTATION ON MINOR	6	2	4	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-D401A	Year: IV	Semester: VII Paper-Dissertation

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. विद्यार्थी लोकसंस्कृति से परिचित होंगे।
2. संस्कृतभाषा में निहित कलाओं से परिचित होंगे।
3. शोध के क्षेत्र में निपुणता प्राप्त करेगें।

Unit	Topic
Unit I	शोधकार्य की भूमिका, उद्देश्य एवं महत्त्व का अध्ययन।
Unit II	शोधसर्वेक्षण एवं शोधप्रविधि की उपादेयता।
Unit III	लोकसंस्कृति का परिचय, क्षेत्र एवं विशेषताएँ।
Unit IV	संस्कृतभाषा का परिचय एवं महत्त्व।
Unit V	लोकसंस्कृति में पूर्व में किये गये शोधकार्यों का सर्वेक्षण एवं संस्कृत के निहित तत्त्व।
Unit VI	लोकसंस्कृति में संस्कृतभाषा के प्रभाव का निष्कर्ष।

Suggested Reading:

1. संस्कृतसाहित्य का इतिहास– पद्मविभूषण डॉ बलदेव उपाध्याय, उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ।
2. भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी।
3. भारतीय संस्कृति का इतिहास– डॉ0 सत्यकेतु विद्यालंकार।
4. भारतीय संस्कृति के आधारतत्व– कृष्णकुमार।
5. हमारी प्राचीन संस्कृति– डॉ0 सत्यप्रकाश शास्त्री।
6. प्राचीन भारतीय साहित्य की सांस्कृतिक भूमिका– रामजी उपाध्याय, वाराणसी।

PG Diploma/ Honours in SANSKRIT

SEMESTER-VII

ACADEMIC PROJECT: संस्कृत साहित्य में आचार मीमांसा

[illegible] INSTRUCTIONS, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course		Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial Practical/Practice		
ACADEMIC PROJECT	6	2	4	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT | Course Code: SAN-AP401B | Year: IV | Semester: VII Paper-AcademicProject

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1–संस्कृतसाहित्य में निहित आचार सामग्री से परिचित होंगे।
2–आचार के स्वरूप एवं उसके महत्त्व से सुपरिचित होगें।
3–विद्यार्थी आचारशिक्षा से अवगत होकर अपने व्यवहार में आचार का सम्यक् पालन करते हुए प्रत्येक कार्य को निष्ठापूर्वक करेंगे।

Unit	Topic
Unit I	संस्कृतसाहित्य का परिचय एवंसंस्कृतसाहित्य में आचार मीमांसा।
Unit II	भारतीयसंस्कृति की विशेषतायें।
Unit III	आचार का स्वरूप, व्युत्पत्ति, आचार की सामग्री एवं महत्त्व।।
Unit IV	आचार के तत्त्व– सत्य, अहिंसा, अस्तेय, श्रद्धा, दान का परिचय एवं महत्त्व।
Unit V	समाज में सामञ्जस्य की भावना, प्रगतिशील जीवन एवं पारिवारिक आचरण।
Unit VI	सामाजिक आचरण, व्यावहारिक आचरण एवं वर्तमान में आचार की प्रासंगिकता

Suggested Reading:

1– ऋग्वेद में आचार सामग्री– सत्यप्रिय शास्त्री, प्रकाशक श्रीधूडमल प्रहलाद कुमार आर्य, धर्मार्थ न्यास हिन्डौन सिटी राज0।
2– मनुस्मृति– कुल्लूक भट्ट टीका सहित, चौखम्बा संस्कृत सीरीज बनारस
3– याज्ञवल्क्यस्मृति– आनन्द आश्रम संस्कृत–ग्रन्थावली, पूना।
4– [illegible]

5– आर्षकाव्य रामायण– गीताप्रेस गोरखपुर।
6– आर्षकाव्य महाभारत– गीताप्रेस गोरखपुर।
7– वेद वर्णित सदाचार एवं उसकी युग व्यवहारिकता– सुनील कुमार शाह, संस्कृति प्रकाशन वाराणसी।
8– वेदामृतम्– आचार शिक्षा– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती अनुसन्धान परिषद् ज्ञानपुर भदोही।
9– वैदिक वाङ्मय के अनुसन्धेय पक्ष– प्रो0 हरीश्वर दीक्षित, प्रकाशक–विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी।

Suggested Online Link:

1. **SwayamPrabha - DTH Channel, https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/program/current_he/1**
2. **https://archive.org**

PG Diploma/ Honours in SANSKRIT

SEMESTER-VIII

DSC: काव्य एवं भारतीय संस्कृति

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSC: काव्य एवं भारतीय संस्कृति	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-DSC408	Year: IV	Semester: VIII Paper- DSC-VIII

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. कालिदासकृत मेघदूत में प्रकृति चित्रण से सुपरिचित होंगे।
2. कवि परम्परा में कालिदास के महत्त्व से सुपरिचित हो सकेंगे।
3. श्रीहर्ष के जीवनवृत्त एवं परिचय को जान सकेंगे।
4. भारतीय संस्कृति की मुख्य विशेषताओं से सुपरिचित होंगे।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	मेघदूतम्–कालिदासकृत (पूर्वमेघ)	13
Unit II	मेघदूतम्–कालिदासकृत (उत्तरमेघ)	12
Unit III	नैषधीयचरितम्– श्रीहर्षप्रणीत, (प्रथम सर्ग) 1–35 श्लोक	13
Unit IV	नैषधीयचरितम्– श्रीहर्षप्रणीत, (प्रथम सर्ग) 100–145 श्लोक	12
Unit V	भारतीय संस्कृति– सभ्यता एवं संस्कृति की परिभाषा एवं स्वरूप, भारतीय संस्कृति की मुख्य विशेषताएँ, वर्ण व्यवस्था, आश्रम व्यवस्था, संस्कार, प्राचीन भारत में नारी, प्राचीन भारत में शिक्षा प्रणाली एवं शिक्षण संस्थान।	10

Suggested Reading:

1. मेघदूतम्– संसार चन्द्र।
2. मेघदूतम्– डॉ0 शिवराज शास्त्री।
3. मेघदूतम् में प्रकृति एवं श्रृङ्गार– प्रो0 शालिमा तबस्सुम, अभिषेक, प्रकाशन, दिल्ली।
4. नैषधीयमहाकाव्यम्– हरगोविन्द शास्त्री।

7. भारतीय संस्कृति का इतिहास– डॉ0 सत्यकेतु विद्यालंकार।
8. भारतीय संस्कृति– नरेन्द्रदेव शास्त्री।
9. भारतीय संस्कृति के आधारतत्व– कृष्णकुमार।
10. हमारी प्राचीन संस्कृति– डॉ0 सत्यप्रकाश शास्त्री।
11. नैषधीयचरितम्– सुरेन्द्र देव शास्त्री, गोकुल दास संस्कृत ग्रन्थमाला, वाराणसी।

Suggested Online Link:

1. **SwayamPrabha - DTH Channel, https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/program/current_he/1**
2. **https://archive.org**

PG Diploma/ Honours in SANSKRIT

SEMESTER-VIII

Group I

DSE: वेदाङ्ग (निरुक्त, ऋक्प्रातिशाख्य एवं पाणिनीय शिक्षा)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE:

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE: वेदाङ्ग (निरुक्त, ऋक्प्रातिशाख्य एवं पाणिनीय शिक्षा)	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-DSE408	Year: IV	Semester: VIII Paper- DSE-VIII

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. शिक्षा एवं व्याकरण शास्त्रों के पारिभाषिक पदों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. व्याकरण ग्रन्थों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
3. शिक्षा का वेदाङ्ग में स्थान एवं वेदों में उपयोगिता को जान सकेंगे।
4. पाणिनीय–शिक्षा का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
5. ऋक्प्रातिशाख्य के परिचय एवं महत्त्व से अवगत होंगे।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	निरुक्त– अध्याय 1–2, पदों का चतुर्विध विभाजन एवं लक्षण, षड्भाव विकार, शब्द नित्यत्वानित्यत्वविचार, उपसर्गों के द्योतकत्व, वाचकत्व का सिद्धान्त, निपात की कोटियाँ, निरुक्त अध्ययन के प्रयोजन, मन्त्रों की अर्थवत्ता, निर्वचन के सिद्धान्त एवं अधिकारी निरूपण।	15
Unit II	निर्वचन–निघण्टु, आचार्य, वीर, ह्रद, गो, समुद्र, वृत्र, आदित्य, उषस्, मेघ, वाक्, रात्रि, उदक, नदी, अश्व, अग्नि, जातवेदस्, वैश्वानर। अध्याय सात– त्रिविधा ऋचाः, अनादिष्टदैवत मन्त्र, छन्दांसि, पृथिवी स्थानीय देवता वर्णन।	13
Unit III	पाणिनीय शिक्षा– 1–30 कारिकायें।	11
Unit IV	पाणिनीय शिक्षा– 31 से अन्त तक कारिकायें।	11
Unit V	ऋक्प्रातिशाख्यः परिभाषाएँ– समानाक्षर, सन्ध्यक्षर, अघोष, सोष्म, स्वरभक्ति, यम, रक्त, संयोग, प्रगृह्य।	10

Suggested Reading:

1. न्यू वैदिक सलेक्शन–भाग 1 एवं 2–वाराणसी भारतीय विद्या प्रकाशन।
2. हिन्दी निरुक्त–डॉ० कपिलदेव त्रिवेदी।

Indira Dalta

4. पाणिनीय शिक्षा–रुद्रप्रसाद अवस्थी।
5. पाणिनीय शिक्षा–प्रो० श्रीनारायण मिश्र।
6. वैदिक साहित्य का इतिहास–डॉ० कपिलदेव द्विवेदी।
7. यास्ककृत निरुक्त– सम्पादक–उमाशंकर ऋषि।
8. ऋक्प्रातिशाख्य–एक परिशीलन–डॉ० वीरेन्द्र कुमार वर्मा, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय शोध संस्कृत ग्रन्थमाला, वाराणसी

Suggested Online Link:

1. **SwayamPrabha - DTH Channel,**
   https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/program/current_he/1
2. **https://archive.org**

Indira Deepa

PG Diploma/ Honours in the Core Subject-SANSKRIT

SEMESTER-VIII

Group I

DSE: वाक्यपदीय एवं भाषा विज्ञान

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE: वाक्यपदीय एवं भाषा विज्ञान	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-DSE409	Year: IV	Semester: VIII Paper- DSE-IX

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. वाक्यपदीय में भर्तृहरि के भाषा (वाच्) की प्रकृति और उसका वाह्य जगत से सम्बन्ध की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2. वाक्यपदीय में दार्शनिक रीतियों के विषयों जैसे–जाति, द्रव्य, काल आदि से सुपरिचित होंगे।
3. भाषाविज्ञान के स्वरूप, उद्गम एवं विकास से सुपरिचित होगे।
4. ध्वनि विज्ञान, वाक्यविज्ञान एवं अर्थविज्ञान की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	वाक्यपदीयम्– भर्तृहरि, 1–75 कारिकाएँ।	15
Unit II	वाक्यपदीयम्– भर्तृहरि, 76–156 कारिकाएँ।	15
Unit III	भाषाविज्ञान का परिचय, भाषा वर्गीकरण (आकृतिमूलक एवं परिवारमूलक) अवेस्ता, वैदिक एवं लौकिक संस्कृत।	10
Unit IV	ध्वनि विज्ञान (नियम, दिशाएँ एवं कारण) पद विज्ञान।	10
Unit V	वाक्यविज्ञान एवं अर्थविज्ञान (दिशाएँ एवं कारण)।	10

Suggested Reading:

1. वाक्यपदीयम्– भर्तृहरि।
2. अभिनव प्राकृत प्रकाश– नेमिचन्द्र शास्त्री।
3. संस्कृत भाषा विज्ञान– राजकिशोर सिंह।
4. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5. भाषा विज्ञान– डॉ0 भोलानाथ तिवारी– इलाहाबाद किताब महल।

Indira

Deepa

PG Diploma/ Honours inSANSKRIT

SEMESTER-VIII

Group I

DSE: मीमांसा एवं वेदान्त

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE: मीमांसा एवं वेदान्त	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-DSE410	Year: IV	Semester: VIII Paper- DSE-X

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. विद्यार्थी वेद–वेदांग आदि सभी शास्त्रों से सुपरिचित होंगे।
2. वेदान्त दर्शन के ऐतिहासिक स्वरूप से सुपरिचित होंगे।
3. दर्शनशास्त्र के इतिहास के माध्यम से सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, मीमांसा एवं वेदान्त से सुपरिचित होंगे।
4. दर्शनशास्त्र के आधार पर आस्तिक एवं नास्तिक दर्शन से सुपरिचित होंगे।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	अर्थसंग्रह– धर्म, भावना, विधि (गुण, विशिष्ट, उत्पत्ति, विनियोग, प्रयोग एवं अधिकार) ।	14
Unit II	अर्थसंग्रह– मन्त्र, नामधेय, निषेध, अर्थवाद (अपूर्व, नियम एवं परिसंख्या विधि)।	11
Unit III	वेदान्तसार– प्रारम्भ से सृष्टि प्रक्रिया पर्यन्त ।	13
Unit IV	वेदान्तसार– विशिष्ट अध्यारोप से समाप्ति पर्यन्त।	11
Unit V	मीमांसा दर्शन एवं वेदान्त दर्शन का इतिहास।	11

Suggested Reading:

1. वेदान्तसार– रामशरण त्रिपाठी।
2. वेदान्तसार– राममूर्ति शर्मा।
3. वेदान्तसार– महेशचन्द्र भारतीय।
4. भारतीय दर्शन– बलदेव उपाध्याय।

Indira Deepa

PG Diploma/ Honours SANSKRIT

SEMESTER-VIII
Group II

DSE: वेदाङ्ग (निरुक्त, ऋक्प्रातिशाख्य एवं पाणिनीय शिक्षा)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE: वेदाङ्ग (निरुक्त, ऋक्प्रातिशाख्य एवं पाणिनीय शिक्षा)	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-DSE408	Year: IV	Semester: VIII Paper- DSE-VIII

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

6. शिक्षा एवं व्याकरण शास्त्रों के पारिभाषिक पदों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
7. व्याकरण ग्रन्थों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
8. शिक्षा का वेदाङ्ग में स्थान एवं वेदों में उपयोगिता को जान सकेंगे।
9. पाणिनीय–शिक्षा का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
10. ऋक्प्रातिशाख्य के परिचय एवं महत्त्व से अवगत होंगे।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	निरुक्त– अध्याय 1–2, पदों का चतुर्विध विभाजन एवं लक्षण, षड्भाव विकार, शब्द नित्यत्वानित्यत्वविचार, उपसर्गों के द्योतकत्व, वाचकत्व का सिद्धान्त, निपात की कोटियाँ, निरुक्त अध्ययन के प्रयोजन, मन्त्रों की अर्थवत्ता, निर्वचन के सिद्धान्त एवं अधिकारी निरूपण।	15
Unit II	निर्वचन–निघण्टु, आचार्य, वीर, ह्रद, गो, समुद्र, वृत्र, आदित्य, उषस्, मेघ, वाक्, रात्रि, उदक, नदी, अश्व, अग्नि, जातवेदस्, वैश्वानर। अध्याय सात– त्रिविधा ऋचः, अनादिष्टदैवत मन्त्र, पृथिवी स्थानीय देवता वर्णन।	13
Unit III	पाणिनीय शिक्षा– 1–30 कारिकाएँ।	11
Unit IV	पाणिनीय शिक्षा– 31 से अन्त तक कारिकाएँ।	11
Unit V	ऋक्प्रातिशाख्यः परिभाषाएँ– समानाक्षर, सन्ध्यक्षर, अघोष, सोष्म, स्वरभक्ति, यम, रक्त, संयोग, प्रगृह्य।	10

Suggested Reading:

9. न्यू वैदिक सलेक्शन–भाग 1 एवं 2–वाराणसी भारतीय विद्या प्रकाशन।
10. हिन्दी निरुक्त–डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी।

Indira Deepa

13. पाणिनीय शिक्षा–प्रो० श्रीनारायण मिश्र।
14. वैदिक साहित्य का इतिहास–डॉ० कपिलदेव द्विवेदी।
15. यास्ककृत निरुक्त– सम्पादक–उमाशंकर ऋषि।
16. ऋक्प्रातिशाख्य–एक परिशीलन–डॉ० वीरेन्द्र कुमार वर्मा, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय शोध संस्कृत ग्रन्थमाला, वाराणसी।

Suggested Online Link:

1. **SwayamPrabha - DTH Channel,**
   https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/program/current_he/1
2. **https://archive.org**

PG Diploma/ Honours in SANSKRIT

SEMESTER-VIII

Group II

	DSE: वाक्यपदीय एवं भाषा विज्ञान

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE: वाक्यपदीय एवं भाषा विज्ञान	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-DSE409	Year: IV	Semester: VIII Paper- DSE-IX

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

5. वाक्यपदीय में भर्तृहरि के भाषा (वाच्) की प्रकृति और उसका वाह्य जगत से सम्बन्ध की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
6. वाक्यपदीय में दार्शनिक रीतियों के विषयों जैसे–जाति, द्रव्य, काल आदि से सुपरिचित होंगे।
7. भाषाविज्ञान के स्वरूप, उद्गम एवं विकास से सुपरिचित होंगे।
8. ध्वनि विज्ञान, वाक्य विज्ञान एवं अर्थ विज्ञान की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	वाक्यपदीयम्– भर्तृहरि, 1–75 कारिकाएँ।	15
Unit II	वाक्यपदीयम्– भर्तृहरि, 76–156 कारिकाएँ।	15
Unit III	भाषा विज्ञान का परिचय, भाषा वर्गीकरण (आकृतिमूलक एवं परिवारमूलक) अवेस्ता, वैदिक एवं लौकिक संस्कृत।	10
Unit IV	ध्वनि विज्ञान (नियम, दिशाएँ एवं कारण) पद विज्ञान।	10
Unit V	वाक्य विज्ञान एवं अर्थ विज्ञान (दिशाएँ एवं कारण)।	10

Suggested Reading:

7. वाक्यपदीयम्– भर्तृहरि।
8. अभिनव प्राकृत प्रकाश– नेमिचन्द्र शास्त्री।
9. संस्कृत भाषा विज्ञान– राजकिशोर सिंह।
10. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
11. भाषा विज्ञान– डॉ0 भोलानाथ तिवारी– इलाहाबाद किताब महल।
12. भाषा विज्ञान [illegible]

Indira Deepa

PG Diploma/ Honours in SANSKRIT

SEMESTER-VIII

Group II

GE: उत्तराखण्ड के संस्कृत साहित्यकार

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE: TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE: उत्तराखण्ड के संस्कृत साहित्यकार	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-GE409	Year: IV	Semester: VIII Paper- GE-IX

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. उत्तराखण्ड संस्कृत साहित्य से सुपरिचित होंगे।
2. उत्तराखण्ड संस्कृत साहित्यकारों से सुपरिचित होंगे।
3. उत्तराखण्ड संस्कृत साहित्य के विविध आयामों से परिचित होंगे।
4. उत्तराखण्ड पत्र–पत्रिकाओं से सुपरिचित होंगे।
5. उत्तराखण्ड के प्रमुख संस्कृत साहित्य एवं साहित्यकार परिचित होंगे।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	उत्तराखण्ड के 19 वीं शताब्दी के संस्कृत साहित्यकार–परिचय।	15
Unit II	उत्तराखण्ड के 20वीं शताब्दी से लेकर अद्यतन के संस्कृत साहित्यकार–परिचय।	15
Unit III	उत्तराखण्ड में प्रकाशित संस्कृत पत्र–पत्रिकाओं का महत्त्व।	15
Unit IV	उत्तराखण्ड–संस्कृत साहित्य की विधाओं का परिचय।	15

Suggested Reading:

1. आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास– पद्मभूषणपं0 बलदेव उपाध्याय।
2. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास– सप्तम खण्ड–सम्पादक डॉ0 जगन्नाथ पाठक, उ0प्र0सं0सं0लखनऊ।
3. आधुनिक संस्कृत नाटक– रामजी उपाध्याय।
4. संस्कृत का अर्वाचीन समीक्षात्मक काव्यशास्त्र– प्रो0 अभिराज राजेन्द्र मिश्र।
5. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास– पद्मश्री कपिल देव द्विवेदी, संस्कृतसाहित्य संस्थान, 37 कचेहरि मार्ग इलाहाबाद।
6. साहित्यनिकर्ष– प्रोफेसर [illegible] त्रिपाठी द्विवेदी।

Indore Deepa

9. अभिराजयशोभूषण्म्– प्रो0 अभिराज राजेन्द्र मिश्र।
10. उत्तराखण्ड के संस्कृत साहित्यकार अतीत से वर्तमान– प्रो0 शालिमा तबस्सुम, अभिषेक प्रकाशन, दिल्ली।

Suggested Online Link:

1. **SwayamPrabha - DTH Channel,**
   https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/program/current_he/1
2. **https://archive.org**

Indira Deepa

PG Diploma/ Honours in SANSKRIT

SEMESTER-VIII

Group III

DSE: वेदाङ्ग (निरुक्त, ऋक्प्रातिशाख्य एवं पाणिनीय शिक्षा)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE: वेदाङ्ग (निरुक्त, ऋक्प्रातिशाख्य एवं पाणिनीय शिक्षा)	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT | Course Code: SAN-DSE408 | Year: IV | Semester: VIII Paper- DSE-V

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

11. शिक्षा एवं व्याकरण शास्त्रों के पारिभाषिक पदों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
12. व्याकरण ग्रन्थों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
13. शिक्षा का वेदाङ्ग में स्थान एवं वेदों में उपयोगिता को जान सकेंगे।
14. पाणिनीय–शिक्षा का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
15. ऋक्प्रातिशाख्य के परिचय एवं महत्त्व से अवगत होंगे।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	निरुक्त– अध्याय 1–2, पदों का चतुर्विध विभाजन एवं लक्षण, षड्भाव विकार, शब्द नित्यत्वानित्यत्वविचार, उपसर्गों के द्योतकत्व, वाचकत्व का सिद्धान्त, निपात की कोटियाँ, निरुक्त अध्ययन के प्रयोजन, मन्त्रों की अर्थवत्ता, निर्वचन के सिद्धान्त एवं अधिकारी निरूपण।	15
Unit II	निर्वचन–निघण्टु, आचार्य, वीर, ह्रद, गो, समुद्र, वृत्र, आदित्य, उषस्, मेघ, वाक्, रात्रि, उदक, नदी, अश्व, अग्नि, जातवेदस्, वैश्वानर। अध्याय सात– त्रिविधा ऋचः, अनादिष्टदैवत मन्त्र, पृथिवी स्थानीय देवता वर्णन।	13
Unit III	पाणिनीय शिक्षा– 1–30 कारिकायें।	11
Unit IV	पाणिनीय शिक्षा– 31 से अन्त तक कारिकायें।	11
Unit V	ऋक्प्रातिशाख्यः परिभाषाएँ– समानाक्षर, सन्ध्यक्षर, अघोष, सोष्म, स्वरभक्ति, यम, रक्त, संयोग, प्रगृह्य।	10

Suggested Reading:

17. न्यू वैदिक सलेक्शन–भाग 1 एवं 2–वाराणसी भारतीय विद्या प्रकाशन।
18. हिन्दी निरुक्त–डॉ० कपिलदेव द्विवेदी।

20. पाणिनीय शिक्षा–रुद्रप्रसाद अवस्थी।
21. पाणिनीय शिक्षा–प्रो0 श्रीनारायण मिश्र।
22. वैदिक साहित्य का इतिहास–डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी।
23. यास्ककृत निरुक्त– सम्पादक–उमाशंकर ऋषि।
24. ऋक्प्रातिशाख्य–एक परिशीलन–डॉ0 वीरेन्द्र कुमार वर्मा, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय शोध संस्कृत ग्रन्थमाला, वाराणसी।

Suggested Online Link:

1. **SwayamPrabha - DTH Channel, https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/program/current_he/1**
2. **https://archive.org**

Principal
Deepa

PG Diploma/ Honours in SANSKRIT

SEMESTER-VIII

Group III

GE: उत्तराखण्ड के संस्कृत साहित्यकार

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE: उत्तराखण्ड के संस्कृत साहित्यकार	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT | Course Code: SAN-GE409 | Year: IV | Semester: VIII Paper- GE-IX

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

5. उत्तराखण्ड के संस्कृत साहित्य से सुपरिचित होंगे।
6. उत्तराखण्ड के संस्कृत साहित्यकारों से सुपरिचित होंगे।
7. उत्तराखण्ड के संस्कृत साहित्य के विविध आयामों से परिचित होंगे।
8. उत्तराखण्ड की पत्र–पत्रिकाओं से सुपरिचित होंगे।
5. उत्तराखण्ड के प्रमुख संस्कृत साहित्य एवं साहित्यकार से परिचित होंगे।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	उत्तराखण्ड के 19 वीं शताब्दी के संस्कृत साहित्यकार–परिचय।	15
Unit II	उत्तराखण्ड के 20वीं शताब्दी से लेकर अद्यतन के संस्कृत साहित्यकार–परिचय।	15
Unit III	उत्तराखण्ड में प्रकाशित संस्कृत पत्र–पत्रिकाओं का महत्त्व।	15
Unit IV	उत्तराखण्ड–संस्कृत साहित्य की विधाओं का परिचय।	15

Suggested Reading:

11. आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास– पद्मभूषणपं0 बलदेव उपाध्याय।
12. संस्कृत वाङ्मय का वृहद् इतिहास– सप्तम खण्ड–सम्पादक डॉ0 जगन्नाथ पाठक, उ0प्र0सं0सं0लखनऊ।
13. आधुनिक संस्कृत नाटक– रामजी उपाध्याय।
14. संस्कृत का अर्वाचीन समीक्षात्मक काव्यशास्त्र– प्रो0 अभिराज राजेन्द्र मिश्र।
15. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास– पद्मश्री कपिल देव द्विवेदी, संस्कृतसाहित्य संस्थान, 37 कचेहरि मार्ग इलाहाबाद।
16. साहित्यविमर्श– प्रोफेसर रहस बिहारी द्विवेदी।
17. [illegible]

PG Diploma/ Honours in SANSKRIT

SEMESTER VIII
Group III

GE: आर्षकाव्य–महाभारत

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE: TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE: आर्षकाव्य–महाभारत	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-GE410	Year: IV	Semester: VIII Paper- GE-X

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. महाभारत का सामान्य परिचय, नैतिक शिक्षा को जान सकेंगे।
2. महाभारत में निहित सामाजिक चेतना की शिक्षा से अवगत हो सकेंगे।
3. विद्यार्थी भारतीय पौराणिक कथाओं में निहित शिक्षा से सुपरिचित होगें।
4. महाभारत की कथा में वर्णित धर्मशास्त्र की सभी सत्य की शिक्षा से विद्यार्थी अवगत होगें।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	महर्षिव्यास एवं महाभारत ग्रन्थ का परिचय।	15
Unit II	महाभारत के पर्वो का संक्षिप्त परिचय।	15
Unit III	महाभारत का माहात्म्य एवं प्रमुख पात्रो के चरित्र से प्राप्त शिक्षा।	15
Unit IV	महाभारत में वर्णित विष्णुसहस्रनामस्तोत्र का अर्थ एवं महत्त्व।	15

Suggested Reading:

1. सम्पूर्ण महाभारत छःभागों में–साहित्याचार्य पण्डित रामनारायण दत्त शास्त्री पाण्डे; "राम" गीताप्रेस गोरखपुर सं0 2070।
2. महाभारत–श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, स्वाध्यायमण्डल।
3. महाभारत का अर्थ, डी0डी0– हर्ष, वाग्देवी प्रकाशन बीकानेर 2014।
4. संस्कृत–वाङ्मय का बृहद् इतिहास– आर्षकाव्य, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ।
5. संस्कृत–साहित्य का इतिहास– पद्मभूषण आचार्य बलदेव उपाध्याय उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ।
6. महाभारत में श्रीकृष्ण का विलक्षण व्यक्तित्व– डॉ0 भुवन चन्द्र पाठक।

Suggested Online Link:

PG Diploma/ Honours in SANSKRIT

SEMESTERVIII

DISSERTATION ON MAJOR: अथर्ववेद एवं आयुर्वेद चिकित्सा

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course		Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial / Practical/Practice		
DISSERTATION ON MAJOR	6	2	4	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-D402	Year: IV	Semester: VIII, Dissertation

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. अथर्ववेदीय चिकित्सा से सुपरिचित होंगे।
2. अथर्ववेद में वर्णित औषधियों का ज्ञान प्राप्त होगे।
3. चिकित्सा एवं वनस्पतिशास्त्र के माध्यम से सह–अध्ययन संदृष्टि का विकास होगा।
4. आयुर्वेद साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त होगा।
5. आयुर्वेदीय अष्टांग चिकित्सा से सुपरिचित होंगे।

Unit	Topic
Unit I	अथर्ववेद का सामान्य परिचय एवं अथर्ववेद में चिकित्सा।
Unit II	अथर्ववेद में औषधिविज्ञान।
Unit III	आयुर्वेद का सामान्य परिचय एवं महत्त्व।
Unit IV	आयुर्वेद में अष्टांग चिकित्सा परिचय एवं उपयोगिता।
Unit V	अथर्ववेद एवं आयुर्वेद में पथ्यापथ्य विमर्श–एक अध्ययन।
Unit VI	औषधिविज्ञान एवं आयुर्वेद चिकित्सा में शोधकार्यों का सर्वेक्षण एवं शोधप्रविधि के अनुसार शोधकार्य।

Suggested Reading:

1. अथर्ववेद में चिकित्सा एवम् ओषधि–विज्ञान– डॉ0 शलिनी शुक्ला, अक्षयवट प्रकाशन, प्रयागराज।
2. अथर्ववेद का सुबोधभाष्य– श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, स्वाध्याय मण्डल पारडी, गुजरात।
3. आयुर्वेद का वैज्ञानिक इतिहास– आचार्य प्रियव्रत शर्मा, चौखम्बा ओरण्टलिया, वाराणसी।
4. आयुर्वेद का प्रारम्भिक इतिहास– प्रो0 बनवारी लाल गौड़, राम आयुर्वेद संस्कृत बुक प्रतिष्ठान, दिल्ली।
5. द्रव्यगुण विज्ञान– आचार्य प्रियव्रत शर्मा, चौखम्बा सरभारती अकादमी, वाराणसी।

6. वेदामृतम्– सुखी जीवन–डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती अनुसंधान परिषद् ज्ञानपुर, भदोही।
7. आयुर्वेद परिभाषा कोश– वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, भारत सरकार।
8. वेदो मे आयुर्वेद– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती अनुसंधान परिषद् ज्ञानपुर, भदोही।
9.अथर्ववेद– विश्वेश्वरानन्द वैदिक संस्थान– होशियारपुर।

Suggested Online Link:

1. **SwayamPrabha - DTH Channel, https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/program/current_he/1**
2. **https://archive.org**

PG Diploma/ Honours in SANSKRIT

SEMESTER VIII

DISSERTATION ON MINOR: संस्कृत साहित्य में वर्णित समाज

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course		Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial / Practical/Practice		
DISSERTATION ON MINOR	6	2	4	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-D402A	Year: IV	Semester: VIII Paper-Dissertation

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. संस्कृत साहित्य से परिचय प्राप्त होगा।
2. संस्कृत साहित्य की अनेक विशेषताओं से अवगत होंगे।
3. संस्कृत साहित्य में वर्णित समाज के अध्ययन से विद्यार्थी सामाजिक गतिविधियों से एवं संस्कारों से परिचित होंगे।

Unit	Topic
Unit I	संस्कृतवाङ्मय का संक्षिप्त परिचय, उद्भव एवं विकास।
Unit II	संस्कृत साहित्य में वर्णित भारतीय संस्कृति की विशेषताएँ।
Unit III	सामाजिक तत्त्वों का विश्लेषण एवं महत्त्व।
Unit IV	पारिवारिक एवं सामाजिक तत्त्वों का तुलनात्मक विश्लेषण।
Unit V	पर्यावरण के क्षेत्र में समाज का योगदान।
Unit VI	राष्ट्र के विकास में समाज का योगदान एवं पूर्व में किये गये शोधकार्यों का सर्वेक्षण एवं शोधप्रविधि के अनुसार शोधकार्य।

Suggested Reading:

1. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास– पद्मश्री डॉ0 कपिल देव द्विवेदी, संस्कृत साहित्य संस्थान, इलाहाबाद।
2. भारतीय संस्कृति–प्रो0 किरण टण्डन, ईस्टर्न बुक लिंकर्स ,दिल्ली।
3. वेदामृतम्–सुखी समाज–पद्मश्री डॉ0 कपिल देव द्विवेदी, विश्वभारती अनुसंधान परिषद् ज्ञानपुर, भदोही।
4. कालिदास ग्रन्थावली–चौखम्बा विद्या भवन वाराणसी ।
5. वेदकालीन समाज–डॉ0 शिवदत्त ज्ञानी,चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी।
6. श्रीमद्रामायण– महर्षिवाल्मीकि प्रणीत गीता प्रेस गोरखपुर।

7. श्रीमद्महाभारत–महर्षि वेद व्यास प्रणीत गीता प्रेस गोरखपुर प्रथम संस्करण।
8. वैदिक साहित्य और संस्कृति–पद्मविभूषण आचार्य बलदेव उपाध्याय– काशी शारदा मन्दिर।
9. वेदों में समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र और शिक्षाशास्त्र–पद्मश्री डॉ0 कपिल देव द्विवेदी, विश्वभारती अनुसंधान परिषद् ज्ञानपुर, भदोही।
10. भारतीय समाज व्यवस्था–राम आहूजा रावत,पब्लिकेशन जयपुर, नयी दिल्ली।
11. भारतीय समाज का स्वरूप–डॉ0 सीताराम झा,बिहार हिन्दी ग्रन्थ, अकादमी,पटना।
12. वैदिक वाङ्मय के अनुसन्धेय पक्ष– प्रो0 हरीश्वर दीक्षित,प्रकाशक–विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी।

Suggested Online Link:

1. **SwayamPrabha - DTH Channel,**
   https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/program/current_he/1
2. **https://archive.org**

PG Diploma/ Honours in SANSKRIT

SEMESTER VIII

		ACADEMIC PROJECT: प्राचीन भारतीय शिक्षा व्यवस्था : प्रासंगिकता		

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course		Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial / Practical/Practice		
ACADEMIC PROJECT	6	2	4	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-AP802B	Year: IV	Semester: VIII, AcademicProject

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

वैदिक वाङ्मय से लेकर लौकिक साहित्य में भारतीय शिक्षा व्यवस्था के अनेक उदाहरण द्रष्टव्य हैं जिनके अवलोकन एवं अध्ययन से विद्यार्थी प्राचीन शिक्षा व्यवस्था से सुपरिचित होंगे। भारतीय शिक्षा व्यवस्था को वर्तमान की शिक्षा व्यवस्था से सामंजस्य करते हुए समाज का एवं देश का विकास करने में सक्षम होंगे। साथ ही हमारे भारतीय शिक्षा व्यवस्था रूपी धरोहर को अग्रेसित करने में सफल होंगे।

Unit	Topic
Unit I	भारतीय शिक्षा व्यवस्था की परम्परा एवं महत्त्व।
Unit II	वैदिक कालीन शिक्षा व्यवस्था।
Unit III	रामायण कालीन शिक्षा व्यवस्था।
Unit IV	महाभारत कालीन शिक्षाव्यवस्था।
Unit V	आधुनिक शिक्षा व्यवस्था ।
Unit VI	वर्तमान परिप्रेक्ष्य में प्राचीन भारतीय शिक्षा व्यवस्था की प्रासंगिकता।

Suggested Reading:

1. प्राचीन भारत का सामाजिक एवं आर्थिक इतिहास– ए0एल0 बाशम– अद्भूत भारत सहाय स्वरूप– मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।
2. हिन्दू संस्कार– राजबली पाण्डे– मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।
3. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास–पद्मविभूषण आचार्य बलदेव उपाध्याय, उत्तर प्रदेश संस्कृत अकादमी लखनऊ।
4. कालिदास ग्रन्थावली– चौखम्बा विद्या भवन वाराणसी ।
5. श्रीमद्रामायण– महर्षि वाल्मीकिकृत– गीता प्रेस गोरखपुर।

6. श्रीमद्महाभारत– महर्षि वेदव्यासकृत– गीता प्रेस, गोरखपुर।
7. वैदिक शिक्षा पद्धति– डॉ0 भास्कर मिश्र, महर्षि सान्दीपनि वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन।
8. भारतीय संस्कृति– प्रो0 किरण टण्डन, ईस्टर्न बुक लिंकस,दिल्ली।
9. शिक्षा में मानवीय मूल्य एवं व्यावसायिक नैतिकता– राजकीय रजा कालेज, रामपुर।
10. वैदिकवाङ्मय के अनुसन्धेय पक्ष– प्रो0 हरीश्वर दीक्षित, प्रकाशक–विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी।

Suggested Online Link:

1. **SwayamPrabha - DTH Channel,**
   https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/program/current_he/1
2. **https://archive.org**

MASTER'S IN SANSKRIT
SEMESTER IX

DSC: काव्यशास्त्र–भाग–01

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSC: काव्यशास्त्र–भाग–01	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT | Course Code: SAN-DSC509 | Year: V | Semester: IX Paper- DSC-IX

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. काव्यशास्त्र के स्वरूप एवं लक्षण से सुपरिचित होंगे।
2. काव्यशास्त्र की अवधारणा का ज्ञान हो सकेगा।
3. काव्यशास्त्र में काव्यसौन्दर्य के आधायक गुण, रीति, अलंकार, ध्वनि आदि तत्वों से सुपरिचित होंगे।
4. काव्यशास्त्र की परम्परा से अवगत हो सकेंगे।
5. विद्यार्थी काव्यशास्त्र के उद्भव और विकास से सुपरिचित होकर काव्यशास्त्रीय तत्वों को समझने में सक्षम होंगे।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	काव्यशास्त्र का प्रादुर्भाव, काव्यशास्त्र के आचार्य एवं सम्प्रदाय परिचय।	11
Unit II	ध्वन्यालोक– प्रथम उद्योत 1–8 कारिका पर्यन्त (लोचन सम्मत व्याख्या)।	14
Unit III	ध्वन्यालोक– प्रथम उद्योत 9–19 कारिका पर्यन्त (लोचन सम्मत व्याख्या)।	11
Unit IV	वक्रोक्तिजीवितम्– प्रथमोन्मेष– प्रारम्भ से पदपदार्थवकता पर्यन्त।	13
Unit V	वक्रोक्तिजीवितम्– प्रथमोन्मेष– वाक्य वकता से समाप्ति पर्यन्त।	11

Suggested Reading:

1. काव्यप्रकाश– आचार्य विश्वेश्वर,ज्ञानमण्डल वाराणसी।
2. काव्यप्रकाश– वामन झलकीकर, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान,दिल्ली।
3. काव्यप्रकाश– श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार मेरठ।
4. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास– पी० वी० काणे,मोतीलाल बनारसीदास वाराणसी।
5. [illegible]

Deepa

9. वक्रोक्तिजीवितम्– डॉ0 वेदप्रकाश डिंडोरिया, शियालिक प्रकाशन, दिल्ली।
10. ध्वन्यालोक– व्याख्याकार– रमासागर त्रिपाठी, मोती लाल बनारसी दास, दिल्ली।

Suggested Online Link:

1. **SwayamPrabha - DTH Channel,**
   https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/program/current_he/1
2. **https://archive.org**

MASTER'S IN SANSKRIT

SEMESTER IX

Group- I

DSE: साहित्यशास्त्र एवं नाट्यशास्त्र–भाग–01

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE — TEACHING HOURS

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE: साहित्यशास्त्र एवं नाट्यशास्त्र–भाग–01	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-DSE511	Year: V	Semester: IX Paper- DSE XI

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. नाट्यशास्त्र के उद्भव से सुपरिचित होंगे।
2. साहित्यशास्त्र के सिद्धान्तों से अवगत होंगे।
3. दशरूपक ग्रन्थ के प्रयोजनों से परिचित हो सकेंगे।
4. नाट्य विषयक ज्ञान में वृद्धि कर सकेंगे।
5. रूपकों के भेदक–तत्वों से परिचित हो सकेंगे।
6. कथावस्तु के स्वरूप को समझ सकेंगे।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	काव्यमीमांसा– राजशेखरकृत प्रथम अधिकरण के प्रथम अध्याय से पंचम अध्याय तक।	14
Unit II	काव्यमीमांसा– राजशेखरकृत प्रथम अधिकरण के षष्ठ अध्याय से दशम अध्याय तक।	13
Unit III	नाट्यशास्त्र– भरतप्रणीत– प्रथम अध्याय।	12
Unit IV	नाट्यशास्त्र– भरतप्रणीत– द्वितीय अध्याय।	11
Unit V	धनंजय विरचित दशरूपकम्– प्रथम प्रकाश।	10

Suggested Reading:

1. नाट्यशास्त्र– डॉ0 सत्यार्थ प्रकाश शर्मा।
2. नाट्यशास्त्र– बाबूलाल शुक्ल, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
3. नाट्यशास्त्र– डॉ0 सुधाकर मालवीय।

6. दशरूपकम्– श्रीनिवास शास्त्री,साहित्य भण्डार, मेरठ।
7. राजशेखरकृत– काव्यमीमांसा व्याख्याकार–डॉ0 गंगासागर राय।

Suggested Online Link:

1. **SwayamPrabha - DTH Channel, https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/program/current_he/1**
2. **https://archive.org**

MASTER'S IN SANSKRIT

SEMESTER IX

Group- I

DSE: व्याकरण–महाभाष्य, सिद्धिप्रकिया एवं सूत्रव्याख्या

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE: व्याकरण–महाभाष्य, सिद्धिप्रकिया एवं सूत्रव्याख्या	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT | Course Code: SAN-DSE512 | Year: V | Semester: IX Paper- DSE-XII

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. महाभाष्य की व्याकरणिक अवधारणा को जान पायेंगे।
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी के आधार पर धातु प्रकिया के विषय से परिचित होंगे।
3. लघुसिद्धान्तकौमुदी के माध्यम से आत्मनेपद एवं परस्मैपद से सुपरिचित होंगे।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	महाभाष्य–प्रथमाह्निक–प्रारम्भ से व्याकरणप्रयोजन तक।	14
Unit II	महाभाष्य– 'सिद्धे शब्दार्थ सम्बन्धे' से समाप्ति पर्यन्त।	12
Unit III	लघुसिद्धान्तकौमुदी– भू धातु प्रक्रिया (लट्, लिङ्, लृट्, लोट् और लङ्)।	12
Unit IV	लघुसिद्धान्तकौमुदी– एध् धातु प्रक्रिया (लट्, लिङ्, लृट्, लोट् और लङ्)।	11
Unit V	लघुसिद्धान्तकौमुदी– आत्मनेपद एवं परस्मैपद सूत्र व्याख्या।	11

Suggested Reading:

1. महाभाष्य– पं० चारुदेव शास्त्री।
2. महाभाष्य–प्रदीपोद्योतटीका सहित– वेदव्रत।
3. सिद्धान्तकौमुदी–तत्त्वबोधिनी– पं० गिरधर शर्मा चतुर्वेदी।
4. तिङन्त प्रकरणम– डॉ० लज्जा भट्ट।

MASTER'S IN SANSKRIT

SEMESTER IX

Group- I

DSE: गद्य एवं ऐतिहासिक काव्य

COURSE ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITE OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE: गद्य एवं ऐतिहासिक काव्य	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-DSE513	Year: V	Semester: IX Paper- DSE XIII

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. संस्कृत गद्यकाव्य की परम्परा से सुपरिचित होंगे।
2. गद्यकाव्य के भेद एवं प्रकार के विषय में अध्ययन कर सकेंगे।
3. गद्यकाव्य का उद्भव एवं उत्कर्ष के विषय से सुपरिचित होंगे।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	गद्यकाव्य एवं ऐतिहासिककाव्य परम्परा एवं विकास।	06
Unit II	कादम्बरी–उज्जयिनी वर्णन से (सूतिकागृह को छोड़कर) कुमारवर्णन पर्यन्त।	14
Unit III	कादम्बरी– इन्द्रायुध वर्णन से राजकुल वर्णन पर्यन्त।	13
Unit IV	विक्रमांकदेवचरितम्–प्रथम सर्ग–प्रारम्भ से 50 श्लोक तक।	14
Unit V	विक्रमांकदेवचरितम्– प्रथम सर्ग–51 श्लोक से सर्गान्त पर्यन्त।	13

Suggested Reading:

1. कादम्बरी– श्रीनिवास मिश्र।
2. कादम्बरी– कृष्णमोहन शास्त्री।
3. कादम्बरी एक सांस्कृतिक अध्ययन– वासुदेवशरण अग्रवाल।
4. विक्रमांकदेवचरितम्– बी०एस० मुरारीलाल नागर।
5. विक्रमांकदेवचरितम्– विश्वनाथशास्त्री भारद्वाज।

Indira Deepa

MASTER'S IN SANSKRIT

SEMESTER IX

Group- II

DSE: साहित्यशास्त्र एवं नाट्यशास्त्र–भाग–01

[illegible] AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE:: साहित्यशास्त्र एवं नाट्यशास्त्र–भाग–01	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT | Course Code: SAN-DSE511 | Year: V | Semester: IX Paper- DSE XI

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1 नाट्यशास्त्र के उद्भव से सुपरिचित होंगे।
2 साहित्यशास्त्र के सिद्धान्तों से अवगत होंगे।
3 दशरूपक ग्रन्थ के प्रयोजनों से परिचित हो सकेंगे।
4 नाट्य विषयक ज्ञान में वृद्धि कर सकेंगे।
5 रूपकों के भेदक–तत्वों से परिचित हो सकेंगे।
6 कथावस्तु के स्वरूप को समझ सकेंगे।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	काव्यमीमांसा– राजशेखरकृत प्रथम अधिकरण के प्रथम अध्याय से पंचम अध्याय तक।	14
Unit II	काव्यमीमांसा– राजशेखरकृत प्रथम अधिकरण के षष्ठ अध्याय से दशम अध्याय तक।	13
Unit III	नाट्यशास्त्र– भरतप्रणीत– प्रथम अध्याय।	12
Unit IV	नाट्यशास्त्र– भरतप्रणीत– द्वितीय अध्याय।	11
Unit V	धनंजय विरचित दशरूपकम्– प्रथम प्रकाश।	10

Suggested Reading:

8. नाट्यशास्त्र– डॉ0 सत्यार्थ प्रकाश शर्मा।
9. नाट्यशास्त्र– बाबूलाल शुक्ल, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
10. नाट्यशास्त्र– डॉ0 सुधाकर मालवीय।
11. संस्कृत नाट्य सिद्धान्त– डॉ0 रमाकान्त त्रिपाठी।

13. दशरूपकम्– श्रीनिवास शास्त्री,साहित्य भण्डार, मेरठ।
14. राजशेखरकृत– काव्यमीमांसा व्याख्याकार–डॉ0 गंगासागर राय।

Suggested Online Link: **1. SwayamPrabha - DTH Channel, https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/program/current_he/1**

2. https://archive.org

Indira Deepa

MASTER'S IN SANSKRIT

SEMESTER IX

Group- II

DSE: व्याकरण–महाभाष्य, सिद्धिप्रकिया एवं सूत्रव्याख्या

TEACHING HOURS- 60

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE: व्याकरण–महाभाष्य, सिद्धिप्रकिया एवं सूत्रव्याख्या	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-DSE512	Year: V	Semester: IX Paper- DSE-XII

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1 महाभाष्य की व्याकरणिक अवधारणा को जान पायेंगे।
2 लघुसिद्धान्तकौमुदी के आधार पर धातु प्रकिया के विषय से परिचित होंगे।
3 लघुसिद्धान्तकौमुदी के माध्यम से आत्मनेपद एवं परस्मैपद से सुपरिचित होंगे।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	महाभाष्य–प्रथमाह्निक–प्रारम्भ से व्याकरणप्रयोजन तक।	14
Unit II	महाभाष्य– 'सिद्धं शब्दार्थ सम्बन्धे' से समाप्ति पर्यन्त।	12
Unit III	लघुसिद्धान्तकौमुदी– भू धातु प्रक्रिया (लट्, लिङ्, लृट्, लोट् और लङ्)।	12
Unit IV	लघुसिद्धान्तकौमुदी– एध् धातु प्रक्रिया (लट्, लिङ्, लृट्, लोट् और लङ्)।	11
Unit V	लघुसिद्धान्तकौमुदी– आत्मनेपद एवं परस्मैपद सूत्र व्याख्या।	11

Suggested Reading:

1 महाभाष्य–पं0 चारुदेव शास्त्री।
2 महाभाष्य– प्रदीपोद्योतटीका सहित– वेदव्रत।
3 सिद्धान्तकौमुदी– तत्त्वबोधिनी–पं0 गिरधर शर्मा चतुर्वेदी।
4 तिङन्त प्रकरणम्– डॉ0 लज्जा भट्ट।
5 लघुसिद्धान्तकौमुदी– श्रीवरदराजकृत, व्याख्याकार श्रीधरानन्दशास्त्री।

MASTER'S IN SANSKRIT

SEMESTER IX

Group- II

GE: धर्मशास्त्र–सामाजिक एवं विधिसम्बद्ध		

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE: धर्मशास्त्र–सामाजिक एवं विधिसम्बद्ध	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-GE511	Year: V	Semester: IX Paper- GE-XI

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1– विद्यार्थी भारतीयज्ञान परम्परा के अन्तर्गत धर्मशास्त्र से परिचित होंगे।

2– वेद धर्म का मूल है जिसके अन्तर्गत मानवजीवन के सभी मूलभूत तत्त्वों का समावेश है। उनके अध्ययन से विद्यार्थी अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सक्षम होगा।

3– विद्यार्थी सामाजिक एवं विधिसम्बन्धी व्यवस्था से अवगत होकर अपने कर्तव्य–पथ पर अग्रसर होंगे।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	धर्मशास्त्र का अर्थ, क्षेत्र एवं उपयोगिता।	12
Unit II	मनुस्मृति में सामाजिक व्यवस्था एवं महत्त्व।	12
Unit III	मनुस्मृति में विधिसम्बन्धी व्यवस्था एवं महत्त्व।	12
Unit IV	याज्ञवल्क्य स्मृति में सामाजिक व्यवस्था एवं महत्त्व।	12
Unit V	पाराशरस्मृति में सामाजिक एवं विधिसम्बन्धी व्यवस्था एवं महत्त्व।	12

Suggested Reading:

1– धर्मशास्त्र का इतिहास– पी0 बी0 काणे वॉल्यूम–1–3।

2– हिन्दू संस्कृति– राधाकुमुद मुखर्जी।

3– प्राचीन भारतीय साहित्य की सांस्कृतिक भूमिका– रामजी उपाध्याय ।

4– मनुस्मृति– चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी।

MASTER'S IN SANSKRIT

SEMESTER IX

Group- III

DSE: साहित्यशास्त्र एवं नाट्यशास्त्र–भाग–01

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE: साहित्यशास्त्र एवं नाट्यशास्त्र–भाग–01	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-DSE511	Year: V	Semester: IX Paper- DSE XI

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1–नाट्यशास्त्र के उद्भव से सुपरिचित होंगे।
2–साहित्यशास्त्र के सिद्धान्तों से अवगत होंगे।
3–दशरूपक ग्रन्थ के प्रयोजनों से परिचित हो सकेंगे।
4–नाट्य विषयक ज्ञान में वृद्धि कर सकेंगे।
5–रूपकों के भेदक–तत्वों से परिचित हो सकेंगे
6–कथावस्तु के स्वरूप को समझ सकेंगे।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	काव्यमीमांसा– राजशेखरकृत प्रथम अधिकरण के प्रथम अध्याय से पंचम अध्याय तक।	14
Unit II	काव्यमीमांसा– राजशेखरकृत प्रथम अधिकरण के षष्ठ अध्याय से दशम अध्याय तक।	13
Unit III	नाट्यशास्त्र– भरतप्रणीत– प्रथम अध्याय।	12
Unit IV	नाट्यशास्त्र– भरतप्रणीत– द्वितीय अध्याय।	11
Unit V	धनंजय विरचित दशरूपकम्– प्रथम प्रकाश।	10

Suggested Reading:

15. नाट्यशास्त्र– डॉ0 सत्यार्थ प्रकाश शर्मा।
16. नाट्यशास्त्र– बाबूलाल शुक्ल, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
17. नाट्यशास्त्र– डॉ0 सुधाकर मालवीय।
18. संस्कृत नाट्य सिद्धान्त– डॉ0 रमाकान्त त्रिपाठी।
19. दशरूपकम्– भोलाशंकर व्यास चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी।

MASTER'S IN SANSKRIT

SEMESTER IX

Group- III

GE: धर्मशास्त्र–सामाजिक एवं विधिसम्बद्ध

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE: धर्मशास्त्र–सामाजिक एवं विधिसम्बद्ध	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-GE511	Year: V	Semester: IX Paper- GE-XI

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1– विद्यार्थी भारतीयज्ञान परम्परा के अन्तर्गत धर्मशास्त्र से परिचित होंगे।

2– वेद धर्म का मूल है जिसके अन्तर्गत मानवजीवन के सभी मूलभूत तत्वों का समावेश है। उनके अध्ययन से विद्यार्थी अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सक्षम होगा।

3– विद्यार्थी सामाजिक एवं विधिसम्बन्धी व्यवस्था से अवगत होकर अपने कर्तव्य–पथ पर अग्रसर होंगे।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	धर्मशास्त्र का अर्थ, क्षेत्र एवं उपयोगिता।	12
Unit II	मनुस्मृति में सामाजिक व्यवस्था एवं महत्त्व।	12
Unit III	मनुस्मृति में विधिसम्बन्धी व्यवस्था एवं महत्त्व।	12
Unit IV	याज्ञवल्क्य स्मृति में सामाजिक व्यवस्था एवं महत्त्व।	12
Unit V	पाराशरस्मृति में सामाजिक एवं विधिसम्बन्धी व्यवस्था एवं महत्त्व।	12

Suggested Reading:

1– धर्मशास्त्र का इतिहास– पी० वी० काणे वॉल्यूम–1–3।

2– हिन्दू संस्कृति– राधाकमल मुखर्जी।

Radha Baba

7– वैदिक वाङ्मय के अनुसन्धेय पक्ष– प्रो0 हरीश्वर दीक्षित, विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी।
8– पौराणिक धर्म एवं समाज– एस0एन0 रॉय, इलाहाबाद, 1968

MASTER'S IN SANSKRIT

SEMESTER IX

Group- III

		GE: नीतिशास्त्र–राजनीतिसम्बद्ध					

TEACHING HOURS-60

	Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
			Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
	GE: नीतिशास्त्र–राजनीतिसम्बद्ध	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-GE512	Year: V	Semester: IX Paper- GE-XII

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1– विद्यार्थी शुक्रनीति, विदुरनीति एवं चाणक्यनीति के अध्ययन से नीतिविद्या के मूल से अवगत होंगे।
2– नीतिकारों में शुक्राचार्य, विदुर एवं चाणक्य के नीतिपरक ग्रन्थों से परिचित हो जायेंगे।
3– राजनीति में नीतिशास्त्र की महत्त्वपूर्ण भूमिका से अवगत होकर राष्ट्र की सुरक्षा में सचेत रहेंगे।
4– नीतिग्रन्थों में जीवन को सुखमय और सफल बनाने में उपयोगी सुझाव दिये गये हैं जिससे मानव व्यावहारिक बन सके।

Unit	Topics	NO. of Hours
Unit I	नीतिशास्त्र का उपक्रम, शुक्रनीति के रचयिता, रचनाकाल एवं शुक्रनीति के विषय का संक्षिप्त विवरण।	12
Unit II	शुक्रनीति के अनुसार नीतिशास्त्र की प्रशंसा, राजा का नीतिशास्त्र में प्रयोजन एवं धर्म की प्रशंसा, राज्योत्पत्ति ,राजा, राजा के कर्तव्य, राज्याङ्ग एवं मन्त्रिपरिषद्।	12
Unit III	विदुरनीति–रचयिता, रचनाकाल एवं विदुरनीति के विषय का संक्षिप्त विवरण।	12
Unit IV	विदुरनीति के अनुसार राजा का नीतिशास्त्र में प्रयोजन एवं धर्म की प्रशंसा, राज्योत्पत्ति, राजा, राजा के कर्तव्य, राज्याङ्ग एवं मन्त्रिपरिषद्।	12
Unit V	चाणक्यनीति के रचयिता,रचनाकाल एवं चाणक्यनीति के विषय का संक्षिप्त विवरण एवं प्रासङ्गिकता।	12

Suggested Reading:

1– नीतिशास्त्र के मूल सिद्धान्त– वेदप्रकाश वर्मा।
2– नीतिविज्ञान के मूल– मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सौजन्य से उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
3– शुक्रनीति– हिन्दी टीका सहित : अरुण कुमार उपाध्याय।
4– विदुरनीति– महाभारत उद्योगपर्व।गीताप्रेस गोरखपुर।
5– कौटिलीय–अर्थशास्त्र–श्री वाचस्पति।
6– कौटिलीय–अर्थशास्त्र– पाण्डेय रामतेज शास्त्री, पण्डित–पुस्तकालय, [illegible]

Deepa

MASTER'S IN SANSKRIT

SEMESTER IX

DISSERTATION ON MAJOR: वेदों में विज्ञान

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course		Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial / Practical/Practice		
DISSERTATION ON MAJOR	6	2	4	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-D901	Year: IV	Semester: IX, Dissertation

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. भारतीय ज्ञान परम्परा में वेद का प्रमुख स्थान है जिसके अन्तर्गत विज्ञान का महनीय योगदान है इसके अध्ययन से विद्यार्थी प्राचीन विज्ञान के स्त्रोत से अवगत होंगे।
2. वर्तमान परिप्रेक्ष्य में विज्ञान के समस्त तत्त्वों का अन्वेषण करने हेतु वेद के अध्ययन की आवश्यकता है जिसकी पूर्ति वेदों में विज्ञान से सम्भव है।
3. विद्यार्थी वेदों में विज्ञान के अध्ययन से विभिन्न क्षेत्रों में शोधकार्य करने में सक्षम होंगे।

Unit	Topic
Unit I	शोधप्रविधि का अध्ययन एवं अनुशीलन।
Unit II	वैदिक साहित्य का संक्षिप्त परिचय।
Unit III	वेदों में वर्णित विज्ञान का अन्वेषण कार्य।
Unit IV	वनस्पति विज्ञान, एवं जीव–जन्तु विज्ञान का अन्वेषण।
Unit V	कृषि विज्ञान, भूगर्भ विज्ञान, शिल्प विज्ञान का अन्वेषण।
Unit VI	शोधकार्यों का सर्वेक्षण एवं शोधप्रविधि के अनुसार शोधकार्य। निष्कर्ष।

Suggested Reading:

1. संस्कृत वाङ्मय का वृहत इतिहास– पं0 बलदेव उपाध्याय, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ।
2. संस्कृत वाङ्मय का वृहद् इतिहास– वेद खण्ड–उत्तर प्रदेश संस्कृत अकादमी लखनऊ।
3. संस्कृतसाहित्य का इतिहास– पं0 बलदेव उपाध्याय, सारदा मन्दिर, वाराणसी।
4. वैदिक साहित्य का इतिहास– पं0 वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।

MASTER'S IN SANSKRIT

SEMESTER IX

DISSERTATION ON MINOR : वेदों में राजनीति

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PREREQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DISSERTATION ON MINOR	6	2	2	2	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-D901A	Year: IV	Semester: IX, Dissertation

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. विद्यार्थी शोधकार्य के माध्यम से भारतीय ज्ञान परम्परा से अवगत होंगे।
2. वेदों में वर्णित राजनीति के अध्ययन से राज्य की व्यवस्था राज्य की सुरक्षा एवं प्रजा के कर्तव्यों से अवगत हो कर-राष्ट्र की उन्नति में सहयोग करेंगे।

Unit	Topic
Unit I	शोधकार्य की भूमिका, उद्देश्य एवं महत्व का अध्ययन।
Unit II	वेदों का संक्षिप्त परिचय।
Unit III	वेदों में राजनीतिशास्त्र का उद्भव एवं विकास।
Unit IV	वेदों में वर्णित राज्य उत्पत्ति विषयक सिद्धान्त, राज्य का स्वरूप, उद्देश्य और कार्य।
Unit V	राज्य के विभिन्न तत्व एवं विभिन्न अंग।
Unit VI	राजा का निर्वाचन, राजा के विभिन्न कर्तव्य, अर्थव्यवस्था विविध शस्त्रास्त्र एवं निष्कर्ष।

Suggested Reading:

1. संस्कृत वाङ्मय का बृहत् इतिहास– पं० बलदेव उपाध्याय, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ।
2. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास– वेद खण्ड–उत्तर प्रदेश संस्कृत अकादमी लखनऊ।
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास– पं० बलदेव उपाध्याय, शारदा मन्दिर, वाराणसी ।
4. वैदिक साहित्य का इतिहास– डॉ० कर्णसिंह, चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी।
5. वैदिक यज्ञ संस्था और वेद विज्ञान– प्रो० ओमप्रकाश पाण्डेय, नाग प्रकाशन, दिल्ली।
6. वेदों में राजनीति– पद्मश्री डॉ० कपिल देव द्विवेदी, विश्वभारतीय ज्ञानपुरगदोई, उत्तर प्रदेश।

Suggested Online Link:

Indra Deepa

MASTER'S IN SANSKRIT
SEMESTER IX

ACADEMIC PROJECT: वेदों में लोककल्याण

[illegible] ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course		Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial / Practical/Practice		
ACADEMIC PROJECT	6	2	4	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-AP901	Year: IV	Semester: IX, Academic Project

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. विद्यार्थी ज्ञान की धरोहर वेद से परिचित होंगे।
2. विद्यार्थी वेदों के अध्ययन से वेद में निहित लोककल्याण के तत्त्वों से परिचित होंगे।
3. विद्यार्थी लोककल्याण से अवगत होकर राष्ट्र की उन्नति में सहयोग करेंगे।

Unit	Topic
Unit I	शोधकार्य की भूमिका, उद्देश्य एवं महत्त्व का अध्ययन।
Unit II	वेदों का प्रतिपाद्य एवं महत्त्व।
Unit III	वेद में लोककल्याण के प्रकार–विश्वकल्याण, राष्ट्रकल्याण एवं जनकल्याण
Unit IV	प्राचीन भारतीय संस्कृति, विश्वकल्याण और पुरुषार्थ, विश्वबन्धुत्व, पृथिवी के धारक तत्त्व, पर्यावरण में विश्वकल्याण
Unit V	वेदों में राष्ट्रीय प्रार्थना, वेदों में राष्ट्रस्वरूप और कर्तव्य, राजा का निर्वाचन और कर्तव्य, पर्यावरण और राष्ट्रकल्याण
Unit VI	वेदों में जनकल्याण और दार्शनिक चिन्तन, जनकल्याण और पुरुषार्थ, दुर्गुणों का परित्याग, मन की पवित्रता, नारी सम्मान से उन्नति, स्वस्थ जीवन, जनकल्याण और यज्ञ, जनकल्याण और पर्यावरण तथा निष्कर्ष।

Suggested Reading:

1. संस्कृत वाङ्मय का बृहत इतिहास– पं० बलदेव उपाध्याय, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ।
2. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास– वेद खण्ड–उत्तर प्रदेश संस्कृत अकादमी लखनऊ।
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास– पं० बलदेव उपाध्याय, सारदा मन्दिर, वाराणसी ।
4. वैदिक साहित्य का इतिहास– डॉ० कर्णसिंह, चौखम्बा सूरभारती, वाराणसी।
5. वैदिक यज्ञ संस्था और वेद विज्ञान– प्रो० ओमप्रकाश पाण्डेय, नाग प्रकाशन, दिल्ली।

MASTER'S IN SANSKRIT
SEMESTER X

DSC: काव्यशास्त्र–भाग–02

[illegible] DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS-60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSC: काव्यशास्त्र–भाग–02	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-DSC510	Year: V	Semester: X Paper- DSC-X

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. काव्यशास्त्र के स्वरूप एवं लक्षण से सुपरिचित होंगे।
2. काव्यशास्त्र की अवधारणा का ज्ञान हो सकेगा।
3. काव्यशास्त्र में काव्यसौन्दर्य के आधायक गुण, रीति, अलंकार, ध्वनि आदि तत्त्वों से सुपरिचित होंगे।
4. काव्यशास्त्र की परम्परा से अवगत हो सकेंगे।
5. विद्यार्थी काव्यशास्त्र के उद्भव और विकास से सुपरिचित होकर काव्यशास्त्रीय तत्त्वों को समझने में सक्षम होंगे।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	काव्यप्रकाश–आचार्य मम्मट, प्रथम तथा द्वितीय उल्लास।	12
Unit II	काव्यप्रकाश–आचार्य मम्मट, तृतीय एवं चतुर्थ उल्लास रस पर्यन्त।	12
Unit III	काव्यप्रकाश– आचार्य मम्मट, अष्टम उल्लास।	12
Unit IV	काव्यप्रकाश– आचार्य मम्मट, नवम उल्लास– वक्रोक्ति, अनुप्रास, श्लेष, यमक, दशम उल्लास– उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक।	12
Unit V	काव्यप्रकाश– आचार्य मम्मट, दशम उल्लास– निदर्शना, अपह्नुति, विभावना, विशेषोक्ति ,व्यतिरेक, दृष्टान्त और तुल्ययोगिता।	12

Suggested Reading:

1. काव्यप्रकाश– आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञानमण्डल वाराणसी।
2. काव्यप्रकाश– वामन झलकीकर, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली।
3. काव्यप्रकाश– श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार मेरठ।
4. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास– पी० वी० काणे, मोतीलाल बनारसीदास वाराणसी।

MASTER'S IN SANSKRIT

SEMESTER X

Group- I

DSE: साहित्यशास्त्र एवं नाट्यशास्त्र–भाग–02

TEACHING HOURS-60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE: साहित्यशास्त्र एवं नाट्यशास्त्र–भाग–02	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT

Course Code: SAN-DSE514

Year: V | Semester: X Paper- DSEXIV

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. नाट्यशास्त्र के उद्भव से सुपरिचित होंगे।
2. साहित्यशास्त्र के काव्य–दृश्यकाव्य, श्रव्यकाव्य से अवगत होंगे।
3. दशरूपक ग्रन्थ के प्रयोजनों से परिचित हो सकेंगे।
4. नाट्य विषय ज्ञान में वृद्धि कर सकेंगे।
5. रूपकों के भेदक–तत्वों से परिचित हो सकेंगे।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	साहित्यदर्पण– प्रथम परिच्छेद	13
Unit II	साहित्यदर्पण– द्वितीय परिच्छेद	12
Unit III	दशरूपकम्– द्वितीय प्रकाश	12
Unit IV	दशरूपकम्– तृतीय प्रकाश	11
Unit V	दशरूपकम्– चतुर्थ प्रकाश	12

Suggested Reading:

1. राजशेखरकृत– काव्यमीमांसा व्याख्याकार– डॉ0 गंगासागर राय।
2. दशरूपकम्– आचार्य धनंजय सम्पादक भोलाशंकर।
3. संस्कृत वाङ्मय का बृहद इतिहास– पंचम खण्ड।
4. अभिनव भारती– अभिनवगुप्त रचित टीका।

Deepa

MASTER'S IN SANSKRIT

SEMESTER- X

Group- I

DSE: संस्कृत–प्रकरण,चम्पूकाव्य एवं निबन्ध

TEACHING HOURS-60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE: संस्कृतप्रकरण,चम्पूकाव्य एवं निबन्ध	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-DSE515	Year: V	Semester: X Paper- DSE-XV

Course outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. चम्पूकाव्य की उत्पत्ति और विकास से सुपरिचित होंगे।
2. प्रमुख गद्य एवं चम्पू काव्यों के प्रणेताओं, उनकी कथावस्तु तथा काव्यगत वैशिष्ट्य के विषय में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
3. संस्कृत काव्य की सुदीर्घ एवं वैविध्यमयी परम्परा से अवगत होंगे।
4. गद्य एवं चम्पू की विधाओं के विशिष्ट भाषिक प्रयोगों से अवगत होंगे।
5. छात्र यह जान सकेंगे कि कैसे प्रकरण नाटक तत्कालीन समाज की समस्याओं, नैतिक मूल्यों, एवं सामाजिक संघर्षों को चित्रित करता है।
6. निबंध लेखन के माध्यम से छात्र किसी भी विषय पर अपने विचारों को तार्किक, क्रमबद्ध एवं सुस्पष्ट रूप में अभिव्यक्त करने में सक्षम होंगे।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	मृच्छकटिकम्– प्रथम अंक, तृतीय अंक एवं षष्ठ अंक।	15
Unit II	मुद्राराक्षस– प्रथम एवं द्वितीय अंक।	15
Unit III	नलचम्पू–प्रथम उच्छ्वास–प्रारम्भ से वर्षावर्णन पर्यन्त।	14
Unit IV	काव्यशास्त्रीय एवं साहित्यिक संस्कृत निबन्ध– वेदानां महत्त्वम्, काव्यलक्षणम्, गीता सुगीता कर्तव्या, रम्या रामायणी कथा, उपमा कालिदासस्य।	08
Unit V	प्रकीर्ण संस्कृतनिबन्ध– जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी, उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः, कर्मण्येवाधिकारस्ते, विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्, सत्संगतिः, परोपकारः।	08

Suggested Reading:

1. मृच्छकटिकम्– डॉ0 रमाकान्त द्विवेदी।

MASTER'S IN SANSKRIT

SEMESTER X

Group- I

DSE: अर्वाचीन संस्कृतसाहित्य एवं साहित्यकार

CREDIT DISTRIBUTION AND PREREQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS-60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE: अर्वाचीन संस्कृतसाहित्य एवं साहित्यकार	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-DSE516	Year: V	Semester: X Paper- DSE-XVI

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. अर्वाचीन संस्कृत साहित्य से सुपरिचित होंगे।
2. आधुनिक संस्कृत साहित्यकारों से सुपरिचित होंगे।
3. अर्वाचीन संस्कृत साहित्य के विविध आयामों से परिचित होंगे।
4. अर्वाचीन पत्र–पत्रिकाओं से सुपरिचित होंगे।
5. उत्तराखण्ड के प्रमुख संस्कृत साहित्य एवं साहित्यकार से परिचित होंगे।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	अर्वाचीन संस्कृत साहित्य का इतिहास– अठारहवीं शताब्दी से लेकर अद्यतन।	12
Unit II	अर्वाचीन संस्कृत साहित्य के विविध आयाम।	10
Unit III	अर्वाचीन प्रमुख संस्कृत साहित्यकार एवं रचनाएँ– पं० अम्बिकादत्त व्यास, आचार्य विश्वेश्वर पाण्डेय, पण्डिता क्षमाराव, कविवर सत्यव्रत शास्त्री, डॉ० ब्रह्मानन्द शुक्ल, श्रीधर भास्कर वर्णेकर, मथुरा प्रसाद दीक्षित, प्रो० रमाकान्त शुक्ल, आचार्य कपिलदेव द्विवेदी, प्रो० रेवाप्रसाद द्विवेदी, प्रो० हरिनारायण दीक्षित प्रो० अभिराज राजेन्द्र मिश्र, प्रो० हरिदत्त शर्मा, प्रो० सी० उपेन्द्र राव।	13
Unit IV	अर्वाचीन प्रमुख पत्र–पत्रिकाओं का परिचय– दूर्वा, सागरिका, अजस्रा, अर्वाचीनसंस्कृतम्, संस्कृतमञ्जरी, शोधभारती, शोधप्रभा, वैदिक वाग्ज्योति, गाण्डीवम्, वाक्, संभाषण सन्देश, गुरुकुल पत्रिका तथा शोध प्रज्ञा ।	13
Unit V	उत्तराखण्ड के प्रमुख संस्कृत साहित्य एवं साहित्यकार परिचय।	12

Suggested Reading:

1. आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास– पद्मभूषण पं० बलदेव उपाध्याय, मोती लाल बनारसी दास पब्लिशर्स, नई दिल्ली।
2. संस्कृत वाङ्मय का बृहद इतिहास– सप्तम खण्ड– सम्पादक डॉ० [illegible]

3. नलचम्पू– प्रो0 कैलाशपति त्रिपाठी।
4. चम्पूकाव्य का आलोचनात्मक अध्ययन– प्रो0 छविनाथ– त्रिपाठी।
5. संस्कृतनिबन्धशतकम्– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी।
6. संस्कृतनिबन्धरत्नाकर– डॉ0 शिवप्रसाद भारद्वाज, दिल्ली नई सड़क अशोकप्रकाशन।
7. संस्कृतनिबन्धसुधा– डॉ0 राधेश्याम गंगवार।
8. मुद्राराक्षस– सम्पादक–पण्डित हरप्रसाद शास्त्री, चौखम्बा संस्कृत सीरिज।
9. मुद्राराक्षस– विशाखदत्त, मोती लाल बनारसी दास पब्लिशर्स, दिल्ली।

Suggested Online Link:

MASTER'S IN SANSKRIT

SEMESTER-X

Group- II

DSE	साहित्यशास्त्र एवं नाट्यशास्त्र–भाग–02

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS-60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE: साहित्यशास्त्र एवं नाट्यशास्त्र–भाग–02	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-DSE514	Year: V	Semester: X Paper- DSEXIV

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1 नाट्यशास्त्र के उद्भव से सुपरिचित होंगे।
2 साहित्यशास्त्र के काव्य–दृश्यकाव्य, श्रव्यकाव्य से अवगत होंगे।
3 दशरूपक ग्रन्थ के प्रयोजनों से परिचित हो सकेंगे।
4नाट्य विषय ज्ञान में वृद्धि कर सकेंगे।
5 रूपकों के भेदक–तत्वों से परिचित हो सकेंगे।
6 कथावस्तु के स्वरूप को समझ सकेंगे।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	साहित्यदर्पण– प्रथम परिच्छेद	13
Unit II	साहित्यदर्पण– द्वितीय परिच्छेद	12
Unit III	दशरूपकम्– द्वितीय प्रकाश	12
Unit IV	दशरूपकम्– तृतीय प्रकाश	11
Unit V	दशरूपकम्– चतुर्थ प्रकाश	12

Suggested Reading:

1 राजशेखरकृत–काव्यमीमांसा.व्याख्याकार– डॉ0 गंगासागर राय।
2 दशरूपकम्– आचार्य धनंजय सम्पादक भोलाशंकर।
3 संस्कृत वाङमय का वृहद इतिहास– पंचम खण्ड।

3. आधुनिक संस्कृत नाटक– रामजी उपाध्याय, मोती लाल बनारसी दास पब्लिशर्स, नई दिल्ली।
4. संस्कृत का अर्वाचीन समीक्षात्मक काव्यशास्त्र– प्रो० अभिराज राजेन्द्र मिश्र, मोती लाल बनारसी दास पब्लिशर्स, नई दिल्ली।
5. काव्यालंकारकारिका– प्रोफेसर रेवाप्रसाद द्विवेदी, मोती लाल बनारसी दास पब्लिशर्स, नई दिल्ली।
6. साहित्यविमर्श– प्रोफेसर रहस विहारी द्विवेदी, मोती लाल बनारसी दास पब्लिशर्स, नई दिल्ली।
7. संस्कृतसाहित्य का अभिनव इतिहास– प्रो० राधबल्लभ त्रिपाठी, मोती लाल बनारसी दास पब्लिशर्स, नई दिल्ली।
8. विंशतिशताब्दीसंस्कृतकाव्यामृतम्– प्रो० अभिराज राजेन्द्र मिश्र, मोती लाल बनारसी दास पब्लिशर्स, नई दिल्ली।
9. अभिराजयशोभूषणम्–प्रो० अभिराज राजेन्द्र मिश्र, मोती लाल बनारसी दास पब्लिशर्स, नई दिल्ली।

Suggested Online Link: **1. SwayamPrabha - DTH Channel,**
https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/program/current_he/1

2. https://archive.org

Deepa

MASTER'S IN SANSKRIT

SEMESTER X

Group- II

DSE: संस्कृत–प्रकरण,चम्पूकाव्य एवं निबन्ध

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS-60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE: संस्कृत प्रकरण,चम्पूकाव्य एवं निबन्ध	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-DSE515	Year: V	Semester: X Paper- DSE-XV

Course outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1 चम्पूकाव्य की उत्पत्ति और विकास से सुपरिचित होंगे।
2 प्रमुख गद्य एवं चम्पू काव्यों के प्रणेताओं, उनकी कथावस्तु तथा काव्यगत वैशिष्ट्य के विषय में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
3 संस्कृत काव्य की सुदीर्घ एवं वैविध्यमयी परम्परा से अवगत होंगे।
4 गद्य एवं चम्पू की विधाओं के विशिष्ट भाषिक प्रयोगों से अवगत होंगे।
5 छात्र यह जान सकेंगे कि कैसे प्रकरण नाटक तत्कालीन समाज की समस्याओं, नैतिक मूल्यों, एवं सामाजिक संघर्षों को चित्रित करता है।
6 निबंध लेखन के माध्यम से छात्र किसी भी विषय पर अपने विचारों को तार्किक, क्रमबद्ध एवं सुस्पष्ट रूप में अभिव्यक्त करने में सक्षम होंगे।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	मृच्छकटिकम्– प्रथम अंक, तृतीय अंक एवं षष्ठ अंक।	15
Unit II	मुद्राराक्षस– प्रथम एवं द्वितीय अंक।	15
Unit III	नलचम्पू–प्रथम उच्छ्वास–प्रारम्भ से वर्षावर्णन पर्यन्त।	14
Unit IV	काव्यशास्त्रीय एवं साहित्यिक संस्कृतनिबन्ध– वेदानां महत्त्वम्, काव्यलक्षणम्, गीता सुगीता कर्तव्या, रम्या रामायणी कथा, उपमा कालिदासस्य।	08
Unit V	प्रकीर्ण संस्कृतनिबन्ध– जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी, उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः, कर्मण्येवाधिकारस्ते, विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्, सत्संगतिः, परोपकारः।	08

Suggested Reading:

1 मृच्छकटिकम्– डॉ0 रमाकान्त द्विवेदी।

5 साहित्य दर्पण–विश्वनाथकविराजकृत, लक्ष्मीटीका युक्त, टीकाकार श्रीकृष्णमोहन शास्त्री,वाराणसी।
6 साहित्य दर्पण–शालिग्रामशास्त्री कृत विमला टीका।
7 साहित्य दर्पण–गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर।

Suggested Online Link: **1. SwayamPrabha - DTH Channel,**
https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/program/current_he/1

2. https://archive.org

Indira Deepa

MASTER'S IN SANSKRIT

SEMESTER X

Group- II

GE: कौटिलीय–अर्थशास्त्र (विनयाधिकरणम्)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS-60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE: कौटिलीय–अर्थशास्त्र (विनयाधिकरणम्)	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-GE513	Year: V	Semester: X Paper- GE-XIII

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. राजनीति, प्रशासन एवं आर्थिक नीति की प्राचीन भारतीय दृष्टि को समझने की क्षमता विकसित होगी
2. छात्र कौटिलीय सिद्धांतों की आधुनिक प्रशासनिक प्रणाली, कूटनीति तथा आर्थिक नीतियों से तुलना करके उनके व्यावहारिक पक्ष को समझ सकेंगे।
3. छात्र प्राचीन ग्रंथों के अध्ययन से अनुसंधान प्रवृत्ति, नीति विश्लेषण तथा नीतिशास्त्रीय विमर्श में भाग लेने की योग्यता अर्जित करेंगे।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	कौटिल्य अर्थशास्त्र का सामान्य परिचय।	10
Unit II	कौटिल्य अर्थशास्त्र प्रथम अधिकरण के प्रथम अध्याय से पंचम अध्याय तक।	18
Unit III	कौटिल्य अर्थशास्त्र प्रथम अधिकरण के षष्ठ अध्याय से दशम अध्याय।	18
Unit IV	कौटिल्य अर्थशास्त्र प्रथम अधिकरण के प्रारम्भिक दश अध्यायों में प्रयुक्त नीतियों का अध्ययन।	14

Suggested Reading:

1. कौटिलीय–अर्थशास्त्र–श्री वाचस्पति।
2. कौटिलीय – अर्थशास्त्र– पाण्डेय रामतेज शास्त्री, पण्डित–पुस्तकालय, वाराणसी।
3. कौटिलीयम् अर्थशास्त्रम् (प्रथममधिकरणम्)– डॉ० मिथिलेश पाण्डेय, युवराज पब्लिकेशन, आगरा।
4. कौटिल्य अर्थशास्त्र : एक परिशीलन– प्रो० पुष्पेन्द्र कुमार, नाग प्रकाशन, दिल्ली।

Suggested Online Link:

Indira Deepa

3 नलचम्पू– प्रो0 कैलाशपति त्रिपाठी।
4 चम्पूकाव्य का आलोचनात्मक अध्ययन– प्रो0 छविनाथ– त्रिपाठी।
5 संस्कृतनिबन्धशतकम्– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी।
6 संस्कृतनिबन्धरत्नाकर– डॉ0 शिवप्रसाद भारद्वाज, दिल्ली नई सड़क अशोकप्रकाशन।
7 संस्कृतनिबन्धसुधा– डॉ0 राधेश्याम गंगवार।
8 मुद्राराक्षस– सम्पादक–पण्डित हरप्रसाद शास्त्री, चौखम्बा संस्कृत सीरिज।
9 मुद्राराक्षस– विशाखदत्त, मोती लाल बनारसी दास पब्लिशर्स, दिल्ली।

Suggested Online Link:

1. SwayamPrabha - DTH Channel,
https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/program/current_he/1

2. https://archive.org

MASTER'S IN SANSKRIT

SEMESTER X

Group- III

DSE: साहित्यशास्त्र एवं नाट्यशास्त्र–भाग–02

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS-60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE: साहित्यशास्त्र एवं नाट्यशास्त्र–भाग–02	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-DSE14	Year: V	Semester: X Paper- DSEXIV

Course Outcomes: पाठ्यकम–परिणाम

6. नाट्यशास्त्र के उद्भव से सुपरिचित होंगे।
7. साहित्यशास्त्र के काव्य–दृश्यकाव्य, श्रव्यकाव्य से अवगत होंगे।
8. दशरूपक ग्रन्थ के प्रयोजनों से परिचित हो सकेंगे।
9. नाट्य विषय ज्ञान में वृद्धि कर सकेंगे।
10. रूपकों के भेदक–तत्वों से परिचित हो सकेंगे।
11. कथावस्तु के स्वरूप को समझ सकेंगे।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	साहित्यदर्पण– प्रथम परिच्छेद	13
Unit II	साहित्यदर्पण– द्वितीय परिच्छेद	12
Unit III	दशरूपकम्– द्वितीय प्रकाश	12
Unit IV	दशरूपकम्– तृतीय प्रकाश	11
Unit V	दशरूपकम्– चतुर्थ प्रकाश	12

Suggested Reading:

8. राजशेखरकृत– काव्यमीमांसा,व्याख्याकार– डॉ0 गंगासागर राय।
9. दशरूपकम्– आचार्य धनंजय सम्पादक भोलाशंकर।
10. संस्कृत [illegible]

Indira Deepa

13. साहित्य दर्पण– शालिग्रामशास्त्री कृत विमला टीका।
14. साहित्य दर्पण– गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर।

Suggested Online Link:

1. SwayamPrabha - DTH Channel,
https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/program/current_he/1

2. https://archive.org

MASTER'S IN SANSKRIT

SEMESTER X

Group- III

GE: कौटिलीय–अर्थशास्त्र (विनयाधिकरणम्)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS-60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE: कौटिलीय–अर्थशास्त्र (विनयाधिकरणम्)	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-GE513	Year: V	Semester: X Paper- GE-XIII

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. राजनीति, प्रशासन एवं आर्थिक नीति की प्राचीन भारतीय दृष्टि को समझने की क्षमता विकसित होगी
2. छात्र कौटिलीय सिद्धांतों की आधुनिक प्रशासनिक प्रणाली, कूटनीति तथा आर्थिक नीतियों से तुलना करके उनके व्यावहारिक पक्ष को समझ सकेंगे।
3. छात्र प्राचीन ग्रंथों के अध्ययन से अनुसंधान प्रवृत्ति, नीति विश्लेषण तथा नीतिशास्त्रीय विमर्श में भाग लेने की योग्यता अर्जित करेंगे।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	कौटिल्य अर्थशास्त्र का सामान्य परिचय।	10
Unit II	कौटिल्य अर्थशास्त्र प्रथम अधिकरण के प्रथम अध्याय से पंचम अध्याय तक।	18
Unit III	कौटिल्य अर्थशास्त्र प्रथम अधिकरण के षष्ठ अध्याय से दशम अध्याय।	18
Unit IV	कौटिल्य अर्थशास्त्र प्रथम अधिकरण के प्रारम्भिक दश अध्यायों में प्रयुक्त नीतियों का अध्ययन।	14

Suggested Reading:

6. कौटिलीय–अर्थशास्त्र–श्री वाचस्पति।
7. कौटिलीय – अर्थशास्त्र– पाण्डेय रामतेज शास्त्री, पण्डित–पुस्तकालय, वाराणसी।
8. कौटिलीयम् अर्थशास्त्रम् (प्रथममधिकरणम्)– डॉ0 मिथिलेश पाण्डेय, युवराज पब्लिकेशन, आगरा।
9. कौटिल्य अर्थशास्त्र : एक परिशीलन– प्रो0 पुष्पेन्द्र कुमार, नाग प्रकाशन, दिल्ली।

Indra Deepa

MASTER'S IN SANSKRIT

SEMESTER-X **Group- III**

GE: पातञ्जलयोगसूत्र

COURSE TITLE, CREDITS, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS-60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE: पातञ्जलयोगसूत्र	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-GE514	Year: V	Semester: X Paper- GE-XIV

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. विद्यार्थी प्राचीन ज्ञान परम्परा के अन्तर्गत योगसूत्र से परिचित होंगे।
2. विद्यार्थी योग के अध्ययन से शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से सुदृढ़ होंगे।
3. विद्यार्थी स्वस्थ्य एवं निरोग होकर समाज एवं देश की सेवा में तत्पर रहेंगे।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	महर्षि पतंजलि परिचय एवं योगसूत्र का प्रतिपाद्य।	10
Unit II	योगसूत्र– समाधिपाद– चित्तभूमियाँ, चित्तवृत्तियाँ, प्रमाणमीमांसा, वृत्तिनिरोध के उपाय, ईश्वर का स्वरूप, सम्प्रज्ञात समाधि एवं असम्प्रज्ञात समाधि।	13
Unit III	योगसूत्र– साधनपाद– कियायोग, पंचक्लेश, अष्टांगयोग।	12
Unit IV	योगसूत्र– विभूतिपाद– धारणा, ध्यान, समाधि।	13
Unit V	योगसूत्र– कैवल्यपाद– पंचविध सिद्धियाँ, जात्यन्तर परिणाम, चतुर्विध कर्म, जीवनमुक्ति, कैवल्य स्वरूप।	12

Suggested Reading:

1. भारतीय दर्शन का इतिहास– डॉ0 के0एस0दास।
2. योगदर्शनम्– पतञ्जलिकृत योगदर्शनम् व्यासभाष्य सहित हिन्दी अनुवादक हरिहरानन्द आरण्य, सम्पादक रामशंकर भट्टाचार्य दिल्ली, मोतीलाल बनारसी 2003।
3. पतंजलि योगसूत्र– हिन्दी : बी0के0एस0 अयंगार।
4. योगदर्शन– कैवल्य शास्त्र साधक की कलम से–कौशल कुमार
5. आसन एवं योग विज्ञान– श्रीदेसराज, भारतीय योग संस्थान दिल्ली।
6. योग से रोग निवारण– [illegible]

MASTER'S IN SANSKRIT

SEMESTER X

Group- III

GE: कौटिलीय–अर्थशास्त्र (विनयाधिकरणम्)

[illegible] ELECTIVE: ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS-60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE: कौटिलीय–अर्थशास्त्र (विनयाधिकरणम्)	4	3	1	0	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-GE513	Year: V	Semester: X Paper- GE-XIII

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. राजनीति, प्रशासन एवं आर्थिक नीति की प्राचीन भारतीय दृष्टि को समझने की क्षमता विकसित होगी
2. छात्र कौटिलीय सिद्धांतों की आधुनिक प्रशासनिक प्रणाली, कूटनीति तथा आर्थिक नीतियों से तुलना करके उनके व्यावहारिक पक्ष को समझ सकेंगे।
3. छात्र प्राचीन ग्रंथों के अध्ययन से अनुसंधान प्रवृत्ति, नीति विश्लेषण तथा नीतिशास्त्रीय विमर्श में भाग लेने की योग्यता अर्जित करेंगे।

Unit	Topics	No. of Hours
Unit I	कौटिल्य अर्थशास्त्र का सामान्य परिचय।	10
Unit II	कौटिल्य अर्थशास्त्र प्रथम अधिकरण के प्रथम अध्याय से पंचम अध्याय तक।	18
Unit III	कौटिल्य अर्थशास्त्र प्रथम अधिकरण के षष्ठ अध्याय से दशम अध्याय।	18
Unit IV	कौटिल्य अर्थशास्त्र प्रथम अधिकरण के प्रारम्भिक दश अध्यायों में प्रयुक्त नीतियों का अध्ययन।	14

Suggested Reading:

6. कौटिलीय–अर्थशास्त्र–श्री वाचस्पति।
7. कौटिलीय – अर्थशास्त्र– पाण्डेय रामतेज शास्त्री, पण्डित–पुस्तकालय, वाराणसी।
8. कौटिलीयम् अर्थशास्त्रम् (प्रथममधिकरणम्)– डॉ0 मिथिलेश पाण्डेय, युवराज पब्लिकेशन, आगरा।
9. कौटिल्य अर्थशास्त्र : एक परिशीलन– प्रो0 पुष्पेन्द्र कुमार, नाग प्रकाशन, दिल्ली।

Indira Dalpa

MASTER'S IN SANSKRIT

SEMESTER X

DISSERTATION ON MAJOR: योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा

DISCIPLINE, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course		Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial / Practical/Practice		
DISSERTATION ON MAJOR	6	2	4	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAN-D502	Year: V	Semester: X -Dissertation

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. विद्यार्थी भारतीय ज्ञान परम्परा के अन्तर्गत योग विद्या से अवगत होंगे।
2. विद्यार्थी योग के अध्ययन से अपने जीवन में प्रतिदिन योग का प्रयोग करेगें जिससे स्वास्थ्य लाभ होगा।
3. योग विद्या के माध्यम से प्राकृतिक चिकित्सा की जानकारी होगीजिससे सामान्य रोगों का उपचार कर सकेंगे।
4. योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा से विद्यार्थी पर्यावरण से सुपरिचित हो सकेंगे।

Unit	Topic
Unit I	योग का अर्थ, परिभाषा, योग का ऐतिहासिक अध्ययन एवं महत्त्व।
Unit II	विभिन्न शास्त्रों में योग का स्वरूप–वेद, उपनिषद, श्रीमद्भगवद्गीता, योग–वाशिष्ठ, जैनमत, बौद्धमत, वेदान्त एवं आयुर्वेद।
Unit III	विभिन्न योगियों का परिचय– महर्षि पतञ्जलि, गोरक्षनाथ, महर्षि दयानन्द, स्वामी विवेकानन्द, श्री अरविन्द, महर्षि रमण, स्वामी कुवलयानन्द।
Unit IV	प्राकृतिक चिकित्सा– अर्थ, परिभाषा एवं अवधारणा, प्राकृतिक चिकित्सा का संक्षिप्त इतिहास, प्राकृतिक चिकित्सा अनुसार स्वास्थ्य एवं व्याधि की अवधारणा।
Unit V	प्राकृतिक चिकित्सा के मूलसिद्धान्त एवं वायु चिकित्सा, सूर्य चिकित्सा, जल चिकित्सा, मिट्टी चिकित्सा का अध्ययन।
Unit VI	प्रायोगिक–योग अभ्यास, प्रायोगिक–प्राकृतिक चिकित्सा एवं शोधप्रविधि के अनुसार शोधकार्य।

Suggested Reading:

1. प्राकृतिक उपचार की विधियाँ– डॉ0 राजीव रस्तोगी।
2. प्राकृतिक आयुर्विज्ञान– डॉ0 राकेश जिन्दल।
3. योग एवं यौगिक चिकित्सा– प्रो0 राम हर्ष सिंह।
4. पतञ्जलि योग प्रदीप– स्वामी ओमानन्द, गीता प्रेस गोरखपुर।
5. वेदों में योग [illegible]

Indira Gupta

7. आहार और स्वास्थ्य– डॉ0 हीरा लाल।
8. आसन एवं योग विज्ञान– श्रीदेसराज, भारतीय योग संस्थान दिल्ली।
9. योग से रोगनिवारण– स्वामी शिवानन्द सरस्वती, कलकत्ता
10. दीर्घायु के रहस्य– डॉ0 विनय मोहन शर्मा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

Suggested online Link:

1. **SwayamPrabha - DTH Channel, https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/program/current_he/1**

2. **https://archive.org**

Deepa

MASTER'S IN SANSKRIT

SEMESTER X

DISSERTATION ON MINOR : भारतीय वास्तुशास्त्र की प्रासङ्गिकता

[illegible] PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course		Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial / Practical/Practice		
DISSERTATION ON MINOR	6	2	4	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	Course Code: SAND502A	Year: V	Semester: X-Dissertation

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. विद्यार्थी भारतीय ज्ञान परम्परा की निधि वास्तुशास्त्र से परिचित होंगे।
2. वास्तुशास्त्र प्राचीन भारतीय विज्ञान है जिसे वर्तमान में आर्किटेक्चर कहा जाता है, इसके ज्ञान से समयानुकूल गृहनिर्माण आदि कार्य किये जा सकेंगे।
3. विद्यार्थियों को रोजगार के क्षेत्र में अवसर प्राप्त होंगे।

Unit	Topic
Unit I	भारतीय वास्तुशास्त्र का परिचय, वास्तुशास्त्र का उद्भव,विकास एवं महत्त्व।
Unit II	वास्तुशास्त्र के प्रमुख आचार्य और ग्रन्थ।
Unit III	वास्तुशास्त्र में पंच महाभूतों का स्वरूप।
Unit IV	वास्तुशास्त्र में दिक्साधनविचार, भूमि चयन एवं प्रकार।
Unit V	वास्तुपुरुष का स्वरूप, गृहनिर्माण का प्रकार एवं महत्त्व।
Unit VI	शिलान्यास की विधि, वास्तुपूजन की विधि एवं महत्त्व तथा वास्तुशास्त्र की प्रासंगिकता।

Suggested Reading:

1. संस्कृतवाङ्मय का बृहद् इतिहास– प्रथम खण्डपं0 बलदेव उपाध्याय, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ।
2. गृह वास्तु प्रदीप– व्याख्याकर्त्री– श्रीमती शैलजा पाण्डेय,शरण बंसल,बी0जैन पब्लिशर्स।
3. बृहद्वास्तुमाला प्रयोग– हरिशंकर पाटक,भारतीय विद्यासंस्थान वाराणसी।
4. भारतीय कला और संस्कृति– गोविन्द चन्द्र पाण्डेय,राका प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. [illegible]

9. सम्पूर्ण वास्तुशास्त्र– डॉ0 भोजराज द्विवेदी,चौखम्बा संस्कृत साहित्य संस्थान दिल्ली।
10. गृह वास्तु: एक समीक्षण– डॉ0 सुधीर कुमार, निदेशक,हरियाणा संस्कृत अकादमी,पंचकूला,सम्या प्रकाशन,दिल्ली।
11. वास्तुपूजापद्धतिप्रकाश:– संकलनकर्ता श्रीस्वामी शान्तिधर्मानन्द सरस्वती, श्री सत्यं साधना कुटीर समिति, ऋषिकेश।
12. भारतीय वास्तुशास्त्र का इतिहास– डॉ0 विद्याधर, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।

Suggested Online Link

1. **SwayamPrabha - DTH Channel,**
   https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/program/current_he/1
2. **https://archive.org**

MASTER'S IN SANSKRIT

SEMESTER X

ACADEMIC PROJECT: भारतीय पुराभिलेख एवं लिपियाँ

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course		Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial / Practical/Practice		
ACADEMIC PROJECT	6	2	4	As per university ordinance	Nil

Subject: SANSKRIT	SAN-AP502	Year: V	Semester: X-Dissertation

Course Outcomes: पाठ्यक्रम–परिणाम

1. प्राचीन भारतीय अभिलेखों का अवबोध होगा।
2. प्राचीन लिपियों का ज्ञान होगा।
3. सांस्कृतिक विरासत की जानकारी प्राप्त हो सकेगी।
4. प्राचीन ज्ञान परम्परा का मूल्यांकन करने में सक्षम होंगे ।

Unit	Topic
Unit I	पुरालिपि, भारतवर्ष में लेखन कला की प्राचीनता।
Unit II	अभिलेख, अशोक का प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ अभिलेख का परिचय।
Unit III	अशोक का पंचम, षष्ठ, सप्तम, अष्टम अभिलेख का परिचय।
Unit IV	अशोक के नवम, दशम, एकादश एवं द्वादश अभिलेख का परिचय।
Unit V	स्तम्भ लेख, अशोक के सात स्तम्भ लेखों का विवरण।
Unit VI	समुद्र गुप्त का प्रयाग स्तम्भ लेख, खारवेल का हाथीगुफा अभिलेख एवं चन्द्रगुप्त द्वितीय के मथुरा शिलालेखों का परिचय एवं लिपियाँ।

Suggested Reading:

1. प्राचीन भारतीय लिपि एवं अभिलेख– डॉ0 गोपाल यादव।
2. पुराभिलेखों में इतिहास परम्परा एवं संस्कृति– प्रभा प्रकाशन।
3. भारतीय लिपियों की कहानी– गुणाकर मूमे, राजकमल प्रकाशन।
4. भारतीय पुरालिपिशास्त्र–मंगलनाथ सिंह, मोतीलाल बनारसी दास।
5. भारतीय प्राचीन लिपिमाला– रायबहादुर पण्डित गौरी शंकर हीराचन्द ओझा।
6. भारतीय स्वर्णयुग के संस्कृत अभिलेख एवं अमरकोश के अभिधान– परमानन्द मिश्रा, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।

Suggested Online Link:

	जनपद में संस्कृतभाषा का प्रभाव : सर्वेक्षण	IAPC 1	4	43
08	षष्ठ सत्रार्द्ध	कोर्स	केडिट	...
	वैदिकवाङ्मय का अध्ययन	DSC 6	4	44-45
	उपनिषद् साहित्य	DSE 4	4	46
	स्वास्थ्य विज्ञान	GE 6	4	47
	पाण्डुलिपि विज्ञान	IAPC 2	4	48
09	सप्तम सत्रार्द्ध	कोर्स	केडिट	...
	वैदिक साहित्य	DSC 7	4	49
	संस्कृतरूपक	DSE 5	4	50-51
	सांख्य एवं न्यायदर्शन	DSE 6	4	52
	व्याकरण, पालि एवं प्राकृत अथवा संस्कृत शोधप्रविधि	DSE 7	4	53-54
	संस्कृतरूपक	DSE 5	4	55
	सांख्य एवं न्यायदर्शन	DSE 6	4	56
	अर्वाचीन संस्कृतसाहित्य एवं साहित्यकार	GE 7	4	57
	संस्कृतरूपक	DSE 5	4	58-59
	अर्वाचीन संस्कृतसाहित्य एवं साहित्यकार	GE 7	4	60
	आर्षकाव्य रामायण	GE 8	4	61-62
	संस्कृतनाट्य एवं चलचित्र अथवा लोकसंस्कृति में संस्कृत का प्रभाव अथवा संस्कृतसाहित्य में आचार मीमांसा	Dissertation on Major Or Dissertation on Minor Or Academic Project/Entrepreneurship	6	63-64 65 66-67
10	अष्टम सत्रार्द्ध	कोर्स	केडिट	...
	काव्य एवं भारतीयसंस्कृति	DSC 8	4	68-69
	वेदाङ्ग (निरुक्त,ऋक्प्रातिशाख्य एवं पाणिनीय शिक्षा)	DSE 8	4	70-71
	वाक्यपदीय एवं भाषाविज्ञान	DSE 9	4	72
	मीमांसा एवं वेदान्त	DSE 10	4	73
	वेदाङ्ग (निरुक्त,ऋक्प्रातिशाख्य एवं पाणिनीय शिक्षा)	DSE 8	4	74-75
	वाक्यपदीय एवं भाषाविज्ञान	DSE 9	4	76
	उत्तराखण्ड के संस्कृतसाहित्यकार	GE 9	4	77-78
	वेदाङ्ग (निरुक्त,ऋक्प्रातिशाख्य एवं पाणिनीय शिक्षा)	DSE 8	4	79-80
	उत्तराखण्ड के संस्कृतसाहित्यकार	GE 9	4	81
	आर्षकाव्य रामायण			

	अथर्ववेद एवं आयुर्वेद चिकित्सा अथवा संस्कृतसाहित्य में वर्णित समाज अथवा भारतीय शिक्षा व्यवस्था : प्रासंगिकता	Dissertaion on Major Or Dissertaion on Minor Or Academic Project/Entrepreneurship	6	83-84 85-86 87-88
11	नवम सत्रार्द्ध	कोर्स	क्रेडिट	...
	काव्यशास्त्र भाग– 01	DSC 9	4	89-90
	साहित्यशास्त्र एवं नाट्यशास्त्र भाग–01	DSE 11	4	91-92
	व्याकरण–महाभाष्य, सिद्धिप्रक्रिया एवं सूत्र व्याख्या	DSE 12	4	93
	गद्य एवं ऐतिहासिक काव्य	DSE 13	4	94
	साहित्यशास्त्र एवं नाट्यशास्त्र भाग–01	DSE 11	4	95-96
	व्याकरण–महाभाष्य, सिद्धिप्रक्रिया एवं सूत्र व्याख्या	DSE 12	4	97
	धर्मशास्त्र– सामाजिक एवं विधिसम्बद्ध	GE 11	4	98
	साहित्यशास्त्र एवं नाट्यशास्त्र भाग–01	DSE 11	4	99
	धर्मशास्त्र–सामाजिक एवं विधिसम्बद्ध	GE 11	4	100-101
	नीतिशास्त्र–राजनीतिसम्बद्ध	GE 12	4	102
	वेदों में विज्ञान अथवा वेदों में राजनीति अथवा वेदों में लोककल्याण	Dissertation on Major Or Dissertation on Minor Or Academic Project/Entrepreneurship	6	103 104 105
12	दशम सत्रार्द्ध	कोर्स	क्रेडिट	...
	काव्यशास्त्र भाग– 02	DSC 10	4	106
	साहित्यशास्त्र एवं नाट्यशास्त्र भाग– 02	DSE 14	4	107
	संस्कृत प्रकरण, चम्पूकाव्य एवं निबन्ध	DSE 15	4	108-109
	अर्वाचीनसंस्कृतसाहित्य एवं साहित्यकार	DSE 16	4	110-111
	साहित्यशास्त्र एवं नाट्यशास्त्र भाग– 02	DSE 14	4	112-113
	संस्कृत प्रकरण, चम्पूकाव्य एवं निबन्ध	DSE 15	4	114-115
	कौटिलीय– अर्थशास्त्रम् (विनयाधिकरणम्)	GE 13	4	116
	साहित्यशास्त्र एवं नाट्यशास्त्र भाग– 02	DSE 14	4	117-118
	कौटिलीय– अर्थशास्त्रम् (विनयाधिकरणम्)	GE 13	4	119
	पातञ्जलयोगसूत्र	GE 14	4	120
	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	Dissertation on Major		121-122